शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 97 | गुवाहाटी | सोमवार, 31 अक्तूबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

छठ महापर्व : डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित, उगते सूर्य को अर्घ्य आज — पेज 3
चीन सीमा की बर्फीली पहाड़ियों पर जमने को भारतीय सैनिकों की तैयारियां पूरी — पेज 4
गुजरात विस चुनाव में भाजपा क्यों दिख रही विचलित : मायावती — पेज 5
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ने गुरु माना हमारे लिए गर्व की बात : राठौड़ — पेज 8

देश-विदेश में छठव्रतियों ने सूर्य को दिया सांध्य अर्घ्य, प्रातः अर्घ्य आज

भोजपुरी समाज देश में सबसे मजबूत है : सोनोवाल

गुवाहाटी (विभास)। छठ पूजा के अवसर पर फैंसी बाजार लाचित घाट पर सर्व हिंदुस्तानी युवा परिषद और अखिल भारतीय मध्य देशीय वैश्य सभा (युवा मंच) के सौजन्य से एक समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में असम के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल उपस्थित थे। इस मौके पर सोनोवाल ने सभी को छठ पूजा की शुभकामना देते हुए कहा कि इंसानियत की भावना शक्ति -शेष पृष्ठ दो पर

छठ पूजा श्रेष्ठ भारत का एक उदाहरण : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (30 अक्तूबर) को देश के लोगों से 94वीं बार मन की बात की। इस दौरान उन्होंने देशवासियों को छठ पर्व की बधाई दी। साथ ही, कहा कि यह त्योहार एक भारत श्रेष्ठ भारत का उदाहरण है। आइए जानते हैं कि पीएम मोदी ने इस दौरान क्या-क्या कहा? पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के कई हिस्सों में सूर्य उपासना का महापर्व छठ मनाया जा रहा है। छठ पर्व का हिस्सा बनने के लिए लाखों श्रद्धालु अपने गांव, अपने घर, अपने परिवार के बीच पहुंचे हैं। मेरी प्रार्थना है कि छठ मइया -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम आवास पर नीतीश कुमार ने दिया अर्घ्य

पटना। 28 अक्तूबर से शुरू हुए छठ महापर्व का आज बेहद खास तीसरा दिन है। व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को बांस की टोकरी में फल, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि से भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। पटना के गंगा घाटों पर श्रद्धालु सिर पर धम्मा और दउरा लेकर छठ व्रतियों के साथ गीत गाते हुए पहुंचे। राजधानी पटना में शहर के 85 गंगा घाट और 61 तालाबों पर 15 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचे। वहीं, जिले के 427 घाट और 179 तालाबों पर 25 से 30 लाख श्रद्धालु घाट पर पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आग सिर में स्थापित करने पर भी जलाती है। अर्थात दुष्ट व्यक्ति का कितना भी सम्मान कर लें, वह सदा दुःख ही देता है।

– **आचार्य चाणक्य**

असम, अरुणाचल, मेघालय, मिजोरम व मणिपुर के बीच नए एलायंस एयर का संचालन शुरू

संपर्क, पर्यटन और व्यापार को मजबूत करने के लिए नया अभियान : डॉ शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ रविवार को असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और मिजोरम राज्यों में एलायंस एयर के संचालन को हरी झंडी दिखाने के लिए वर्चुअली एक कार्यक्रम में भाग लिया। नए ऑपरेशन के तहत एलायंस एयर लीलाबारी, जीरो, शिलांग, इंफाल और मिजोरम के बीच उड़ान भरेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने इसे एक महत्वपूर्ण दिन करार दिया, क्योंकि एलायंस एयर के संचालन से पूर्वोत्तर में विशेष रूप से असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और मणिपुर राज्यों के बीच अधिक हवाई संपर्क होगा। उन्होंने कहा कि मैं इन हवाई परिचालनों के शुभारंभ को न केवल एयरलाइन मार्गों का विस्तार मानता हूं, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण भविष्य का इशारा है, जो लोगों से लोगों के संपर्क, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह उनकी *परिवहन के माध्यम से परिवर्तन* की नीति के कारण है, पूर्वोत्तर राज्यों ने पिछले आठ वर्षों में कनेक्टिविटी क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार देखा है। -शेष पृष्ठ दो पर

एक दशक में सभी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाया जाएगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के शिक्षा क्षेत्र को एक नया आयाम देने और पांच हजार करोड़ रुपए की लागत से 1000 स्कूलों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकार के कदमों की अगली कड़ी के तहत, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी में पांच शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया और स्कूलों के शैक्षणिक वातावरण में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कदम उठाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने भरलुमुख के सोनाराम हायर सेकेंडरी स्कूल, कॉटन कॉलेजिएट एचएस स्कूल, कामरूप एकेडमी एचएस स्कूल, टीसी गर्ल्स एचएस -शेष पृष्ठ दो पर

कर्ज देने वाली चीन की कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करे राज्य : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कर्ज देने वाले मोबाइल ऐप के खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त कार्रवाई करने को कहा है क्योंकि चीन के नियंत्रण वाली इन कंपनियों के उत्पीड़न और पैसा वसूल करने के सख्त तरीकों की वजह से आत्महत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि इस मुद्दे का राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा पर बड़ा गंभीर असर हो रहा है। इसमें कहा गया कि देशभर से बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि डिजिटल तरीके से कर्ज देने वाली गैरकानूनी ऐप विशेषकर कमजोर और निम्न आय वर्ग के लोगों को ऊंची ब्याज दरों पर कम अवधि के -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में पेट्रोल टैंकर में आग : चार की मौत, 18 घायल

नई दिल्ली। मिजोरम के एजल जिले में शनिवार शाम को एक पेट्रोल टैंकर में आग लगने और विस्फोट होने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है और 18 अन्य लोग घायल हो गए हैं। घटना राजधानी से करीब 18 किलोमीटर पूर्व तुइरियाल गांव में शाम करीब छह बजे उस वक्त हुई जब टैंकर चंफाई जा रहा था। हादसा उस समय हुआ जब किसी कारणवश टैंकर से बाहर गिर रहे पेट्रोल को लेने की कोशिश की उसी समय उसमें आग लग गई। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

भाजपा के सात सदस्य निलंबित

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में सात सदस्यों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। भाजपा ने एक बयान जारी कर बताया कि प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने पार्टी संविधान की धारा 25 की उप-धारा 9 के अनुसार देउरी चुनाव में पार्टी के पार्टी उम्मीदवारों के विरुद्ध चुनाव लड़ने के आरोप में 7 कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं में हरि गोविंद देवरी 6 नंबर -शेष पृष्ठ दो पर

फिलिपीन में दर्जनों लोग जिंदा दफन

मनीला। फिलीपीन के कुसियोंग गांव के निवासी रविवार को आए तूफान को सुनामी समझ बैठे, जिसके चलते वे पहाड़ की तरफ ऊंचे स्थान की ओर दौड़ पड़े और फिर वहीं जिंदा दफन हो गए। गांववालों को यह गलतफहमी इसलिए हुई, क्योंकि कुसियोंग इससे पहले विनाशकारी सुनामी का सामना कर चुका था। रविवार तड़के फिलीपीन के उत्तर-पश्चिमी तट से टकराए *नालगे* नाम के तूफान से सबसे अधिक प्रभावित हिस्सों में शामिल दक्षिणी प्रांत मैग्विनडानाओ के कुसियोंग गांव में दूर-दूर तक लगे कीचड़ के अंबार से -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात : मच्छू नदी में झूलता पुल गिरने से करीब 40 लोगों के डूबने की आशंका

अहमदाबाद (हि.स.)। सौराष्ट्र के मोरबी शहर में मच्छु नदी पर स्थित झूलता पुल रविवार शाम को अचानक टूट गया। हादसे के समय पुल पर पांच सौ अधिक लोग मौजूद थे। पुल गिरने की खबर से चारों ओर हड़कंप मच गया। नदी में गिरने से करीब 40 लोगों के डूबने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन प्रशासन ने अभी पुष्टि नहीं की है। एम्बुलेंस और दमकल टीम मौके पर पहुंच गई और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। मोरबी का विश्वविख्यात झूलता पुल मणिमंदिर के समीप मच्छू नदी पर बना है। पुल की देखरेख की जिम्मेदारी ओरेवा ट्रस्ट के पास है। मोरबी का यह झूलता पुल

अंग्रेजों के जमाने का है और करीब 140 वर्ष पुराना है। इसकी लंबाई करीब 765 फीट है। करीब छह महीने तक चले रिनोवेशन के बाद गुजरात नववर्ष के दिन इसे खोला गया था। इस पर करीब दो करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। लगभग सात माह बाद पुल खोलने के बाद पहला रविवार होने से आज बड़ी तादाद में लोग अपने परिवारों के साथ पुल पर तस्वीरें और सेल्फी लेने के लिए पहुंचे थे। हादसे के समय पुल पर पांच सौ अधिक लोग थे, तभी अचानक पुल टूट गया। पुल पर मौजूद कई लोग नदी में गिर गए, जिसमें से कई लोग पुल के सहारे बाहर निकलने की -शेष पृष्ठ दो पर

नगा समाज की सबसे बड़ी जरूरत एकता : मुख्यमंत्री

कोहिमा। कोहिमा में नगा छात्र संघ (एनएसएफ) के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने शनिवार को कहा कि नगा समाज की सबसे बड़ी जरूरत एकता और सद्भाव है। रियो ने कहा कि यह देखकर खुशी हुई कि सभी नगा बसे हुए क्षेत्रों के नगा परिवार इस अवसर पर एकजुट हुए है। असम छात्र संघ, खासी छात्र संघ और पूर्वोत्तर छात्र संगठन समेत पूर्वोत्तर के विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों ने इसके सलाहकार -शेष पृष्ठ दो पर

एससी में आज 240 याचिकाओं पर सुनवाई

नई दिल्ली। दीवाली की छुट्टियों के बाद अब कल यानी सोमवार को सुप्रीम कोर्ट विवादित नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) सहित करीब 240 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि इनमें से ज्यादातर जनहित याचिकाएं हैं। इन 240 याचिकाओं में से करीब 232 याचिकाएं सीएए से जुड़ी हैं। गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने अकेले ही इन 232 याचिकाओं को 31 अक्तूबर यानी कल के लिए सूचीबद्ध किया है। इससे पहले सीजेआई यूयू ललित की पीठ ने कहा था कि नागरिकता अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई के लिए तीन-न्यायाधीशों की पीठ को भेजा जाएगा। बता दें कि भारत के मुख्य न्यायधीश यूयू ललित आठ नवंबर को रिटायर होने वाले हैं। इस मुद्दे पर मुख्य याचिका इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने दायर की थी। आईयूएमएल ने अपनी याचिका मे कहा है कि सीएए समता के अधिकार का उल्लंघन करता है और इसका मकसद धर्म के आधार पर एक वर्ग को अलग रखते हुये अन्य गैरकानूनी शरणार्णियों को नागरिकता प्रदान करना है। याचिका में यह भी दलील दी गई है कि यह कानून संविधान के बुनियादी ढांचे के खिलाफ है और यह मुसलमानों के साथ भेदभाव करने वाला है। -शेष पृष्ठ दो पर

बेरोजगारी और महंगाई में सबसे निचले पायदान पर हम

नई दिल्ली। शहरी भारतीयों को बेरोजारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और मुद्रास्फीति की चिंता सता रही है। इसका खुलासा आईपीएसओएस के ताजा सर्वेक्षण में हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दस में से दो शहरी भारतीय मुद्रास्फीति के बारे में चिंतित हैं। आईपीएसओएस के सर्वे *व्हाट वॉरिज द वर्ल्ड* में कहा गया है कि मुद्रास्फीति के बारे में चिंतित 29 बाजारों में भारत सबसे निचले पायदान पर है। यह सर्वेक्षण अक्तूबर में किए गए सर्वे के निष्कर्षों पर आधारित है। रिपोर्ट में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मुख्यमंत्री ने नशा मुक्ति दौड़ को दिखाई हरी झंडी

2025 तक देवभूमि को नशा मुक्त करने का संकल्प : धामी

देहरादून (हि.स.)। मुख्यमंत्री ने पुलिस की ओर से रविवार को पुलिस लाइन में नशामुक्त मुहिम के साथ रन फॉर यूनिटी और रन अगेन्ट्स ड्रग्स थीम पर आयोजित देहरादून मैराथन का फ्लैग ऑफ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संकल्प दिलाते हुए कहा कि उत्तराखंड को 2025 तक नशा मुक्त करना है। इस दौड़ में देश के साथ 15 देशों के विदेशी एथलीट भी शामिल हुए। कार्यक्रम हंस फाउंडेशन की संस्थापिका माता मंगला,भोले महाराज भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल ने राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन राष्ट्रीय एकता में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि 2025 तक उत्तराखंड को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। नशा से मुक्ति के लिए सबको दृढ़ संकल्प लेना होगा और अन्य लोगों को भी नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि एक अच्छे समाज के लिए सबका स्वस्थ शरीर होना जरूरी है। जीवन के सभी सुख निरोगी काया से ही संभव है। स्वस्थ मन, वचन, एवं कर्म के लिए मनुष्य का निरोगी होगा जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सबको अपना योगदान देना होगा। हमारी युवा पी?ी जो आने वाले समय में देश के कर्णधार होंगे, उन्हें सही दिशा मिलनी जरूरी है। भविष्य में युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए यह जागरूकता कार्यक्रम किया गया है। आने वाली पीढ़ी और संस्कृति को बचाने के लिए बेहतर भविष्य को तैयार करने के लिए सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि नशा की लत से दूर रहकर अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। जीवन का हर सुख निरोगी काया है। यह संकल्प लेकर इस दौड़ में जा रहे हैं। इस दौरान पुलिस और हंस फाउंडेशन को दौड़ के लिए सहयोग किया। पुलिस लाइन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कैलाश खेर सहित अन्य कालाकारों ने गीत गाकर उत्साह वर्धन किया। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि रन फॉर यूनिटी एवं रन अगेंस्ट ड्रग थीम पर आधारित देहरादून मैराथन में 15 हजार से अधिक लोग प्रतिभाग कर रहे हैं। अनेक देशों के एथलीट भी इसमें प्रतिभाग कर रहे हैं। राष्ट्रीय एकता एवं नशा मुक्ति के उद्देश्य से देहरादून मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। 10 और 21, किलोमीटर के साथ 03 किलोमीटर की दौ? है। पुलिस की ओर से दौड़ में 15 देशों के 112 एथलीट कैडेट्स,21 किमी में कुल 3255 (3027 पुरूष व 228 महिला), 10 किमी में कुल 5100 (4351 पुरुष व 749 महिला) प्रतिभागियों का पंजीकरण जा कराया गया है। करीब 15 हजार लोगों ने पंजीकरण कराया है।

राजा शिव छत्रपति महानाट्य की तैयारी पूरी
लाल किला में चार मंजिल मंच बनकर तैयार

नई दिल्ली (हि.स.)। राजा शिव छत्रपति महानाट्य के लिए लालकिला दिल्ली में चार मंजिल मंच बनकर तैयार हो गया। आज दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. हर्षवर्धन ने मंच पर पूजन किया और तैयारियों का जायजा भी लिया। डा. हर्षवर्धन ने फांगिंग मशीन से कार्यक्रम स्थल पर छिड़काव भी किया। छत्रपति शिवाजी महानाट्य के मंच को खास तरीके से तैयार किया गया है। यह चार मंजिला मंच है। इसे त्रिस्तरीय बनाया गया है। मंच पर एक साथ 250 कलाकार इस नाटक का मंचन करेंगे। इस कार्यक्रम को जीवंत बनाने के लिए खासतौर से रोशनी और आवाज का प्रयोग (लाइट एंड साउंड) किया है। दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता रामवीर सिंह बिधुडी ने कहा, %आज शिवाजी महाराज का जीवन चरित्र हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। शिवाजी महाराज ने जिस राष्ट्रवाद को देश में फैलाया उसके प्रचार प्रसार की जरुरत है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. हर्षवर्धन ने कहा कि यह बहुत ही आनंद का विषय है कि लाल किले से इसका मंचन हो रहा है। यह अच्छी बात है कि दर्शकों को इस नाटक के माध्यम से शिवाजी महाराज की राजनीतिक और प्रशासनिक कार्यकुशलता को समझने का अवसर प्राप्त होगा।

मादक पदार्थ जब्त एक तस्कर गिरफ्तार

होजाई (हि.स.)। होजाई जिला के लमडिंग पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि लमडिंग पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बीती रात को तलाशी अभियान के दौरान एक वाहन (एएस-01एएच-0757) को रोका। वाहन के अंदर से लगभग 45 बोतल प्रतिबंधित कप सिरप और 15 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया। इस मामले में नांटू दास नामक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए नशीले पदार्थ की कीमत लगभग दो लाख रुपए आंकी गई है। घटना के संबंध में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तातस्कर से पूछताछ कर रही है। इनकी निशानदेही पर पुलिस को लगता है कि कई खुलासे हो सकते हैं। जिसके जरिए इनसे जड़ित अन्य लोग भी पुलिस के हत्थे चढ़ सकेंगे।

मुंबई के ट्रॉम्बे में घर का हिस्सा गिरने से 4 साल के बच्चे की मौत, दो घायल

मुंबई (हि.स.)। मुंबई के ट्रॉम्बे में स्थित चिता कैंप के दत्त नगर झुग्गी में शनिवार को घर का एक हिस्सा गिरने से एक 4 साल के बच्चे की मौत हो गई और एक बच्चे सहित दो घायल हो गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरु कर दिया है। मुंबई नगर निगम सूत्रों के अनुसार मुंबई में ट्रॉम्बे के चिता कैंप के दत्त नगर झुग्गी में शनिवार को घर का एक हिस्सा गिरने से एक 4 साल के बच्चे की मौत हो गई और एक बच्चे सहित दो घायल हो गए। यह घटना शनिवार शाम करीब 6~45 बजे हुई। इस मामले की जानकारी शाम 7.16 बजे अधिकारियों को दी गई। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरु कर दिया। इस घटना में 4 वर्षीय बालक प्रणव अशोक माने बुरी तरह जख्मी हो गया था, उसे अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी तरह इस घटना में घायल प्रिंस आशीष कोलजी और 45 वर्षीय जफर मंडल का इलाज राजावाडी अस्पताल में चल रहा है। इस मामले की जांच ट्रॉम्बे पुलिस की टीम कर रही है।

जयंती पर पराढ़कर जी को पुण्य स्मरण किया गया

वाराणसी (हि.स.)। आजादी के संघर्ष के दौर में जो पत्रकार स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका में थे, उनमें अग्रणी सम्पादकाचार्य बाबूराव विष्णु पराढ़कर थे। उनके लिखने की विशिष्ट शैली थी। छोटे छोटे वाक्यों द्वारा गू? से गूढ़ विषय की वे स्पष्ट और सुबोध अभिव्यक्ति करते थे। यह विचार पत्रकारों और साहित्यकारों के हैं । अवसर रहा पत्रकार शिरोमणि बाबूराव विष्णु परा?कर की जयंती का। गोलघर स्थित पराड़कर भवन में काशी पत्रकार संघ की ओर से जयंती पर आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने पराड़कर जी के योगदान का स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि आज हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक संकट से बचाने की जरूरत है। पराढ़कर जी के विचारों का संचयन कर नयी पीढी के लिए उसे प्रकाशित भी करना चाहिए। बतौर मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो. राममोहन पाठक ने कहा कि पराढ़कर जी भारतीय वैचारिकी के दीप स्तंभ हैं। सम्यक दृष्टि ही पत्रकारिता की आत्मा है।

गोपाष्टमी मेले में पारीक सभा गुवाहाटी ने लगाया जल शिविर

गुवाहाटी (नसं)। पारीक सभा, गुवाहाटी द्वारा गोपाष्टमी मेले के अवसर पर गौशाला प्रांगण मे आयोजित तीन दिवसीय गोपाष्टमी मेले मे श्रद्धालुगणो के लिए शुद्ध पेयजल शिविर लगाया गया है। शिविर का विधिवत शुभारंभ पारीक सभा के अध्यक्ष मदन पारीक एव आल इंडीया पारीक महासभा की युवा ईकाई के राष्ट्रीय संयोजक परेश पारीक द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक सिद्धार्थ पारीक एव अनिल पारीक ने बताया की पारीक सभा विगत चालीस वर्षो से गुवाहाटी गौशाला प्रांगण मे लगने वाले गोपाष्टमी मेले मे शीतल एव शुद्ध पेयजल शिविर लगा रही है। सयुंक्त सचिव मुकेश पारीक ने जानकारी देते हुए बताया की आज के शिविर मे पारीक युवक परिषद के

अध्यक्ष रमेश पारीक,पवन पारीक अशोक पारीक वरिष्ठ सदस्य लादुराम पारीक श्याम सुंदर जोशी, बजरंग व्यास, श्रीचन्द व्यास, राकेश पारीक, अमित पारीक, रोहित पारीक सहित परिषद के कई सदस्य मौजूद थे।

हड़ताल के बाद काम पर लौटे सफाई कर्मचारी

फतेहाबाद (हिंस)। अपनी मांगों को लेकर 11 दिनों तक हड़ताल पर रहे सफाई कर्मचारी रविवार को वापस काम पर लौट आए और शहर में सफाई का काम शुरू किया। सफाई कर्मचारियों के काम पर लौटने से शहरवासियों ने भी राहत की सांस ली है। सफाई कर्मचारियों ने रविवार को शहर में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाया। शहर के चौक-चौराहों पर लगे कूड़े के ढेरों को जेसीबी की सहायता से उठवाया गया। हालांकि 11 दिनों तक सफाई ठप्प रहने से शहर की सड़कों पर पड़ी गंदगी को उठाने में समय लगेगा लेकिन रविवार को सफाई का काम शुरू होने से लोगों ने भी खुशी जाहिर की है। बता दें कि नगरपालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर प्रदेशभर के सफाई कर्मचारियों ने 19 अक्टूबर से हड़ताल पर जाने की घोषणा की थी।

पृष्ठ एक का शेष

भोजपुरी समाज देश ...

से ही मानव समाज को मजबूत बना सकते हैं। जीवन में मानव समाज की महानता को बढ़ाने के लिए तंदुरुस्त रहने के लिए हम सब निष्ठा पूर्वक समाज और देश के लिए काम करें। दुनिया में अगर शक्तिशाली देश है तो भारत है। इसका कारण भारत का 5 हजार साल पुरानी सभ्यता और संस्कृति है। जो आज भी जीवित है। इसी वजह से भारत सदियों से विश्व गुरु है और रहेगा। दुनिया के मानव समाज को शक्ति देने का काम भारत सदियों से करता आ रहा है। भोजपुरी समाज के बारे में बोलते हुए सोनोवाल ने कहा कि भोजपुरी समाज देश में एक शक्तिशाली और मजबूत समाज है। जब मैं डिब्रूगढ़ में विधायक और सांसद था तब भी मैं भोजपुरी समाज के एक बुलावे पर उनके सामने उपस्थित हो जाता था। इस समाज को मैं प्रणाम करता हूं। इससे पहले कार्यक्रम के अध्यक्ष और असम वित्त आयोग के अध्यक्ष विजय गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गोधन सेवा के अध्यक्ष विजय खुराना, सांसद क्वीन ओझा, शंकर सिंह, ऋषिकेश गोस्वामी, पार्षद प्रमोद स्वामी, सौरव झुनझुनवाला, सुभाष गुप्ता के अलावा कई गणमान्य मौजूद थे।

छठ पूजा श्रेष्ठ भारत...

सबकी समृद्धि, सबके कल्याण का आशीर्वाद दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छठ का पर्व एक भारत-श्रेष्ठ भारत का भी उदाहरण है। आज बिहार और पूर्वांचल के लोग देश के जिस भी कोने में हैं, वहां धूमधाम से छठ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात में छठ पूजा नहीं होती थी, लेकिन समय के साथ आज करीब-करीब पूरे गुजरात में छठ पूजा के रंग नजर आने लगे हैं। यह देखकर मुझे भी बहुत खुशी होती है। आजकल हम देखते हैं कि विदेशों से भी छठ पूजा की कितनी भव्य तस्वीरें आती हैं। मन की बात के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सूर्य देव का वरदान है *सौर ऊर्जा*।

सीएम आवास पर...

कुमार ने अपने बेटे के साथ सीएम आवास पर तो उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने छठ के अवसर पर दीघा घाट पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। सीएम नीतीश ने अर्घ्य देते हुए बिहारवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। सीएम की भाभी और भतीजी ने इस साल छठ व्रत किया हैं। इस दौरान सड़क के दोनों को सड़क को स्थानीय लोगों ने पानी से धो दिया। जगह-जगह पानी के स्टॉल लगाए हैं। सड़क से लेकर घाट तक छठी मैया की गीत बज रहे हैं। पटना पुलिस और दंडाधिकारी भी मुख्य चौक-चौराहों और घाटों पर तैनात है। पुलिस की एक टीम कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के जरिए निगरानी कर रही है। आज दीघा घाट, एलसीटी घाट के आसपास रहने वाली महिला व्रती पैदल ही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नदी के तट पर पहुंचती दिखीं। कई परिवार चार पहिया वाहन से भी जाते दिखे। सड़क पर जाम न लगे इसके लिए पटना पुलिस ने पहले ट्रैफिक प्लान बना दिया था। पटना के 85 गंगा घाट और 61 तालाबों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं पहुंचे। वहीं बड़ी संख्या में लोगों ने घर की छतों पर छठ मनाया। इसके बाद चौथे और आखिरी दिन उगते हुए सूर्य को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा और अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाएगा। शनिवार की रात खरना का प्रसाद खाने के बाद से व्रती निर्जला उपवास कर रहे हैं। महापर्व में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए 600 मजिस्ट्रेट, 5000 पुलिस बल तैनात किए गए। 800 जवानों के साथ 289 नाव, 289 नाविक और 324 गोताखोर तैनात हैं। 125 से अधिक सिविल डिफेंस के वोलंटियर्स की भी प्रतिनियुक्त की गई है।

संपर्क, पर्यटन और ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखीमपुर जिला में लीलाबाड़ी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक महत्वपूर्ण हवाई अड्डा है। इस हवाई अड्डे के विकास के लिए राज्य सरकार पहले ही बुनियादी पट्टी और आइसोलेशन बे के निर्माण के लिए 84 एकड़ जमीन सौंप चुकी है। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल के तहत उड़ान योजना की मदद से पूर्वोत्तर के सभी महत्वपूर्ण शहरों को क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत एक साथ लाया गया है। इसके अलावा, उनके नेतृत्व में एलजीबीआई हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल के लिए सरकार द्वारा काम किया गया है और काम में जबरदस्त प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिमी असम में रूपसी हवाईअड्डा जो 1984 से बंद पड़ा था, का उड़ान योजना के तहत पुनर्विकास किया गया है और पिछले साल मई से परिचालन में है। डॉ. शर्मा ने कहा कि आज पूर्वोत्तर भारत के विमानन विकास को बढ़ावा दे रहा है। उद्योग ने एक मील का पत्थर हासिल किया है जो कुछ साल पहले असंभव था। अड़ान योजना के लागू होने के साथ, अगस्त 2017 से अगस्त 2022 तक पूर्वोत्तर में विमान की आवाजाही बढ़कर 7973 उड़ानों तक पहुंच गई, जो कि 36 प्रतिशत की वृद्धि है, जो पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण क्षेत्रों में विकास दर से अधिक है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में असम और पूर्वोत्तर को भविष्य में विमानन क्षेत्र में और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने क्षेत्र में नई उड़ान संचालन शुरू करने के लिए एलायंस एयर को भी धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वीके सिंह, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सीईओ एलायंस एयर विनीत सूद अपने-अपने स्थानों से ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर असम सरकार के परिवहन मंत्री परिमल शुक्लबैद्य, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा, आयुक्त परिवहन आदिल खान भी उपस्थित थे।

एक दशक में सभी...

स्कूल और गोपाल बोडो गवर्नमेंट एचएस स्कूल का दौरा किया और उनके मौजूदा बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने पीडब्ल्यूडी को बड़े खुले स्थानों और आधुनिक क्लास रूम के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए इन स्कूलों में नए बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए ब्लू प्रिंट तैयार करने के लिए कहा। स्कूलों का दौरा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने राज्य भर के एक हजार उच्च और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों को शामिल करते हुए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक व्यापक कदम उठाया है। योजना के तहत शिक्षण संस्थानों में सही तरह के कदम उठाते हुए बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी शिक्षण संस्थान में 100 साल से अधिक पुराना भवन है, तो सरकारी योजना के तहत इमारत को विरासत भवन के रूप में संरक्षित करने में अपनी मदद प्रदान करेगी। प्रारंभ में एक प्रयोग के रूप में, राज्य सरकार गुवाहाटी और उसके आसपास के 10 स्कूलों को उनके बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कदम उठाएगी। कार्य पूरा होने के बाद, सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 8-9 स्कूलों को उनके बुनियादी ढांचे के विकास के लिए इस योजना के तहत शामिल करेगी। 5000 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय से जुड़े नए और पर्याप्त बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ ऐसे 1000 स्कूलों का कायाकल्प किया जाएगा। यह कहते हुए कि या तो काम 2026 तक पूरा हो जाएगा या सभी 1000 स्कूलों में एक साथ शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले चरण में इस योजना के तहत 2000 और स्कूलों को शामिल किया जाएगा। एक दशक में सभी स्कूलों को योजना के दायरे में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री के स्कूलों के दौरे के दौरान राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, शिक्षा सलाहकार प्रो. नानी गोपाल महंत और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

कर्ज देने वाली चीन...

कर्ज या सूक्ष्म कर्ज देती है और इसमें छिपे शुल्क भी होते हैं। ये कंपनियां कर्जदारों के संपर्क, स्थान, तस्वीरों और वीडियो जैसे गोपनीय निजी डेटा का इस्तेमाल कर उनका उत्पीड़न करती हैं और उन्हें भयाक्रांत कर उनका दोहन (ब्लैकमेल) भी करती हैं। मंत्रालय ने कहा कि कर्ज देने वाली इन गैरकानूनी कंपनियों के खराब रवैये के कारण देशभर में कई लोगों की जान चली गई है। इस मुद्दे का राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। कर्ज लेने वालों को इन ऐप को अपने संपर्क, स्थान और फोन की स्टोरेज तक अनिवार्य रूप से पहुंच देनी पड़ती है। मंत्रालय ने कहा कि इसी डेटा का दुरुपयोग किया जाता है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, जांच में यह पाया गया है कि यह एक संगठित साइबर अपराध है जिसे अस्थायी ईमेल, वर्चुअल नंबर, अनजाने लोगों के खातों, मुखौटा कंपनियों, भुगतान सेवा प्रदाताओं, एपीआई सेवाओं, क्लाउड होस्टिंग और क्रिप्टोकरंसी के जरिये अंजाम दिया जाता है।

मिजोरम में पेट्रोल ...

आग लगते ही टैंकर में विस्फोट हो गया और चार लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि 18 अन्य झुलसे हुए अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने कहा कि उनमें से पांच की हालत गंभीर है। वहीं, असम में गुवाहाटी के टोकोबाड़ी इलाके में भीषण आग लग गई। आनन-फानन में आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग में कई घरों के क्षतिग्रस्त होने की खबर है। हालांकि, घटना के संबंध में पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आ पाई है।

फिलिपीन में दर्जनों ...

बचावकर्ता अब तक कम से कम 18 शव निकाल चुके हैं। पूर्व गुरिल्ला अलाववादियों द्वारा शासित पांच मुस्लिम प्रांतों के स्वायत्त क्षेत्र के गृह मंत्री नजीब सिनारिंबो ने कहा कि अधिकारियों को गुरुवार रात और शुक्रवार तड़के के बीच कुसियोंग गाव में 80 से 100 लोगों के बाढ़ के पानी में बहने या दफन होने की आशंका है। *नालगे* के दौरान फिलीपीन में भारी बारिश हुई, जिसके कारण कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। जान गंवाने वालों में कुसियोंग गांव के लोग भी शामिल हैं। साथ ही यह तूफान आपदा के लिहाज से सबसे संवेदनशील देशों में शुमार फिलीपीन में भारी तबाही का मंजर छोड़ गया। *टेडुरे* जातीय अल्पसंख्यकों की घनी आबादी वाले कुसियोंग गांव के लिए यह आपदा और भी दुखद है, क्योंकि इसके 2,000 से अधिक ग्रामीण सुनामी से बचने के लिए दशकों से हर साल आपदा प्रबंधन की तैयारियां करते रहे हैं।

गुजरात : मच्छू नदी ...

कोशिश करते देखे गए। हादसे के बाद केबल ब्रिज की कई तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें नजर आ रहा है कि ब्रिज बीच से टूटकर नदी में समा गया है। हालांकि, पुल टूटने से नदी में गिरने वालों की संख्या का पता नहीं चल सका है, लेकिन हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है। पुलिस और प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। लोगों को नदी से बाहर निकाला जा रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन में स्थानीय लोग भी पुलिस और प्रशासन की मदद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोरबी दुर्घटना के संबंध में गुजरात के मुख्य मंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की। उन्होंने स्थिति पर लगातार नजर रखने और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने के लिए भी कहा है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख और प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद मुहैया कराने की घोषणा की है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। फायर ब्रिगेड के सूत्रों ने 40 से 50 लोगों के डूबने की आशंका जताई है। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य जारी है। घायलों के तत्काल उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी ट्वीट कर हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, गुजरात से बेहद दु:खद खबर मिल रही है। मोरबी में ब्रिज टूट जाने से कई लोगों के नदी में गिर जाने की खबर है। भगवान से उनकी जान और स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

नगा समाज की ...

डॉ. समुज्जल भट्टाचार्य के नेतृत्व में *कॉल टू वननेस* विषय पर आयोजित एनएसएफ जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने 75 साल पहले एनएसएफ के अग्रदूतों के प्रयासों को स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी दृष्टि और आकांक्षाएं आज महासंघ के मार्गदर्शक हैं। मुख्यमंत्री ने छात्र समुदाय के साथ-साथ नगा लोगों के साथ-साथ महासंघ को भी बधाई दी। रियो ने आशा व्यक्त की कि एनएसएफ मजबूत बना रहेगा और आने वाले वर्षों में भी नगा लोगों की सेवा और उन्हें एकजुट करने की अपनी विरासत को जारी रखेगा।

एससी में आज 240...

सीएए की संवैधानिक वैधता को इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग, पीस पार्टी, असम गण परिषद, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन, जमायत उलेमा ए हिंद, जयराम रमेश, महुआ मोइत्रा, देव मुखर्जी, असददुद्दीन ओवेसी, तहसीन पूनावाला व केरल सरकार सहित अन्य ने चुनौती दी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सीएए को मूल अधिकारों पर हमला कहा है। याचिका के अनुसार, यह कानून धर्म व भौगोलिक परिस्थितियों के दो वर्ग बनाता है। जनवरी 2020 में, शीर्ष अदालत ने मामले में साफ किया था कि वह केंद्र की बात सुने बिना नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के संचालन पर रोक नहीं लगाएगी। गौरतलब है कि साल 2019 में केंद्र सरकार ने नागरिकता कानून में संशोधन किया था। संशोधित कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, बौद्ध, ईसाई, जैन और पारसी समुदायों के गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रयास करता है, जो 2014 तक देश में आए हैं। सीएए पर याचिकाओं के अलावा शीर्ष अदालत अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर भी सुनवाई करने वाली है। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में केंद्र और राज्यों को संसद और राज्य विधानसभाओं में पेश किए जाने से कम से कम 60 दिन पहले सरकारी वेबसाइटों पर और सार्वजनिक डोमेन में मसौदा कानूनों को प्रमुखता से प्रकाशित करने के लिए निर्देश देने की मांग की है।

बेरोजगारी और महंगाई ...

कहा गया है कि दुनियाभर में मुद्रास्फीति नागरिकों के बीच चिंता का प्रमुख कारण बनी हुई है और इसमें पिछले महीने दो प्रतिशत की वृद्धि भी हुई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर नागरिक गरीबी, सामाजिक असमानता, बेरोजगारी, हिंसक अपराधों और वित्तीय व राजनीतिक भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर चिंता में दिखे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 76 फीसदी भारतीयों का मनाना है कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भाजपा के सात ...

कटिओरी परिषद निर्वाचन क्षेत्र (शिवसागर), बैकुंठ देवरी 7 नंबर राजाबाड़ी परिषद निर्वाचन क्षेत्र (शिवसागर), मनुमती देवरी 10 नंबर सिसिबरगांव परिषद निर्वाचन क्षेत्र (धेमाजी), धर्मेंद्र देवरी 14 नंबर गोगामुख परिषद निर्वाचन क्षेत्र (धेमाजी), मधुबाला देवरी 14 नंबर गोगामुख परिषद निर्वाचन क्षेत्र (धेमाजी), मधुबाला देवरी 14 नंबर गोगामुख परिषद निर्वाचन क्षेत्र (धेमाजी) को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में आगामी 8 नवम्बर को देवरी स्वायत्तशासी परिषद का चुनाव होने जा रहा है।

स्वर्वेद भाष्य

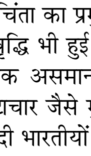

चतुर्थ मंडल — **तृतीय अध्याय**

(भक्ति)

भक्त भक्ति में रत रहे, नहीं मोक्ष से काम।
पूरण धनि पूरण मिले, है सब पूरण काम॥ 23॥

शब्दार्थ : (पूरण धनि) सर्वसमर्थ परमप्रभु।

भाष्य : भक्त अपनी भक्ति में सदैव रत रहता है, ुसको मुक्ति से क्या प्रयोजन है? जब पूर्णधनी परमप्रभु पूर्ण रूप से प्राप्त हो गया, तब सब काम उसके पूर्ण हो गए। अब उसे क्या चाहिए? प्रभुप्राप्ति, परमानंद की उपलब्धि ही मुक्ति है। प्रभुप्राप्ति से ही जन्म-मरण का चक्र छूटता है और जीव त्रिताप दु:ख से छूट कर विमुक्त हो जाता है।

बिना ज्ञान नहिं भक्ति है, ज्ञान भक्ति का प्रान।
वीतराग में भक्ति है, भक्ति न हो अज्ञान॥ 24॥

शब्दार्थ : (ज्ञान) विवेक (भक्ति) उपासना (वीतराग) विषयरहित, वैराग्यवान (अज्ञान) भ्रम।

भाष्य : विवेक द्वारा ही सब पदार्थों का ज्ञान होता है। बिना ज्ञान के कोई कार्य सरलता से सफल नहीं हो सकता इसलिए बिना ज्ञान के भक्ति नहीं होती। ज्ञान ही भक्ति का प्राण, जीवन है। विषयों से रहित होना वैराग्य है। विषय-भोग से रहित वैराग्यवान पुरुष ही भक्ति को प्राप्त करता है, अज्ञान और मोह में भक्ति नहीं होती। पूर्ण ज्ञान, वैराग्यशील ही पुरुष भक्ति के महान सुख को पूर्ण रूप से प्राप्त करता है।

छठ महापर्व : डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित, उगते सूर्य को अर्घ्य आज

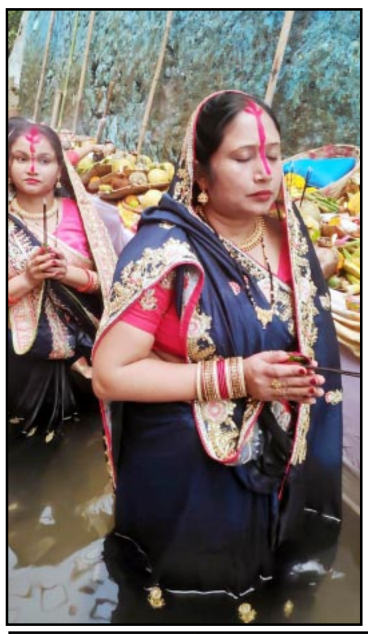

गुवाहाटी/धुबड़ी/रंगिया/होजाई/विश्वनाथ चाराली (विभास)। राजधानी गुवाहाटी समेत पूरे राज्य में व्रतियों ने रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर हर्षोल्लास के साथ महापर्व छठ मनाया। व्रतियों ने ब्रह्मपुत्र नद एवं उसकी सहायक नदियों के अलावा पोखर, तालाब आदि में रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर हर्षोल्लास के साथ महापर्व छठ मनाया। छठ पूजा को देखते हुए असम पुलिस की ओर से सभी छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वहीं ब्रह्मपुत्र नद और इसकी सहायक नदियों के किनारे छठ व्रत धारियों के लिए जिला प्रशासन और छठ आयोजन कमेटियों की ओर से काफी सुंदर व्यवस्था की गई थी। नदियों में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की तैनाती की गई थी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लोगों ने काफी हर्ष उल्लास के साथ महापर्व छठ बनाया। कोरोना की वजह से 2 साल लोग अच्छी तरह से छठ नहीं मना पाए थे। इस बार लोग काफी हर्ष उल्लास के साथ छठ पूजा में शामिल हुए। गुवाहाटी के बाहरी इलाका असम-मेघालय सीमावर्ती जोराबाट में हर वर्ष की भांति श्रीश्री भद्र कालेश्वरी मंदिर प्रांगण में हर्ष उल्लास के साथ महापर्व छठ मनाया गया। छठ पूजा की ऐसी महिमा है कि असमिया समाज की महिलाएं भी बढ़-चढ़कर पूजा में हिस्सा ले रही हैं। कुछ असमिया व बांग्ला मूल की महिलाएं पूरी तरह से व्रत रहते हुए छठ पूजा करती हैं। जबकि काफी संख्या में ऐसी भी महिलाएं हैं जो पूजा करने वाले व्रतधारियों को पूजन सामग्री देकर अपने लिए पूजा कराती हैं। कुल मिलाकर गुवाहाटी में छठ पूजा के मौके पर चारों ओर धर्मिक वातावरण दिखाई दे रहा है। किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, नदी पुलिस के साथ ही अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग के कर्मचारियों को तैनात किया गया। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी में पांडू, मालीगांव, कालीपुर, सोनाराम, काछमारी घाट, फैंसी बाजार, शुक्रेश्वर, नूनमाटी, खारघुली आदि इलाकों में ब्रह्मपुत्र नद के किनारे छठ महापर्व के मद्देनजर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वशिष्ठ आश्रम स्थित वशिष्ठ गंगा के किनारे तथा लाल माटी, शराब भट्टी स्थित मीन विभाग के तालाब के किनारे भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने छठ महापर्व के अवसर पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य दिया। वहीं कोकराझाड़, सालाकाटी, गोसाइगाव, गुरुफेला, दोतमा, फाकिराग्राम सहित जिले के विभिन्न छठ घाटों पर हजारों की संख्या में व्रतधारियों के साथ इस महापर्व में आस्था रखने वालों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इन घाटों पर व्रतधारियों के हर सुविधा का ध्यान रहा गया है। वहीं इस अवसर पर गुवाहाटी के विभिन्न घाटों पर कई संगठनों ने जल सेवा के अतिरिक्त अन्य कई सेवाएं की। धुबड़ी में भी छठ पूजा का पर्व मनाया गया। इस दौरान शहर के पंचू घाट, जोगोमाया घाट, मेला घाट आदि घाटों पर आस्था का महापर्व मनाया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शाम के समय डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। रंगिया में भी छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ मनायी जा रही है। इस अवसर पर स्थानीय बरौलिया नदी के विभिन्न घाटों में पूजा का आयोजन किया गया है। वहीं रंगिया बाजार छठ पूजा घाट पर भी आज अनगिनत श्रद्धालुगण एकत्रित हुए। हजारों भक्तों ने डूबते सूर्य देव की पूजा अर्चना की। विशेष रूप से महिलाएं दो दिन पहले से व्रत का पालन करते हुए आज षष्टि के दिन धूप और विभिन्न तरह के फलों के साथ सूर्य देव को सांध्यकालीन अर्घ्य दिया। इसके अलावा आज विभिन्न जाती धर्म के लोगों ने भी पूजा घाट पर उपस्थित होकर सूर्य देव को प्रणाम किया। होजाई में धूमधाम के साथ आज मनाया गया। स्थानीय शिव बाड़ी स्थित सूर्य षष्ठि महोत्सव समिति, नूतन बाजार पोखरी स्थित श्रीश्री सूर्य व्रत संचालन समिति के तत्वाधान में आज व्रतधारी श्रद्धालु व उनके परिवार के सदस्य गण उमंग उत्साह के साथ गाजे-बाजे सहित घाट पर पहुंचे। महिलाओं द्वारा गाये जा रहे छठ के गीत माहौल में चार चांद लगा दिया। महापर्व पर कई लोग जल में खड़े अपनी मनौती के पूर्ण होने के लिए प्रार्थना कर रहे थे। वहीं कई महिलाएं पुरुष दंडवत प्राणाम करते हुए घाट पर आते हुए दिखे। विश्वनाथ जिले के सभी घाटों में व्रत धारी महिलाएं डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। सभी घाटों में व्रतधारी ने पूजा-अर्चना की। भगवान भास्कर विभिन्न प्रकार के ऋतु फल, प्रसाद और ठेकुआ, मिठाई आदि लेकर भक्तों ने घर से छठ घाट तक टोकरी में सजाये सिर पर लादे खाली पांव घाट पर पहुंचे और व्रत करने वाले भक्तगण पानी में उतरकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। व्रतधारी के होठों से पारंपरिक मधुर छठ मईया के गीत गुनगुनाते हुए देखा गया। विश्वनाथ चाराली के पश्चिम चाराली छठ पूजा समिति, केंद्रीय श्रीश्री छठ पूजा समिति, विश्वनाथ घाट पूजा समिति ने व्रतधारी के लिए विभिन्न सुविधा की व्यवस्था की। इसी प्रकार विश्वनाथ चाराली के श्रीश्री छठ पूजा समिति के तत्वावधान में छठ घाट पर सुंदर तरीके से पंडाल सजाकर समिति द्वारा बृहद रूप से व्रत धारी लिए सुविधा प्रदान किया गया। समिति के सौजन्य में आयोजित छठ घाट में हर्ष-उल्लास का माहौल छाये रहने के साथ समिति द्वारा भक्तो के लिए सूर्य आरती कराया गया। उधर फलफलि में स्थित पश्चिम चारालि छठ पूजा समिति का छठ घाट आकर्षण का केंद्र बना।

मधुमेह पर पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा सम्मेलन संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर में मधुमेह पर सबसे बड़े सम्मेलन का आयोजन रविवार को खानापाड़ा स्थित होटल ताज विवांता में किया गया। काउंटिंग शुगर के तत्वाधान में एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी (एसीई) और डायबिटीज इंडिया के सहयोग से इस सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. राजकुमार भरतिया, डॉ. बंसी साबू, डॉ. उमाकमल सैकिया, डॉ. मिहिर सैकिया, डॉ. पीसी भट्टाचार्य, डॉ. देवमाल्या सान्याल व डॉ. मिथुन भरतिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन सचिव डॉ मिथुन भरतिया ने बताया की यह सम्मेलन सभी मधुमेह सम्मेलनों से अद्वितीय रहा। इस सम्मेलन बड़ी संख्या में जाने माने चिकित्सक अलग अलग सत्रों में बतौर वक्ता के रूप में उपस्थित थे। सभी चिकित्सक वक्ताओं ने मधुमेह प्रबंधन पर अलग अलग विषयों पर अपने बहुमूल्य जानकारी साझा की। सम्मेलन को रोचक और ज्ञानवर्धक बनाने के लिए आईपीएल मधुमेह सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें डॉक्टरों को कई टीमों में बांटा गया था। उन्होंने अपनी प्रस्तुति पर विपक्ष पर सवाल उठाया जिसके परिणामस्वरूप अवधारणाओं पर स्पष्टता आई। संगीत, शुगर रन की स्कोरिंग ने डॉक्टरों के उत्साह को और बढ़ा दिया। उन्होंने बताया की अधिकांश सत्रों में, पैनल में वास्तविक जीवन के मामलों पर चर्चा की गई, जिससे यह दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण हो गया। यह युवा डॉक्टरों के लिए अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन करने के लिए एक सुनहरा एवम बड़ा मंच था। शुगर रीडिंग कैसे गलत हो सकती है, इसकी मूल बातें बैठक के शुभारंभ में मंथन किया गया। तत्पश्चात गर्भावस्था में शुगर के प्रबंधन की चुनौती से कैसे लड़ सकते हैं, इसकी बारीकियों से अवगत कराया गया। सम्मेलन में मधुमेह की नई दवाओं के बारे में चर्चा की गई। मधुमेह की आपात स्थिति के संकट और उबलते बिंदुओं से कैसे निपटा जाए, इस पर गुवाहाटी के नामी ग्रामी अस्पतालों के विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई। इस दौरान किडनी विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि असामान्य किडनी परीक्षण कैसे करें और शीर्ष लिवर डॉक्टरों ने फैटी लीवर में क्या नहीं लिखा जाना चाहिए इस पर चर्चा की। यह मधुमेह सम्मेलन वरिष्ठ चिकत्सक डॉ राजकुमार भरतिया के दृष्टिकोण के लिए एक बड़ा सम्मान था, जिन्होंने अपना पूरा जीवन उत्तर पूर्व के लोगों की सेवा में बिताया था। अहमदाबाद से आए डॉ. बंशी साबू ने मोटापे के बारे में बताया कि हम मधुमेह के इस वैश्विक युद्ध से कैसे लड़ सकते हैं। सम्मेलन में डॉक्टरों ने मधुमेह की लड़ाई के खिलाफ अपने अपने जागरूकता भरे संदेश भी लिखे जिसे आयोजकों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से जन जन तक पहुंचाया गया। इस पुरे सम्मेल्लन के मुख्य सूत्रधार आयोजन सचिव डॉ मिथुन भरतिया थे, जिनके अथक प्रयासों से देश के नामी ग्रामी चिकित्सक एक मंच पर पहुंचकर मधुमेह से लड़ने के लिए अपने अपने सुझाव दिए एवं आने वाली चुनौतियों पर मंथन किया। दिन भर चले इस सम्मेलन में 400 से अधिक चिकित्सको सहित अन्य लोगों ने हिस्सा लिया और सभी ने खुले दिल से काउंटिंग शुगर के इस सम्मेलन की सराहना की तथा भविष्य में भी समय समय पर इस तरह के आयोजन आयोजित करने की सलाह दी।

पुलिस अधिकारी पर लगा धन उगाही का आरोप

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिला के भोलोगुड़ी इलाके के लोगों ने भोलोगुड़ी पुलिस थाना के एक अधिकारी पर नाव के जरिए नदी पार करने वाले लोगों से डरा धमका कर पैसा वसूले जाने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों के आरोपों के अनुसार नदी के मैदानी इलाके में रहने वाले लोग यंत्र चलित नाव के जरिए आवाजाही करते हैं। नाव का लाइसेंस और कागज की मांग कर लोगों को डरा धमका कर भोलोगुड़ी थाने के एक पुलिस अधिकारी इन दिनों पैसा वसूल रहा है। भोलोगुड़ी थाना के अधिकारी लाहान चंद्र नाथ पर स्थानीय लोगों ने यह आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों ने इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए विरोध प्रदर्शन भी किया। लोगों ने पुलिस अधिकारी के खिलाफ मुख्यमंत्री से कठोर कदम उठाए जाने की गुहार लगाई गई है।

पूसीरे मनाएगी सतर्कता-जागरूकता सप्ताह 2022

गुवाहाटी (विभास)। पूसी रेल अपने सभी मंडलों, वर्कशॉपों और निर्माण क्षेत्र यूनिट में 31अक्टूबर से 6नवंबर, 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने जा रहा है। 2022 के इस जागरूकता सप्ताह का प्रमुख थीम है एक विकसित राष्ट के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान रेलवे कर्मचारियों और आम जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए पूरे पूर्वोत्तर सीमा रेल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में 31 अक्टूबर, 2022 को पूर्वोत्तर सीमा रेल के मुख्यालय और मंडलों में सभी कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा शपथ×प्त39; दिलाना शामिल है ताकि गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी और पारदर्शिता लाई जा सके और इस प्रकार कामकाजी माहौल सहित जीवन के हर पहलू में भ्रष्टाचार का उन्मूलन किया जा सके। जागरूकता सप्ताह मनाने के एक हिस्से के रूप में प्रणालीगत सुधार के लिए पू. सी. रेल द्वारा मुख्यालय और मंडलों के सभी विभागीय अधिकारियों के साथ वेबिनार के माध्यम से विभिन्न संवादात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे। पूसी रेल (ओपन लाइन एंड कंस्ट्रक्शन ऑर्गनाइजेशन) के उच्च अधिकारियों की भागीदारी से विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। रेलवे स्कूलों में स्कूली छात्रों के बीच निबंध लेखन, ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 2 नवंबर, 2022 को पांडु कॉलेज, गुवाहाटी में एक विकसित राष्ट के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत विषय पर एक इंटर कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजित की जाएगी। भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों पर नागरिकों को संवेदनशील करना और जागरूकता फैलाने के लिए लिए रेल कर्मचारियों और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा। इस पालन के दौरान जागरूकता फैलाने के लिए एक सतर्कता बुलेटिन जारी और वॉकाथॉन का भी आयोजन किया जाएगा।

गिरफ्तार चोर की ग्रामीणों ने की पिटाई

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के दुनियाजान के गांव में गिरफ्तार एक चोर की स्थानीय लोगों ने जमकर पिटाई की। स्थानीय लोगों बताया कि शिव मंदिर में लगाये गये पेयजल के मोटर को चुराने के आरोप में गिरफ्तार चोर को न्यायालय में पेश किए जाने के लिए ले जाने के दौरान उग्र गांव वालों ने चोर की जमकर पिटाई की। रविवार को शिव मंदिर से मोटर चुराने के आरोप में स्थानीय लोगों ने चोर को पकड़कर बुरी तरह पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जीजा पर साला और भतीजा ने किया जानलेवा हमला

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत हाजो के खलीहामारी इलाके में जीजा पर साला और भतीजा द्वारा धारदार हथियार से हमला कर घर में लूटपाट किए जाने का मामला सामने है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बीती रात खलीहामारी इलाके में एक व्यक्ति द्वारा साला और अपने भतीजा पर मारपीट किए जाने को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज करायी गयी। नजरुल इस्लाम नामक व्यक्ति का कुछ दिन पूर्व किसी बात को लेकर अपनी पत्नी के साथ झगड़ा हुआ था। जिसके बाद पत्नी आफिया बीबी उसे छोड़कर नलबाड़ी जिला के गलदिघला इलाके में स्थित अपने मां के घर चली गई थी। घटना के एक सप्ताह बाद उसकी पत्नी फिर लौट कर आ गई। बीती रात 8 से 10 लोग हाथ में लाठी, डंडे, दाव आदि लेकर नज़रुल के घर में प्रवेश कर उसके और उसकी पत्नी आफिया बीवी के साथ घर में मारपीट किया। नजरुल ने घर में जबरन प्रवेश कर मारपीट और लूटपाट किए जाने की घटना को लेकर अपने साला और भतीजा को जिम्मेदार ठहराया है। हमले में नजरुल और उसकी पत्नी को गंभीर चोट लगी है। हमले में घायल नजरुल और उसकी पत्नी आफिया बीबी को हाजों के विष्णु राममेधी प्राथमिक चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना को लेकर नजरुल ने हाजो थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के नलतली कलनी मार्ग पर हुई एक सड़क दुर्घटना में साइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि रविवार को सुलुंग की से नलतली की ओर साइकिल से जाते समय पीछे से एक बाइक (एएस-12वी-2217) द्वारा जोरदार ठोकर मारे जाने की वजह से एक वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल साइकिल सवार को इलाज के लिए जखलाबंदा चिकित्सालय में भर्ती कराया। वहीं पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बाइक को जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले के जांच में जुटी हुई है।

श्री गौहाटी गौशाला में तीन दिवसीय गोपाष्टमी मेले का विधिवत शुभारंभ

गुवाहाटी (नसं)। पूर्वोत्तर की सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध श्री गौहाटी गौशाला में तीन दिवसीय गोपाष्टमी मेला रविवार शाम को ध्वजारोहण के साथ विधिवत रुप से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गौशाला के ट्रस्टी चेयरमैन कैलाश लोहिया, ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका, ट्रस्टी कोषाध्यक्ष प्रदीप भडेच, अध्यक्ष प्रकाश गोयंका, सचिव प्रदीप भुवालका, उपाध्यक्ष ललित धानुका, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार जालान, ट्रस्टी रमेश गोयंका, शरद जैन, विजय जसरासरीया, सोमेंद्र शर्मा, मनोज अग्रवाल, दिनदयाल सिवोटीया, प्रमोद हरलालका (लाला), समित सराफ, पीतराम केडिया, सुशील गोयल, रामस्वरूप खाकोलिया, रामपाल सिकरीया, बाबूलाल गुप्ता, गौतम शर्मा, देवकीनंदन सिकरीया, अनिल थर्ड, मक्खन अग्रवाल, निर्मल तिवारी, मनोज जालान, विकास गुप्ता, सूरज सिंघानिया, शिवकुमार भीमसरिया के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मेले की लोकप्रियता को देखते हुए इस वर्ष दो दिवसीय आयोजन की जगह है तीन दिवसीय आयोजन किया गया है। इसके साथ ही गुवाहाटी गौशाला की ही शाखा मालीगांव गौशाला में भी प्रथम बार आगामी 6 नवंबर को एक दिवसीय गोपाष्टमी मेले का आयोजन भी किया जाएगा। मेले के अवसर पर पूरे गौशाला प्रांगण को आकर्षक रूप से सजाया गया है। जिसमें विद्युत सज्जा मुख्य आकर्षण का केंद्र है। मेले में 450 से भी अधिक स्टालो में खाने के लजीज व्यंजन, बच्चों के लिए खिलौने, दैनिक उपयोगी सामग्रियां उपलब्ध है।नगर के प्रसिद्ध होटल मिलेनियम के लजीज खाने के व्यंजनों की व्यवस्था के साथ ही प्रसिद्ध होटल राजमहल के व्यंजन, शर्मा स्वीट हाउस की पूरी, कचोरी, जलेबी, कुटुंब वाटिका, बीकानेर स्वीट्स एंड स्नैक्स, डोसा एक्सप्रेस, शर्मा केटरर की राजस्थानी कुल्फी और एनसी कैटरर के छोले भटूरे भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। गौशाला के वृंदावन गार्डन में बच्चों के मनोरंजन के सामान के अलावा विभिन्न तरह की दैनिक उपयोग की सामग्रीयो के कई स्टाल लगे हुए हैं। छोटे बच्चों के मनोरंजन के लिए कोलकाता का नागर झूला और टॉय ट्रेन पर बच्चों की काफी भीड़ देखी गई। इसके अलावा गौशाला के विभिन्न तरह के गोबर, गोमूत्र, नीम के उत्पाद, गोबर की ईंट, गोकाष्ठ ,जैविक खाद भी उपलब्ध रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम की व्यवस्था भी की गई है। हर तरफ सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है।मेला प्रबंधन समिति ने किसी भी तरह के बैग व अन्य सामान लेकर मेला प्रांगण में प्रवेश के लिए प्रतिबंध लगाया है। सुरक्षा की दृष्टि से अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी वह साला प्रांगण में सतर्क देखी गई गौशाला के दोनों मुख्य द्वार पर आने जाने की व्यवस्था बनाने की लिए एनसीसी के कैडरो को तैनात किया गया है। मेले में खोया पाया एवं अन्य सूचना देने के लिए तेरापंथ युवक परिषद के सदस्य सूचना केंद्र पर हर वक्त उपलब्ध हैं। पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था के लिए महेश्वरी समाज, पारीक सभा, पूर्वाचल जाट समाज ने पेयजल सेवा के काउंटर भी लगाए हैं। मारवाड़ी औषधालय द्वारा प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की सेवा भी हर वर्ष की तरह इस वर्ष उपलब्ध रही। गौमाता को घास खिलाने के लिए गौशाला में प्रवेश करते ही काउंटर की व्यवस्था की गई है ।गौशाला प्रबंधन समिति के सदस्यों के अलावा स्वयंसेवक मेले की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए सक्रिय देखे गए।गत दो बर्ष कोरोना काल के चलते गोपाष्टमी मेले का रंग कुछ फीका पड़ गया था।मगर इस वर्ष दुगुने उत्साह के साथ मेले के आयोजन की व्यवस्था की गई है। मेले की प्रसिद्धि को देखते हुए अन्य प्रांतों के दुकानदार भी गौशाला प्रांगण के बाहर केसी चौधरी रोड एवं सती जयमति रोड के फुटपाथ पर घरेलू सामानों की दुकानें सजा के गत दो-तीन दिन पहले ही बैठ गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शराब भट्टी चाआली, सती जयमती रोड स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर, छत्रीबाड़ी केसी चौधरी रोड के पोस्ट ऑफिस गली से नो एंट्री लगाकर ट्रैफिक के जवान गस्ती दे रहे हैं।अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वर्ष लाखों की तादाद में दर्शनार्थी मेले में शिरकत करेंगे।

चीन सीमा की बर्फीली पहाड़ियों पर 'जमने' को भारतीय सैनिकों की तैयारियां पूरी

- जरूरी हथियार, राशन, हीटर और साजो-सामान अग्रिम चौकियों तक पहुंचाए गए
- माइनस 50 डिग्री तक तापमान में सैनिकों को सुरक्षित रखने के किये गए इंतजाम

नई दिल्ली, (हि.स.)। लद्दाख सरहद पर चीनी सेना से मोर्चे के लिए भारतीय सेनाओं की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। वायुसेना के परिवहन विमानों से सैनिकों की जरूरत का सामान लेह-लद्दाख पहुंचा दिया गया है। आने वाले दिनों में बर्फबारी से रास्ते बंद होने से पहले भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं से लदे ट्रक लेह-लद्दाख पहुंच चुके हैं। हालांकि इससे पहले ठंड के दिनों में सड़कों को छह महीने के लिए बंद कर दिया जाता था लेकिन अब इस अवधि को घटाकर 120 दिन कर दिया गया है। सैनिकों के लिए सामानों का स्टॉक करने में लगे सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि भारत एलएसी पर लम्बी तैनाती नहीं चाहता लेकिन अब ऐसी स्थिति बन रही है तो हम भी उसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। आने वाले दिनों में बर्फबारी और भीषण ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए सेना ने पर्याप्त मात्रा में आवश्यक वस्तुओं का स्टॉक कर लिया है। चीन सीमा की अग्रिम चौकियों तक जरूरी हथियार, राशन और साजो-सामान पहुंचाने के लिए वायुसेना के परिवहन विमान सी-17

ग्लोबमास्टर और अमेरिकी हेलीकॉप्टर चिनूक को लगाया गया है।

सी-17 ग्लोब मास्टर से सर्दियों के कपड़े, टेंट, हीटिंग उपकरण और राशन लेह-लद्दाख लाया गया है। भारतीय सेना के लोकेशन पर भेजे गए टेंट माइनस 50 डिग्री तक तापमान को झेलने की क्षमता रखते हैं। भारतीय सेना के राशन गोदाम एलएसी माउंट पर भरे हुए हैं। लेह में सेना का ईंधन डिपो तेल टैंकर लाइन से भरा हुआ है। सेना ने राशन, गरम कपड़े, उच्च ऊंचाई वाले टेंट और ईंधन का भी बड़े पैमाने पर स्टॉक कर लिया है। फ्रंटलाइन पर तैनात हर जवान को अत्याधुनिक शीतकालीन कपड़े और तंबू दिए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि अग्रिम चौकियों पर तैनात सैनिकों को स्पेशल राशन दिया जाता है। दरअसल अत्यधिक ऊंचाई पर तैनात सैनिकों को ज्यादा भूख नहीं लगती लेकिन उन्हें सही पोषण और जरूरी कैलोरी देने के लिए हर दिन 72 आइटम दिए जाते हैं, जिसमें से वह अपनी पसंद की चीज चुन सकते हैं। सेना के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि भारत के पास ऐसे स्ट्रैटजिक एयरलिफ्ट प्लेटफॉर्म हैं, जिससे सड़क मार्ग कटने पर भी भारतीय सेना और एयरफोर्स मिलकर एक-डेढ़ घंटे के भीतर ही दिल्ली से लद्दाख और अग्रिम चौकियों तक जरूरी सामान पहुंचाया जा सकता है। भारतीय सैनिकों को शून्य तापमान और बर्फबारी के बीच भी देश की हिफाजत के लिए डटे रहने की आदत है। कारगिल में 18 हजार फीट ऊंची बर्फ की चोटियों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने का अनुभव रखने वाली भारतीय सेना के लिए लद्दाख की खून जमा देने वाली बफीर्ली पहाड़ियां कोई मायने नहीं रखतीं। इसलिए सेना ने ठंड के दिनों में भी चीनियों से मोर्चा संभालने के इरादे से खुद को तैयार कर लिया है।

देव दीपावली देखने काशी आ सकती हैं राष्ट्रपति मुर्मू, तैयारियां शुरू

वाराणसी, (हि.स.)। काशी की प्रसिद्ध देव दीपावली में इस बार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भी मौजूद रहने की संभावना है। राष्ट्रपति मुर्मू गंगा घाटों के दोनों तरफ लाखों दीयों की झिलमिल रोशनी, सतरंगी विद्युत लड़ियां, आतिशबाजी, तट पर खास लेजर लाइट और फूलों के वन्दनवार गेट, रेड कारपेट पर अद्भुत गंगा आरती की छटा निहा-रेंगी। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति के संभावित आगमन के मद्देनजर प्रशासनिक तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। जिले के आला अफसर और प्रदेश के मंत्री भी गंगा किनारे तैयारियों का मोटर बोट से निरीक्षण कर चुके हैं। शहर में वीवीआईपी आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और रूट का खाका भी बन रहा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू सात नवंबर को एयरफोर्स के विशेष विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगी। यहां प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ राष्ट्रपति की अगवानी करेंगे। यहां

से राष्ट्रपति हेलीकाप्टर से बनारस रेल इंजन कारखाने के अस्थाई हेलीपैड पर उतरने के बाद कुछ देर गेस्ट हाउस में विश्राम करेंगी। इसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच सड़क मार्ग से सामने घाट क्रूज पर सवार होकर उत्तरवाहिनी गंगा तट पर देवलोक सरीखा देव दीपावली की छटा निहारेंगी। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति के आगमन की प्रारम्भिक सूचना आ चुकी है। राष्ट्रपति के संभावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारी की जा रही है। राष्ट्रपति बरेका गेस्टहाउस में रात्रि विश्राम करने के बाद दूसरे दिन आठ नवंबर को दिल्ली लौट जाएंगी। उल्लेखनीय है कि देव दीपावली पर इस बार मुख्य आयोजन राजघाट पर किया जाएगा। राजघाट पर मंच बनाकर देव दीपावली संध्या दीपमाला का आयोजन किया जाएगा। यहीं से क्रूज एवं नावों के जरिए देश-विदेश से आए अतिथियों को काशी के घाटों पर सजने वाली दिव्य और भव्य देव दीपावली की अनुपम छटा दिखाने की व्यवस्था होगी। देव दीपावली की तैयारियों के लिए राज्य शासन से भी बजट जारी हो गया है। इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए करीब पांच करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी गई है। देव दीपावली पर नावों के संचालन के लिए जल पुलिस ने खास ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है।

केजरीवाल ने यूसीसी पर उठाए सवाल, कहा- पूरे देश में लागू क्यों नहीं करती भाजपा सरकार

भावनगर। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) यानी समान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर भाजपा की नीयत पर सवाल उठाया। केजरीवाल ने कहा कि यूसीसी केवल गुजरात में ही क्यों पूरे देश में क्यों लागू नहीं करती केन्द्र की भाजपा सरकार। बता दें कि शनिवार को हुई गुजरात सरकार की कैबिनेट बैठक में एक समिति गठित करने का फैसला किया है। हाईकोर्ट के निवृत्त न्यायधीश की अध्यक्षता में गठित होनेवाली चार सदस्यों की समिति गुजरात में यूसीसी लागू करने के बारे में मूल्यांकन करेगी और अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगी। जिसके आधार पर गुजरात सरकार राज्य में यूसीसी लागू करने पर फैसला करेगी। गुजरात की भाजपा सरकार के इस फैसले ने विपक्ष की नींद उड़ा दी है। तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे अरविंद केजरीवाल ने आज भावनगर में आयोजित पत्रकार

परिषद में कहा कि यूसीसी का वह विरोध नहीं करते लेकिन इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए। भाजपा की नीयत पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने कहा कि चुनाव से पहले उत्तराखंड में भी यही किया गया था। लेकिन चुनाव खत्म होते ही समिति अपने घर चली गई। गुजरात में यूसीसी लागू करने को लेकर चुनाव से पहले समिति बनाने का फैसला किया गया है। लेकिन यह समिति भी चुनाव खत्म होते ही अपने घर चली जाएगी। उन्होंने कहा कि संविधान की धारा 44 स्पष्ट रूप से कहती है कि यूसीसी लागू करने की जिम्मेदारी सरकार की है और उसे अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। लेकिन यह कानून सभी समुदायों की सहमति से बनाया जाना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव से पहले यूसीसी लागू करने की बात करने वाली भाजपा चुनाव खत्म होते ही इस पर कोई काम नहीं करती। क्या भाजपा लोकसभा चुनाव की राह देख रही है? दर-असल भाजपा की यूसीसी लागू करने की नीयत ही नहीं है। अगर उसे यूसीसी लागू करना है तो वह पूरे देश में क्यों नहीं करती? उन्होंने कहा कि भाजपा को आगामी चुनाव में अपनी हार नजर आ रही है, इसी कारण उसने यूसीसी का मुद्दा आगे किया है।

शिवसेना उद्धव गुट के विधायक भास्कर जाधव की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधायक भास्कर जाधव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। भड़काऊ भाषण मामले में सिंधुदुर्ग जिले की कुडाल थाने की पुलिस ने रविवार को जाधव को नोटिस जारी कर पूछताछ में सहयोग करने के लिए कहा है। इस मामले में कुडाल थाने में जाधव के विरुद्ध पहले ही मामला दर्ज किया जा चुका है। इस नोटिस के बाद जाधव की गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। सिंधुदुर्ग जिले के कुडाल क्षेत्र में महाविकास अघाड़ी की ओर से आठ अक्टूबर को आयोजित रैली में भास्कर जाधव ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग

करते हुए भड़काऊ भाषण दिया था। इसके बाद स्थानीय भाजपा नेताओं की तहरीर पर कुडाल थाने में भास्कर जाधव के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले में आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस उपनिरीक्षक तेजस्वी शिंदे और कांस्टेबल सचिन गवस चिपलून तहसील के पाग स्थित भास्कर जाधव के आवास पर गए थे और नोटिस तामील कराई। भास्कर जाधव गुहागार विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं।

हिमाचल प्रदेश में गृहमंत्री शाह दो दिन में करेंगे आधा दर्जन रैलियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार में तेजी आ गई है। भाजपा की शीर्ष नेता भी यहां सक्रिय हो गए हैं। देश के गृहमंत्री अमित शाह एक से दो नवंबर को शाह हिमाचल प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। यहां विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शाह की 2 दिनों में 6 रैलियां होने वाली हैं। हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है।

भाजपा एक बार फिर अपनी सत्ता को बचाने के लिए पूरा जोर लगा रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 1 और 2 नवंबर को हिमाचल के दौरे रहेंगे। यहां शाह छह रैलियों के अलावा पार्टी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी करने वाले हैं। जानकारी के अनुसार अमित

शाह एक नवंबर को भट्टियाट, कारसोग और कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्रों में रैली करेंगे। वहीं 2 नवंबर को धर्मशाला, नादौन और नालागढ़ में रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा शिमला में पार्टी नेताओं के साथ एक बैठक भी कर सकते हैं। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को 68 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में चुनाव होने वाले हैं। यहां मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है।

मध्य रेलवे में लगेंगे तीन हजार नए सीसीटीवी कैमरे

मुंबई, (ईएमएस)। मध्य रेलवे के मुंबई मंडल के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर नवीनतम गुणवत्ता के 3000 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. कुछ पुराने कैमरों की जगह नए कैमरे लगाए जाएंगे। मध्य रेलवे सुरक्षा बल के मुताबिक निर्भया योजना के तहत ये कैमरे मार्च 2023 तक लगाए जाएंगे। इससे यात्रियों की सुरक्षा और मजबूत होगी। बता दें कि मध्य रेलवे का उपनगरीय स्टेशन सीएसएमटी से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल, अंधेरी तक फैला हुआ है। मुंबई डिवीजन कर्जत, कसारा, लोनावाला, इगतपुरी तक फैला हुआ है। इस मार्ग से प्रतिदिन लाखों यात्री यात्रा करते हैं। यदि कोई अपराध रेलवे की सीमा के भीतर होता है, तो अपराध की सफलतापूर्वक जांच करने में सीसीटीवी मदद करता है। लेकिन लाखों यात्रियों की संख्या, बढ़ते अपराध को देखते हुए सीसीटीवी की संख्या पर्याप्त नहीं है, उनकी गुणवत्ता भी अच्छी नहीं है। इसलिए मुंबई विभाग में सीसीटीवी का विषय हमेशा चर्चा में रहता है. फिलहाल मुंबई मंडल के 75 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर 3100 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं. वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) ऋषि शुक्ला ने कहा कि इनमें से कुछ पुराने सीसीटीवी कैमरे हैं और इन्हें बदलकर नए कैमरे लगाए जाएंगे। कुछ स्टेशनों में कैमरे लगाने के लिए नए स्थान मिले हैं और वहां भी कैमरे लगाए जाएंगे। भीड़ में अपराधियों के चेहरों की पहचान करने वाले कुल 3,000 नए कैमरे और कुछ कैमरे (चेहरा पहचान प्रणाली) और अलर्ट कंट्रोल रूम को भी इसमें शामिल किया गया है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सुरक्षा बलों को बस नए सीसीटीवी का इंतजार है जो जल्द ही उपलब्ध होंगे। शुक्ला ने कहा कि मार्च 2023 तक कैमरे लगाने का लक्ष्य है। कुछ कैमरे उन प्लेटफार्मों पर लगाए जाएंगे जहां लोकल महिला कोच आता है, प्रवेश द्वार, पैदल पुलों के साथ-साथ स्का-ईवॉक कनेक्टिंग स्टेशनों और प्लेटफार्मों के प्रवेश पर। एकीकृत सुरक्षा प्रणाली के तहत मध्य रेलवे के सीएसएमटी, दादर, कुर्ला, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, ठाणे, कल्याण स्टेशनों पर नए सीसीटीवी लगाए जाएंगे. उन्होंने यह भी कहा कि निर्भया योजना के तहत भायखला, परेल, घाटकोपर, मुलुंड, दिवा, कोपर, डोंबिवली, कसारा, इगतपुरी, खोपोली, वडाला, जुईनगर, नेरुल, बेलापुर, पनवेल सहित अन्य स्टेशनों पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे.

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की समस्या को देखते हुए निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर रोक : गोपाल राय

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की समस्या को देखते हुए निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर रोक लगा दी गई है। सीक्यूएएम के आदेश पर दिल्ली में ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। निर्माण कार्यों पर रोक की निगरानी के लिए 586 टीमें बनाई गई हैं। दिल्ली में 521 वाटर स्प्रिंगलिंग मशीनें, 233 एंटी स्मॉग गन, 150 मोबाईल एंटी स्मॉग गन पानी का छिड़काव कर रही हैं। राय ने आज सिविल लाइंस स्थित आवास पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि ठंड में प्रदूषण का स्तर बढ़ने की बायोमास बर्निंग, वाहनों का प्रदूषण और धूल वजह होती है। इसके साथ- साथ सर्दियों में हवा की गति कम होती है। जब मैट्रोलाजिकल कंडिशन में बदलाव होता है, तब हवा की स्पीड कम होती है। हवा का रूख का बदलता है। तब दिल्ली के प्रदूषण में वृद्धि होती है। सीक्यूएएम के निदेर्शानुसार हवा की गुणवत्ता का अनुमान लगाकर तीन दिन पहले से ही ग्रेप के विभिन्न चरणों का लागू किया जाएगा। विशेषज्ञों की राय के अनुसार एक नवंबर से हवा की गति 4 से 8 किलोमीटर प्रतिघंटा होने का अंदेशा है। हवा का रूख उत्तर-पश्चिम होने का अनुमान है। जिसकी वजह से दिल्ली का एक्यूआई 400 से ऊपर जा सकता है, जो सिवियर कैटेगरी है। इसलिए सीक्यूएएम ने कल मीटिंग कर आदेश जारी किया है कि ग्रेप के तीसरे चरण को लगू किया जाए। हमने दिल्ली के अंदर कंस्ट्रक्शन से जुड़ी हुई एजेंसियों के साथ बैठक की। इसमे पीडब्लूडी, सीपीडब्लूडी, डीडीए तथा अन्य कंस्ट्रक्शन के काम में लगी एजेंसियां, पर्यावरण विभाग और डीपीसीसी के अधिकारी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सीक्यूएएम के आदेश के अनुसार में दिल्ली ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया है। उस-के क्रियान्वयन के लिए एक मजबूत ऑनिटरिंग सिस्टम तैयार किया है।

1990 के दशक में घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन से पहले हम साथ थे, फिर ... : फारूक अबदुल्ला

श्रीनगर। घाटी में कश्मीरी पंडितों के पलायन को लेकर नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि वह केंद्र-शासित प्रदेश में शांति लौटने की कामना करते हैं, ताकि सभी समुदाय बिना किसी डर के रह सकें। 1990 के दशक में घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन से पहले तत्कालीन राज्य में मौजूद सांप्रदायिक सौहार्द को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय था, जब हम साथ थे और फिर एक लहर आई और हम अलग हो गए। फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कश्मीरी पंडित समुदाय से जुड़े हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कौल की लिखी पुस्तक वेन द हार्ट स्पीक्स-मेमॉयर्स ऑफ ए कार्डियोलॉजिस्ट का विमोचन करने के बाद यह बात कही। इस कार्यक्रम में नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष और जम्मू- कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी

शामिल हुए। नेकां अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें यह पुस्तक बहुच दिलचस्प लगी। उन्होंने कहा कि इसमें डॉ. कौल की जीवन यात्रा के साथ ही घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन से पहले मौजूद सांप्रदायिक सौहार्द के बारे में जानकारी दी गई है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीरी पंडितों के पलायन के समय कश्मीरी मुसलमान मूकदर्शक बने हुए थे, क्योंकि वे खुद डरे हुए थे। उन्होंने कहा कि वे संबंध अभी तक बहाल नहीं हुए हैं। कब बहाल होंगे, मुझे नहीं पता। हम उन दिनों के लौटने की प्रार्थना करते हैं, जब हम सभी बिना किसी डर के घाटी में रहते थे। इससे पहले केंद्र शासित राज्य जम्मू और कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की टारगेट किलिंग के मामलों के बढ़ने पर चिंता जाहिर करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि अगर स-रकार इसे रोकने में विफल रहती है तो कश्मीर 100 प्रतिशत हिंदू-विहीन हो जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा था कि कश्मीरी पंडितों के लिए 1990 जैसे हालात एक बार फिर वापस आ गए हैं। मैं इन हत्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं हूं। मैंने कोई आतंकवाद समर्थक बयान नहीं दिया है।

हिंदी के बाद अब मराठी में होगी एमबीबीएस, बीडीएस की पढ़ाई- महाराष्ट्र सरकार

मुंबई, (ईएमएस)। देश के दो राज्यों मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई की शुरूआत होने के अब मराठी में भी एमबीबीएस, बीडीएस करवाया जाएगा. महाराष्ट्र सरकार ने इसकी घोषणा की है। सरकार का कहना है कि इससे गैर-अंग्रेजी भाषी छात्रों के लिए डिग्री लेवल तक के प्रोग्राम की पहुंच बढ़ेगी। राज्य सरकार ने कहा कि वह अगले साल से मराठी में मेडिकल एजुकेशन की श-रूआत करेगी। राज्य के मेडिकल एजुकेशन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि सिलेबस को मराठी में उपलब्ध कराने के फैसले से महा-राष्ट्र के ग्रामीण हिस्सों के स्टूडेंट्स को मदद मिलेगी। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से ये फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहले ही ऐलान किया गया है, उनके यहां अब हिंदी में एमबीबीएस की पढ़ाई करवाई जाएगी। दोनों ही राज्यों ने ऐलान किया है कि वे एमबीबीएस के सिलेबस को हिंदी में तैयार करेंगे. महाराष्ट्र के मंत्री महाजन ने कहा है कि महाराष्ट्र एक कदम आगे बढ़ गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एमबीबीएस ही नहीं, बल्कि आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, दंत चिकित्सा और नर्सिंग सहित मेडिकल प्रैक्टिस की अन्य स्ट्रीम की पढ़ाई भी मराठी में करवाई जाएगी। मंत्री महाजन ने कहा कि सरकार ने योजना और उठाए जाने वाले कदमों की स्टडी करने के लिए समितियों का गठन किया है। मराठी सिलेबस उन स्ट-डेंट्स की मदद करेगा, जिन्होंने मराठी मीडियम से पढ़ाई की है, मगर अंग्रेजी में उन्हें कठिनाई होती है। सूत्रों ने बताया कि राज्य कैबिनेट ने पिछले महीने ही फैसले पर चर्चा की थी। सभी सिलेबस में बदलाव के लिए एक बोर्ड बनाने का फैसला पहले ही हो चुका है। बोर्ड में विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स शामिल होंगे। बहरहाल सरकार के इस फैसले को लेकर राज्य में मे-डिकल बिरादरी के लोग दो हिस्सों में बंट गए हैं। सरकार के समर्थकों का मानना है कि ये एक ऐसा फैसला है, जिससे डॉक्टरों को मरीजों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। डॉक्टर स्थानीय भाषा में मरीजों द्वारा बताए गए लक्षणों को समझ पाएंगे। जबकि अन्य लोगों को मानना है कि मराठी में मेडिकल की पढ़ाई से डॉक्टर्स सिर्फ महाराष्ट्र या भारत तक ही सीमित हो जाएंगे। उनका ये भी मानना है कि मेडिकल जैसे सा-इंटिफिक सब्जेक्ट को ग्लोबल रिसर्च और स्टैंडर्ड के अनुसार रखने की जरूरत है। इसके पीछे की वजह ये है कि मेडिकल की पढ़ाई के लिए इंग्लिश एक मीडियम होता है। टीचर्स को मराठी में पढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए ट्रेनिंग देने को लेकर भी काफी चिंताएं हैं।

सरदार पटेल की जंयती पर 'रन फॉर यूनिटी' के लिए को ट्रैफिक दिशा निर्देश जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को देश की राजधानी दिल्ली में 'रन फॉर यूनिटी' के आयोजन के मद्देनजर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को वैकल्पिक मार्गो और डायवर्जन के संबंध में दिशानिर्देश जारी किया है। 'रन फॉर यूनिटी' को नेशनल स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा, जिसमें लगभग 8,000 लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। यातायात के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 31 अक्टूबर को सुबह छह बजकर 45 मिनट से नौ बजे तक सी-हेक्सागन सामान्य यातायात के लिए बंद रहेगा। एडवाइजरी के मुताबिक, तिलक मार्ग-भगवान दास रोड क्रॉसिंग, पुराना किला रोड-मथुरा रोड क्रॉसिंग, शेरशाह रोड-मथुरा रोड क्रॉसिंग, जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रॉसिंग, पंडारा रोड-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रॉसिंग, क्यू-प्वाइंट, मान सिंह रोड, जसवंत सिंह रोड, केजी, मार्ग-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग और मंडी हाउस से ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। यातायात पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली से उत्तरी दिल्ली और इसकी विपरीत दिशा में जाने वाले यात्रियों को रिंग रोड से सराय काले खां, आईपी फ्लाईओवर और राजघाट जाने वाले मार्ग से होकर गुजरने की सलाह दी है।

कहा गया है कि यात्री लाला लाजपत राय मार्ग से मथुरा रोड के लिए डब्ल्यू-पॉइंट और ए-पॉइंट के माध्यम से दूसरा मार्ग भी ले सकते हैं। यात्री अरबिंदो मार्ग से कमल अतातुर्क मार्ग तक और मदर टेरेसा क्रिसेंट के रास्ते सरदार पटेल मार्ग पर भी जा सकते हैं। पूर्वी दिल्ली से पश्चिमी दिल्ली जाने वालों के लिए ट्रैफिक पुलिस ने मिंटो रोड को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग और फिर बाबा खड़क सिंह मार्ग से कनॉट प्लेस से गोले डाक खाना और आरएमएल तक ले जाने की सलाह दी। यात्री अपने वाहन को एनएच-9 को रिंग रोड, भैरों मार्ग, मथुरा रोड, एसबीएम, क्यू-प्वाइंट, फिर अब्दुल कलाम मार्ग की ओर ले जा सकते हैं और रिंग रोड पर आईएसबीटी कश्मीरी गेट, बुलेवार्ड रोड और रानी झांसी फ्ला-ईओवर की ओर जा सकते हैं। दक्षिण से केंद्रीय सचिवालय और कनॉट प्लेस आने वाले यात्री मदर टेरेसा क्रिसेंट, पार्क स्ट्रीट और फिर आरएमएल के आसपास केंद्रीय सचिवालय के लिए पंडित पंत मार्ग की ओर ले जा सकते हैं।

गुजरात विस चुनाव में भाजपा क्यों दिख रही विचलित : मायावती

बसपा अध्यक्ष ने छठ पर्व पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने छठ पर्व की प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। उन्होंने कहा कि कुदरत सबकी मनोकामनायें पूरी करे। इस दौरान उन्होंने यूनिफार्म सिविल कोड के मामले पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अपने ट्वीट कर कहा कि यूपी व अन्य राज्यों में भी रोजगार व विकास के बजाय भाजपा द्वारा विवादित एवं विभाजनकारी मुद्दों की तरह समान नागरिक संहिता को चुनावी मुद्दा बनाना खास बात नहीं। गुजरात में इसको चुनावी मुद्दा बनाने से इस आमचर्चा को बल मिलता है कि वहां भाजपा की हालत वास्तव में ठीक नहीं है। जबकि केंद्र ने अभी हाल में स्वंय सुप्रीम कोर्ट में कहा है

कि यूनिफार्म सिविल कोड के मामले पर कोई निर्णय अभी न किया जाए क्योंकि इसे वह 22वें लॉ कमीशन को सौंपेगी। तो फिर गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐसा क्या होने जा रहा है जिससे भाजपा विचलित है व झुक रही है। आगे उन्होंने कहा कि साथ ही, चुनाव को प्रभावित करने के लिए जनता की नजर से अज्ञात श्रोतों से प्राप्त अकूत धन का इस्तेमाल कितना उचित? ताजा आंकड़े बताते हैं कि गुजरात व हिमाचल विधानसभा आमचुनाव से पहले चुनावी बांड की गुप्त फण्डिंग की मार्फत 545 करोड़ रुपए के चंदे दिए गए हैं। यह धन कहां जा रहा है?

झारखंड के मुख्यमंत्री ने सपत्नीक अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

रांची (हिंस)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को पत्नी कल्पना सोरेन एवं दोनों बेटे के साथ छठ व्रतियों के बीच पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य देकर आस्था के महापर्व छठी मैया की पूजा की। मुख्यमंत्री ने भगवान भास्कर से झारखंडवासियों की सुख, समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री आज शाम सपरिवार रांची के नक्षत्र वन स्थित हटनिया तालाब पहुंचे तथा सैकड़ों व्रतियों के बीच छठ पूजा में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महापर्व सूर्य भगवान की आराधना के लिए जाना जाता है। छठ महापर्व प्रकृति की पूजा का प्रतीक है। प्रकृति पर आस्था और उससे जुड़ाव भारतीय संस्कृति की परंपरा रही है। उन्होंने

राज्यवासियों को महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठी मैया से प्रार्थना है कि सभी सुखी हो, सब निरोगी रहें, छठी मैया सबका मंगल और कल्याण करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर हर तरफ भक्ति का रंग कुछ अलग ही दिखाई पड़ा।

बिजली मीटर के विरोध में किसानों की पंचायत

बागपत (हिंस)। बागपत जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में किसानों ने पंचायत कर बिजली मीटर लगाने का विरोध किया। नलकूपों पर लगाए जा रहे बिजली मीटर को किसान अपना शोषण मान रहे हैं आरोप है कि बिजली मीटर से किसानों पर भारी भरकम बोझ बढ़ रहा है। खेकड़ा क्षेत्र के लहचोडा में भारतीय किसान यूनियन के जिला महासचिव पंडित शिवदत्त शर्मा के आवास पर रविवार को किसानों की पंचायत का आयोजन किया गया था। जिसमे भाकियू के वरिष्ठ सलाकार सदस्य दिनेश शर्मा अजीब सिंह यादव व महाराम आदि ने अपने विचार रखे। कहा कि 18 अक्तूबर को बागपतज कलेक्टेट पर महापांचायत में प्रशासनिक अधिकारी बागपत विद्युत, विभाग एवम पुलिस अधीक्षक बागपत को भाकियू के जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह गुज्जर व प्रदेश उपाध्यक्ष राजिंद्र प्रधान ने अपने अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा निजी नलकूपों पर मीटर ना लगना, गन्ना भुगतान, आवारा पशु व कटीले तार के संबंध में अपनी बात रखी थी। इसके बाद भी रटौल बिजलीघर से संबंधित किसानों के नलकूपों पर मीटर लगाने की कोशिश की जा रही है। जिसको लेकर पंचायत में किसानो ने इसका विरोध किया। किसानों का कहना है कि एडीएम बागपत ने महापंचायत में इन सब बातों का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद भी विद्युत विभाग द्वारा रटौल बिजली घर से संबंधित गांव में निजी नलकूपों पर मीटर लगाने की फिराक में लगे है। भारतीय किसान यूनियन इसका विरोध करती हैं उन्होंने चेतावनी दी है अगर विद्युत विभाग निजी नलकूपों पर मीटर लगाता है तो आंदोलन किया जाएगा। मौके पर पंडित शिवदत्त शर्मा,राधेश्याम शर्मा चेयरमैन, दिनेश शर्मा, अजबसिंह यादव, मेंबर यादव व भूले सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

महिला सिपाही के साथ छेड़छाड़ तीन के खिलाफ मामला दर्ज

किशनगंज (हिंस)। जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र में पदस्थापित महिला सिपाही ने महिला थाना में आवेदन देकर 26 अक्तूबर की शाम पौआखाली बाजार में काली पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन में विधि व्यवस्था को लेकर ड्यूटी पर तैनात महिला सिपाही के साथ विसर्जन जुलूस में रामा शंकर शाह के किराना स्टोर के सामने अचानक से तीन मनचले बदमाश राजू रावत उर्फ भंगलू महतो, पिता-भीम महतो, सचिन साह पिता-उमाशंकर साह दोनों वार्ड नंबर-9 पौआखाली निवासी एवं सुधीर कुमार यादव पिता-राजकिशोर यादव धोबीपट्टी वार्ड नंबर-8 पौआखाली निवासी ने महिला सिपाही को घेरकर छेड़खानी की और अश्लील टिप्पणी करने लगे, महिला सिपाही के शोर मचाने पर उसे तीनों मनचले बदमाशों ने धक्का-मुक्की करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने लगे। महिला सिपाही के चिल्लाने के बाद कुछ दूर पर खड़ी महिला सिपाही और अन्य पुलिसकर्मी दौड़कर आए और महिला सिपाही को सुरक्षित स्थान पर ले गए वही आवेदन में पीड़ित महिला सिपाही ने बताया कि वह अब उक्त तीनों लोगों की धमकी से डरी हुई है और वे तीनों पुनः कोई अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं। पीड़ित महिला सिपाही के लिखित आवेदन पर महिला थाना में तीनों मनचले के विरुद्ध कांड संख्या-42/22 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में पुलिस जुट गई है।

पीएम के मन की बात हवा-हवाई नहीं, तथ्यपरक हकीकत होती है : राकेश

बेगूसराय (हिंस)। छठ महापर्व के बीच बेगूसराय के हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनी। 11 बजे से शुरू होने वाले मन की बात के लिए कार्यकर्ता समय से पूर्व विभिन्न जगहों पर सार्वजनिक रूप से बैठ गए तथा सबों ने मन की बात सुनी। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा ने अपने गृह जिला बेगूसराय के बलिया दक्षिणी मंडल के बूथ संख्या-तीन भगतपुर पर कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनी। मौके पर राकेश सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस मन की बात का महत्व बिहार और उत्तर प्रदेश के साथ-साथ उन सभी लोगों के लिए इसलिए है कि प्रधानमंत्री ने सूर्योपासना के महापर्व छठ की चर्चा

की। राकेश सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने शुभकामना के रूप में सिर्फ छठ की चर्चा ही नहीं की, बल्कि इसके ऐतिहासिक महत्व को भी बताया, इसके प्रासंगिकता को स्थापित किया। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री के इस मन की बात के बाद पूरी दुनिया में लोग छठ के महत्व को समझने की कोशिश करेंगे। प्रकृति के साथ इस महापर्व का जो संबंध है, उसके स्थापित स्वरुप को प्रधानमंत्री जी ने मन की बात में रखा है। राकेश सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार से भारत के आध्यात्मिकता को प्राकृतिक जीवन से और प्राकृतिक प्रक्रिया से जोड़कर बताने की कोशिश की है यह युवाओं को आकर्षित करेगा। युवाओं के लिए यह भी आकर्षण होगा कि वे किस प्रकार से आत्म निर्भरता की ओर बढ़ सकते हैं। प्राकृतिक ऊर्जा सोलर पावर का उपयोग कृषि, लघु एवं कुटीर उद्योग आदि में किया जा सकता है। प्रधानमंत्री जब भी कोई बात कहते हैं तो उसमें स्थापित तत्व को सामने रखते हैं, उस तत्व से तर्क का निर्माण करते हैं और तर्क से संदेश देते हैं। प्रधानमंत्री कोई भी बात हवा-हवाई नहीं कहते हैं, वह जमीनी हकीकत को सामने रखते हैं, जो प्रयोग होता है उसे सामने रखते हैं। प्रयोग धर्मी, समाज धर्मी और प्रकृति धर्मी तीनों बात को प्रधानमंत्री रखते हैं जो आज भी मन की बात में दिखाई पड़ा है।

निकाय चुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी : धर्मपाल सिंह

फिरोजाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री व नगर निकाय चुनाव प्रभारी फिरोजाबाद धर्मपाल सिंह ने रविवार को कहा कि निकाय चुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी, योगी सरकार ने सिस्टम को बदला, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया, भाई-भतीजावाद को समाप्त किया और मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर गरीब तक पहुंचाने का काम किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री व नगर निकाय चुनाव प्रभारी फिरोजाबाद धर्मपाल सिंह रविवार को फिरोजाबाद में थे। यहां उन्होंने संगठनात्मक बैठक व भाजपा जिला कार्यालय पर मंडल अध्यक्षों सहित जन प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्षों से सुझाव लिए और नगर निकाय चुनावों में पार्टी को विजयीश्री प्राप्त करने के लिए गहन मंथन किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पार्टी के

निष्ठावान कार्यकर्ता नए मतदाता बनाने के लिए घर-घर जाकर संपर्क करें। कार्यकर्ताओं की संकल्प इच्छा शक्ति से नगर निकाय चुनावों में पार्टी प्रचंड बहुमत से जीतेगी और सभी वार्ड में पार्षद विजयश्री प्राप्त करेंगी। धर्मपाल सिंह ने कहा योगी सरकार ने सिस्टम को बदला है, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया, भाई-भतीजावाद को समाप्त किया और मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर गरीब तक पहुंचाने का काम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में आज उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त राज्य बना है अब यहाँ हर घर में गैस का चूल्हा है। उत्तर प्रदेश में पहले एक सरकार आती थी तो भ्रष्टाचार होता था और दूसरी सरकार आती थी तो गुंडागर्दी बढ़ती थी। भाजपा की योगी आदित्यनाथ की सरकार ने भ्रष्टाचार को रोक व गुंडागर्दी को समाप्त कर उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर करने का काम किया है। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मूलमंत्र पर कार्यकर्ताओं को कार्य करना है। बैठक में प्रमुख रूप महानगर अध्यक्ष राकेश शंखवार, सांसद डॉ. चंद्र सेन जादौन, विधायक मनीष असीजा, स्थानीय निकाय संयोजक श्रीनिवास शर्मा, सत्य वीर गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी अमित गुप्ता, सुनील टंडन, कन्हैया लाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

नीतीश के प्रधान सचिव एस सिद्धार्थ ने खुद तैयार किया छठ का प्रसाद

पटना (हिंस)। लोक आस्था के महापर्व छठ पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रधान सचिव डॉक्टर एस सिद्धार्थ अपने हाथों से छठ का प्रसाद ठेकुआ बना रहे हैं। सिद्धार्थ बिहार के सबसे पॉवरफुल आईएएस अधिकारी माने जाते है। वे एक तस्वीर में आज खुद ठेकुआ का प्रसाद बनाते नजर आ रहे हैं। आईएएस अधिकारी डॉक्टर एस सिद्धार्थ की सादगी की चर्चा कई बार पहले भी हो चुकी है। पिछले दिनों वह रात के करीब 10 बजे रोड पर बैठकर सब्जी खरीदते दिखे थे। इस दौरान उनके साथ कोई सिक्योरिटी या कोई बॉडीगार्ड मौजूद नहीं था।

रांची में जानलेवा हमले का फरार आरोपित गिरफ्तार, हथियार बरामद

रांची (हिंस)। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेली बोधन घाट के पास सौकित उर्फ किट्टू पर चापड़ से हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपित सुमित नाग को उसके कदमा स्थित आवास से हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। वह फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह अपने घर आया हुआ है। इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की और गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके घर से एक हथियार और कुछ गोलियां भी बरामद की गई है। फिलहाल पुलिस थाने में सुमित से पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि पांच सितंबर को बेली बोधन घाट के पास सौकीत सिंह उर्फ किट्टू पर आरोपितों ने जानलेवा हमला किया था। इस मामले में पूर्व में पुलिस ने आरोपित राजकुमार सिंह, अखिलेश सिंह, अमन मिश्रा, आदित्य झा और सतवीर सिंह को जेल भेजा दिया है जबकि लालू सिंह और रोहित सिंह उर्फ गोलू ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजकुमार सिंह के कदमा मरीन ड्राइव के पास अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलवा दिया था।

फेसबुक पर सिपाही की बेटी से दोस्ती धर्म परिवर्तन व निकाह न करने पर सिर कलम करने की धमकी

फिरोजाबाद (हिंस)। फेसबुक पर समुदाय विशेष के युवक ने सिपाही की बेटी से पहले दोस्ती की और फिर धर्म परिवर्तन व शादी न करने पर उसे और उसके भाई का सिर कलम करने की धमकी दी। पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला थाना शिकोहाबाद से जुड़ा है। पीड़ित का आरोप है कि वह पीएसी में सिपाही है और उसका परिवार शिकोहाबाद क्षेत्र में रहता है। उसकी 22 वर्षीय बेटी की दोस्ती सोशल मीडिया फेसबुक के माध्यम से अमरोहा जिले के गोलडीया निवासी शाहरुख उर्फ विहान से हो गई थी। आरोप है 24 सितंबर को शाहरुख पीड़ित की बेटी से मिलने शिकोहाबाद आया। यहां से वह सिपाही की बेटी को बहला-फुसलाकर अमरोहा ले गया तथा बेटी पर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाने लगा। धमकी देने लगा कि यदि धर्म परिवर्तन नहीं किया तो उसके गंदे फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। शादी भी नहीं होने देगा। पीड़ित का आरोप है कि शाहरुख ने इंस्टाग्राम पर तीन से चार फर्जी आईडी भी बना ली हैं। इन आईडी पर बेटी के फोटो भी अपलोड कर दिए हैं। इससे पीड़िता मानसिक रुप से परेशान है।

लाखों महिलाओं ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को दिया पहला अर्घ्य

वाराणसी (हिंस)। उत्सव प्रिय काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में लोक आराधना के महापर्व डाला छठ पूजन की धूम है। महापर्व के तीसरे दिन (सूर्य षष्ठी) पर रविवार को लाखों व्रती महिलाओं के साथ उनके परिजनों ने पूरे आस्था और विश्वास के साथ गंगा किनारे विभिन्न घाटों, वरूणा तट, बरेका स्थित सूर्य सरोवर पर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को दूध और जल का पहला अर्घ्य दिया। साफ-सफाई और शुद्धता से बने विविध पकवानों और मौसमी फलों से सजे सूप के आगे से अर्घ्य देकर व्रतियों ने भगवान सूर्य और छठी मइया से परिवार में श्री समृद्धि, वंश वृद्धि, संतति (संतान) की लंबी उम्र की कामना की। इस दौरान गंगा घाटों सहित जिले के शहरी और ग्रामीण अंचल के सरोवरों, कुंडों, जलाशयों पर साथ व्रती महिलाओं के साथ आई महिलाओं, पुरुषों व बच्चों की भारी भीड़ जुटी रही। युवा और बच्चे उत्साह में आतिशबाजी भी करते

रहे। अर्घ्य देने के पूर्व गंगा घाटों, कुंडों, तालाबों, घर के छतों और कालोनियों में बने अस्थाई तालाबों में व्रती महिलाएं जहां वेदी का पूजन कर फल से भरे बांस के सूप को हाथ में लेकर कमर बराबर पानी में खड़ी होकर भगवान सूर्य की मौन उपासना कर रही थी। वहीं, उनके साथ आई महिलाएं छठी मइया का परम्परागत गीत *सेविले चरन तोहार हे छठी मइया, कांचे ही बांस के बहंगिया, मरबो रे सुगवा धनुष से सुगा गिरे मुरझाय, कईली बरतिया तोहार हे छठी मैया, दर्शन दीहीं हे आदित देव, कौन दिन उगी छई हे दीनानाथ गा रही थीं।* अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं छठी मइया का गीत गाते डाल व सूप लेकर घर लौटते समय कलश में जलता हुआ दीपक हाथ में लेकर लौटी। सड़क पर भीड़ के धक्के से दीपक को बचाने के लिए परिवार के अन्य सदस्य उस दीपक के चारों ओर घेरा बना कर चल रहे थे। महाव्रत का पारण सोमवार तड़के उदीयमान सूर्य को अन्तिम अर्घ्य देने के बाद होगा। इसके पूर्व दोपहर बाद से ही गंगा, वरूणा तट, कुंड सरोवरों पर 36 घंटे का कठिन उपवास रख व्रती महिलाएं समूह में परिजनों के साथ छठ मइया की पारम्परिक गीत गाते हुए पहुंचने लगी। परिजन भी लाल और पीले कपड़ों की पोटली में रखे डाल दउरी (पूजन सामग्री, फल, फूल) सिर पर रख गाजे बाजे के साथ चल रहे थे।

झारखंडी पार्टी का मैराथन दौड़ 15 नवंबर को

रांची (हिंस)। सिल्ली के पूर्व विधायक सह खतियानी झारखंडी पार्टी के संस्थापक अमित कुमार महतो ने 15 नवंबर को होने वाली मैराथन दौड़ में खतियानी छात्रों की भागीदारी लेने की बात कही है। यह दौड़ बुंडू के ताऊ मैदान से मुरी के सिंगपुर (42 किमी) तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के हक और अधिकार को छीना गया है, जिसमें स्थानीय का हक और अधिकार से वंचित रखा गया है। इसको लेकर झारखंड के तमाम खतियानधारी युवा युवतियों को जगाने का काम कर रहे हैं, ताकि वह अपना हक और अधिकार लड़कर ले सके।

62 परिवारों के 121 सूप की अकेले पूजा करतीं हैं भागलपुर की संध्या मिश्रा

भागलपुर (हिंस)। चार दिवसीय छठ पर्व की शुरुआत 28 अक्तूबर को नहाय- खाय के साथ प्रारंभ हुआ फिर दूसरे दिन खरना और आज रविवार को तीसरे दिन अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। भागलपुर जिले के तिलकामांझी सुरखीकल मिश्रा टोला की रहने वाली संध्या मिश्रा 121 सूप की पूजा कर रही हैं। पूजा मिश्रा ने बताया कि वह इस बार 121 सूप की पूजा कर रही है। भारतवर्ष के कई राज्यों के 62 परिवारों का सूप है। जिसमें बेंगलुरू, रांची, नागपुर, पटना, देवघर के अलावा कई राज्यों के परिवारों का सूप शामिल है। उल्लेखनीय है कि सुरखीकल मिश्रा टोला की रहने वाली संध्या मिश्रा विगत 34 वर्षों से लगातार सबसे ज्यादा सूप की पूजा करती आ रही हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में मेरी तबीयत खराब हो गई थी, फिर भी मैंने छठ पर्व का व्रत नहीं छोड़ा। वहीं पिछले साल ऑपरेशन भी हुआ था फिर भी मैंने छठ व्रत को किया और इतने वर्षों से लगातार मैं सैकड़ों सूपों की पूजा करती आ रही हूं। यह सूर्य भगवान और छठी मैया का ही वरदान है।

पकवान से गमक उठीं हर गलियां, सोशल मीडिया पर छाया ग्लोबल बिहारी पर्व छठ

बेगूसराय (हिंस)। प्रकृति पूजन के महापर्व छठ को लेकर हर ओर लोकगीत और प्रसाद की सोंधी खुशबू छा गई है। सूर्योदय काल के पहले से ही तमाम घरों में ठेकुआ, पिरकिया, लड्डू सहित अन्य प्रसाद आस्था और सुचिता के साथ बनाए जा रहे हैं, जिसको लेकर गांव से शहर तक की गलियों में आत्ममुग्ध कर देने वाली खुशबू छा गई है। प्रवासियों के हलचल से गांव गुलजार हो गया है, देश-विदेश में रहने वाले अधिकतर लोग छठ पर्व में शामिल होने के लिए अपने गांव आ चुके हैं तो सामाजिक समरसता की अद्भुत मिसाल दिख रही है। जातिवाद का चाहे लोग जितना भी हल्ला करें, लेकिन बनाए जा रहे छठ घाटों पर ना कोई जातिभेद दिख रहा है ना कोई वर्ग भेद, सभी जाति और समुदाय के लोग मिलजुलकर घाट तैयार कर रहे हैं, हिंदू तो हिंदू मुसलमान भाई भी इसमें जमकर सहयोग कर रहे हैं। जिस भी मुस्लिम मोहल्ला से छठ व्रती गुजर कर छठ करने जाएंगे, वहां के मुस्लिम परिवारों द्वारा साफ-सफाई कर दी गई है। उदयाचल गांव में उगते हुए सूर्य की तो दुनिया में सभी पूजा करते हैं, लेकिन डूबते सूर्य की पूजा का यह बिहारी पर्व आज जब ग्लोबल होकर पूरी दुनिया में छा गया है तो सोशल मीडिया के भी तमाम प्लेटफार्म पर छठ के गीत, छठ की बधाई और इसकी प्रासंगिकता दिख रही है। आज रविवार को जब संध्याकालीन अर्घ्य होना है तो इसको लेकर सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफार्म ट्विटर, फेसबुक, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर लोग बधाई दे रहे हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने भी अपने सभी सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफार्म के माध्यम से लोगों को बधाई दे रहे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा है कि सनातन की सुंदरता का इससे अच्छा रूप और क्या हो सकता है कि सनातनी डूबते सूर्य की भी पूजा करते हैं। सूर्य देव को अर्घ्य देने की

तैयारी पूरी कर ली गई है। कण-कण भक्तिमय है, उत्साह और भक्ति अपने चरम पर है। सभी को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा अपने गांव बेगूसराय के मनसेरपुर आए तो यहां अपने परिजनों के साथ छठ की तैयारी में लगे हैं तथा लोगों को बधाई एवं शुभकामना दिया है। उन्होंने छठ का एक गीत भी शेयर किया है। इंडियन ऑयल की बरौनी रिफाइनरी ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की शुभकामना देते हुए लोगों के जीवन में खुशी, समृद्धि, सौहार्द और अपनापन होने की कामना किया है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोग कह रहे हैं कि छठ एक ऐसा त्योहार जो चार दिन चलता है लेकिन इसमें कोई दंगा नहीं होता, इंटरनेट कनेक्शन नहीं काटा जाता, किसी शांति समिति की बैठक कराने की जरूरत नहीं पड़ती, चंदा के नाम पर गुंडा गर्दी और जबरन उगाही भी नहीं होती।

संपादकीय

भारतवंशी ब्रिटिश पीएम

किसी मित्र ने करीब 175 साल पुराना बहादुर शाह जफर का काव्यांश भेजा था, जिसके मायने हैं कि एक दिन लंदन में भी हिंदुस्तान का ताज होगा। आज वह काव्यांश साकार हो उठा है, जब भारतवंशी ऋषि सुनक को ब्रिटेन का प्रधानमंत्री चुना गया। वह प्रथम भारतवंशी, हिंदू ब्राह्मण और अश्वेत नेता हैं, जिन्हें ब्रिटिश प्रधानमंत्री का दायित्व सौंपा जा रहा है। हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि जिस ब्रिटिश साम्राज्य का कभी सूर्यास्त नहीं होता था, जिसने 200 साल से अधिक समय तक भारत पर हुकूमत की और हमें गुलाम बनाए रखा, जिस अंग्रेज साम्राज्य के खिलाफ हमारे असंख्य क्रांतिकारियों ने आज़ादी की जंग लड़ी, कुर्बान हुए और अंततः भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र बना, उस ब्रिटेन पर कभी एक भारतवंशी राज करेगा। ऋषि सुनक के जरिए इतिहास ने करवट ली है। नया इतिहास रचा जा रहा है और 28 अक्तूबर को वह प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। गीता और हिंदू धर्म सुनक की प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने सांसद और मंत्री पद की शपथ श्रीमद्भगवतगीता के नाम पर ली थी। ब्रिटेन में यह संवैधानिक छूट है कि आप किसी भी देव-देवी के नाम पर या जिसमें आपकी आस्था है, उसे संबोधित करते हुए शपथ ले सकते हैं। बहरहाल सुनक का जन्म ब्रिटेन में ही हुआ। उनके दादा-दादी पूर्वी अफ्रीका से ब्रिटेन आए थे और नाना-नानी पंजाब से तंजानिया गए थे। फिर वहां से इंग्लैंड गए। सुनक के पिता डॉक्टर और मां फार्मासिस्ट रहे हैं। सुनक ने इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायणमूर्ति की बेटी अक्षता से विवाह किया था। यह पृष्ठभूमि देना इसलिए जरूरी थी, क्योंकि पाकिस्तान के मीडिया में एक दुष्प्रचार जारी है कि सुनक पाकिस्तानी हैं और भारत के दामाद हैं। बहरहाल यह प्रत्यक्षदर्शी तथ्य है कि सुनक अपनी भारतीय जड़ों और संस्कृति को कभी नहीं भूले। एक अदद भारतीय की तरह वह अपने घर की दहलीज पर दीपावली का दीया प्रज्वलित करना नहीं भूलते। वह और उनका परिवार अक्सर मंदिर जाते हैं और इष्टदेव के सामने मत्था टेकते हैं। यकीनन भारत इस मुग़ालते में नहीं है कि अब गोरे अंग्रेजों पर अश्वेत प्रधानमंत्री राज करेगा। लोकतंत्र में इसे ही जन-सेवा कहते हैं। प्रधानमंत्री होने के नाते सुनक के सामने ढेरों चुनौतियां, जिम्मेदारियां और लक्ष्य हैं। करीब 6.5 करोड़ की आबादी और विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ब्रिटेन आज गंभीर आर्थिक संकट में फंसा है। मुद्रास्फीति की दर 11-12 फीसदी है, जबकि भारत में यह दर करीब 7 फीसदी है और आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। इंग्लैंड में बिजली की दरें करीब 80 फीसदी बढ़ाई गई हैं, नतीजतन एक फ्लैट या मकान में दो परिवार साझा तौर पर रहने को विवश हैं, ताकि बिजली का बिल अपेक्षाकृत कम चुकाना पड़े। खाद्यान्न और ऊर्जा के राष्ट्रीय बिल बढ़ गए हैं, लिहाजा जनता में आक्रोश है। सडक़ों पर विरोध-प्रदर्शन जारी हैं और लोग नए आम चुनाव की मांग कर रहे हैं। सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के खिलाफ जबरदस्त जनमत है। सुनक की पहली और सबसे अहम चुनौती है कि वह जनमत का गुस्सा शांत करें और देश तथा पार्टी के बिखराव को रोक कर उन्हें एकजुट करें। ऋषि सुनक ने ऑक्सफोर्ड और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र और बाज़ार के प्रबंधन की पढ़ाई की है। उन्होंने निवेश बैंक 'गोल्डमैन सैक्स' के साथ भी काम किया है। वह बोरिस जॉनसन की सरकार में वित्त मंत्री भी रहे। तब उन्होंने ऊर्जा की उन बड़ी कंपनियों पर 25 फीसदी अधिभार लगाया था, जिन्होंने कोरोना-काल में मोटा मुनाफा कमाया था। इस बार भी वह ऐसा ही टैक्स लगा सकते हैं, लेकिन उससे ब्रिटेन का संकट खत्म नहीं होगा। बहरहाल उनसे अपेक्षा की जा रही है कि वह आर्थिक, सामाजिक और बाज़ार की चुनौतियों से निपट सकते हैं।

ऋषि सुनक के जरिए इतिहास ने करवट ली है। नया इतिहास रचा जा रहा है और 28 अक्तूबर को वह प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। गीता और हिंदू धर्म सुनक की प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने सांसद और मंत्री पद की शपथ श्रीमद्भगवतगीता के नाम पर ली थी। ब्रिटेन में यह संवैधानिक छूट है कि आप किसी भी देव-देवी के नाम पर या जिसमें आपकी आस्था है, उसे संबोधित करते हुए शपथ ले सकते हैं। बहरहाल सुनक का जन्म ब्रिटेन में ही हुआ। उनके दादा-दादी पूर्वी अफ्रीका से ब्रिटेन आए थे और नाना-नानी पंजाब से तंजानिया गए थे। फिर वहां से इंग्लैंड गए।

कुछ अलग

'मुद्रा' का कोई धर्म नहीं

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अद्र्धराज्य दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय मुद्रा पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश के चित्र छापने की जो मांग की है, वह असंवैधानिक, हास्यास्पद और बचकानी है। यदि मुद्राओं पर देवी-देवताओं के चित्र छापने से अर्थव्यवस्था में सुधार होता, तो विश्व में आर्थिक संकट, गरीबी, कुपोषण और भुखमरी जैसी समस्याएं ही नहीं होतीं। सभी 195 देशों के अपने-अपने आराध्य हैं और उनकी आस्थाएं हैं, लेकिन 100 से अधिक देश अविकसित और दरिद्र हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और सरकारें उनकी मदद करती रही हैं, लिहाजा उनके अस्तित्व बरकरार हैं। अमरीका दुनिया का सबसे ताकतवर और प्रथम आर्थिक संसाधनों वाला देश है। उसकी सर्वशक्तिमान मुद्रा-डॉलर पर देश के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति आदि के चित्र छपे हैं। चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसकी मुद्रा पर देश के संस्थापक, प्रथम राष्ट्रपति रहे माओत्से तुंग का चित्र अंकित है। जापान की मुद्रा-येन पर देश के संस्थापकों, महान विचारकों और वैज्ञानिकों के चित्र हैं। ब्रिटेन की मुद्रा-पाउंड पर महारानी विक्टोरिया द्वितीय का चित्र छपता था। अब उनके कालजेयी होने के बाद मौजूदा किंग चाल्र्स तृतीय का चित्र छपेगा। मुद्राओं के धार्मिकीकरण की सोच और प्रवृत्ति किसी भी बड़े देश का रिवाज़ नहीं है। सिर्फ 87 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम और मात्र 1.7 फीसदी हिंदू आबादी वाले इंडोनेशिया को उदाहरण मानकर भारत अपनी मुद्रा का चेहरा तय नहीं कर सकता। यह केजरीवाल का मानसिक दिवालियापन है। इंडोनेशिया में कुछ धर्मों को आधिकारिक मान्यता प्राप्त है, लिहाजा वे अपनी मुद्रा पर गणेश, महादेव और बजरंगबली के चित्र भी छाप सकते हैं। भारत एक संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष देश है, जिसके नीति-निर्माताओं ने एक ही धर्म विशेष के कैलेंडर तक को मान्यता नहीं दी। यदि माता वैष्णो देवी या स्वर्ण मंदिर अथवा किसी अन्य के संदर्भ में भारतीय नोट और सिक्के तैयार किए गए हैं, तो वे सिर्फ विशेष अवसर पर ही छापे गए थे। यह भारतीय मुद्रा की परंपरा नहीं है कि धर्म के आधार पर वह छापी जाए। यह साझा विशेषाधिकार भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक का है। संसद भी इसमें दखल नहीं दे सकती। गौरतलब है कि देश की आजादी के 22 साल बाद 1969 में नोटों पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चेहरा छापा गया, क्योंकि वह उनका जन्म शताब्दी वर्ष था। आज के नोटों पर महात्मा गांधी का जो चेहरा अंकित है, उसे 1987 में स्वीकृति दी गई थी। उससे पहले भारतीय नोटों पर 'अशोक स्तंभ' छापा जाता था। यह परंपरा आज भी कुछ मुद्रा के संदर्भ में जारी है। कुछ नोटों और सिक्कों की फोटोस्टेट प्रतियां टीवी चैनलों पर लहराते हुए 'आप' के सांसद और प्रवक्ता जो प्रलाप कर रहे हैं, वह चुनावी कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं है। दरअसल केजरीवाल किसी एक भगवान के भक्त नहीं हैं। वह बजरंगबली के कट्टर भक्त बन जाते हैं। अयोध्या जाकर प्रभु राम के निर्माणाधीन मंदिर में दर्शन करने चले जाते हैं। हालांकि वह राम मंदिर के खिलाफ दुष्प्रचार करते रहे कि उसके स्थान पर अस्पताल बनाया जाना चाहिए था। गुजरात प्रवास के दौरान वह सिर पर टोकरी सी उठाकर सोमनाथ मंदिर में भी गए और भगवान महादेव के दर्शन किए। वह मुस्लिम टोपी धारण कर 'मुसलमान' दिखने में भी परहेज नहीं करते। अच्छा है कि केजरीवाल धार्मिक समभावी दिखने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन उनका बुनियादी इष्टदेव 'वोट' है। वह वोट हासिल करने को अलग-अलग हरकतें करते रहे हैं।

ब्रिटेन की मुद्रा-पाउंड पर महारानी विक्टोरिया द्वितीय का चित्र छपता था। अब उनके कालजेयी होने के बाद मौजूदा किंग चाल्र्स तृतीय का चित्र छपेगा। मुद्राओं के धार्मिकीकरण की सोच और प्रवृत्ति किसी भी बड़े देश का रिवाज़ नहीं है। सिर्फ 87 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम और मात्र 1.7 फीसदी हिंदू आबादी वाले इंडोनेशिया को उदाहरण मानकर भारत अपनी मुद्रा का चेहरा तय नहीं कर सकता।

विचार

चुनाव कानूनों में आजादी के बाद से काफी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, लेकिन निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है

जागरूक मतदाता ही लोकतंत्र का आधार

प्रो. मनोज डोगरा

लोकतंत्र की स्थापना हो सकती है और नेताओं को भी चाहिए कि चुनावों के दृष्टिगत ही मतदाताओं को अपना भगवान न मानें, बल्कि चुने जाने के पश्चात 5 वर्षों तक उनको भगवान मानें, तभी एक स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना हो सकती है। इसलिए मतदाताओं को भी चाहिए कि वे किसी प्रकार के लालच में न आकर अपने कीमती वोट को निर्भीक व निडर होकर अपना मतदान करें। इस बार 14वीं विधानसभा के चुनावों के लिए 5574793 मतदाता हैं जिनमें 28 लाख 46 हजार 201 पुरुष मतदाता हैं, वहीं मलिहा मतदाताओं की संख्या 27 लाख 88 हजार 556 है। इन चुनावों में 43175 ऐसे मतदाता हैं जिन्होंने हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूर्ण की है। इसी तरह 56 हजार से अधिक दिव्यांग मतदाता इस बार अपने वोट का प्रयोग करेंगे।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही जहां राजनीतिक पार्टियां सक्रिय होने लग पड़ी हैं, वहीं मतदाताओं की नब्ज को टटोलने का काम भी शुरू कर दिया है। लेकिन इन चुनावों में मतदाताओं के लिए जागरूक होना जरूरी है ताकि विधानसभा के इस उत्सव में सही नेता का चुनाव कर सकें। अगर मतदाता जागरूक नहीं होंगे तो अपने नेता का सही चुनाव भी नहीं कर पाएंगे। इसलिए उन्हें आने वाले विधानसभा के चुनावों में सही नेता का चुनाव करें, तभी लोकतंत्र की स्थापना हो सकती है और नेताओं को भी चाहिए कि चुनावों के दृष्टिगत ही मतदाताओं को अपना भगवान न मानें, बल्कि चुने जाने के पश्चात 5 वर्षों तक उनको भगवान मानें, तभी एक स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना हो सकती है। इसलिए मतदाताओं को भी चाहिए कि वे किसी प्रकार के लालच में न आकर अपने कीमती वोट को निर्भीक व निडर होकर अपना मतदान करें। इस बार 14वीं विधानसभा के चुनावों के लिए 5574793 मतदाता हैं जिनमें 28 लाख 46 हजार 201 पुरुष मतदाता हैं, वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 27 लाख 88 हजार 556 है। इन चुनावों में 43175 ऐसे मतदाता हैं जिन्होंने हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूर्ण की है। इसी तरह 56 हजार से अधिक दिव्यांग मतदाता इस बार अपने वोट का प्रयोग करेंगे। इन चुनावों में लगभग 1189 ऐसे मतदाता हैं जिनकी आयु 100 से अधिक हो चुकी है। इन विधानसभा चुनावों में हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिला से संबंध रखने वाले 105 वर्षीय श्याम शरण नेगी भी अपने मतदान का प्रयोग करेंगे जो इस क्षेत्र से पहले मतदाता हैं। चुनाव कानूनों में आजादी के बाद से काफी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, लेकिन निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि क्या युवा अपने वोट की परवाह करते हैं,

आइए हम युवा मतदाता भागीदारी के इतिहास की जांच करके शुरू करें। राष्ट्र निर्माण में युवा ही संपत्ति हैं। इसका अहसास 1988 में किया जा सकता है, जब 61वें संशोधन विधेयक ने मतदाताओं की पात्रता आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया था। इस बदलाव से युवाओं को अपने देश की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद थी। हालांकि यह काफी हद तक असफल रहा क्योंकि 20वीं शताब्दी के अधिकांश समय में युवाओं की भागीदारी कम रही। हिमाचल में नामांकन के अंतिम दिन तक युवा वोट बना सकेंगे। भारतीय चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। प्रदेश में 17 से 25 अक्तूबर तक नामांकन करने की तिथि घोषित की गई है। ऐसे में जो युवा 17 वर्ष के हैं और 25 अक्तूबर तक 18 वर्ष के हो जाएंगे, उन्हें अपना वोट बनाने का अधिकार होगा। चुनाव आयोग ने नए मतदाताओं के लिए इस बार वेलकम किट देने का फैसला किया है। मतदान केंद्रों में इन वोटरों का स्वागत किया जाएगा। युवा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई पहली सक्रिय पहलों में से एक राष्ट्रीय मतदाता दिवस की स्थापना थी, जो 2011 से हर 25 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य योग्य युवाओं को नामांकित करना और उन्हें मतदान में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। यह मतदाताओं के बीच चुनावी प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी बढ़ाने के लिए भी मनाया जाता है। यह पहल 2000 के दशक के कम युवा मतदान को आज के स्तर तक बढ़ाने में महत्वपूर्ण थी। युवा वोट को प्रोत्साहित करने का सबसे स्पष्ट तरीका शिक्षा और जागरूकता फैलाना है। लोकतंत्र में हर वोट मायने रखता है और युवाओं के लिए यह जरूरी है कि वे अपने वोट की कीमत जानें। युवाओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा, लोकतंत्र का जश्न मनाने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए मतदान करना चाहिए। युवाओं में आम समस्याओं को हल करने के लिए उन्हें मतदान में देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना आवश्यक है। बैंगलोर पॉलिटिकल एक्शन कमेटी जैसे कई संगठनों ने पहली बार मतदाताओं को लामबंद करके युवाओं को वोट देने के लिए प्रोत्साहित किया है। हाल के आम चुनाव में लगभग 15 मिलियन पहली बार मतदाता (18 से 19 वर्ष की आयु) थे, जिन्हें लगभग 900 मिलियन मतदाताओं में जोड़ा गया था। लोकतांत्रिक देशों में लोग राजनीतिक शक्ति का स्रोत हैं। राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने की उम्मीद से ही देश चल रहा है। आजकल सरकार फेसबुक और अन्य सेवाओं का भी उपयोग कर रही है क्योंकि आजकल अधिकतर युवा ऑनलाइन जुड़े हैं। फेसबुक सभी को रिमाइंडर जारी करेगा। युवा मतदाता चाहे पंजीकृत हों या नहीं, उन्हें सूचना जरूर जाएगी और उस माध्यम से वोट देने के लिए प्रेरित होंगे। ऐतिहासिक रूप से, युवा लोगों ने वृद्ध वयस्कों की तुलना में कम दरों पर मतदान किया है। 2018 और 2020 में युवा मतदाता मतदान में बड़ी वृद्धि देखी गई। हालांकि अभी बहुत काम करना बाकी है। हमारा शोध लगातार इंगित करता है कि कई युवा लोगों को सूचित मतदाता बनने के लिए (या प्राप्त करने में विफल) तैयारी अपर्याप्त है जिससे नस्ल/जातीयता, शैक्षिक प्राप्ति और अन्य सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय कारकों द्वारा मतदान दरों में महत्वपूर्ण बदलाव होते हैं। युवा जिन मूल मुद्दों से निपटना चाहते हैं, उन्हें गंभीर रूप से देखने से पहले, किसी को यह समझना चाहिए कि एक आम गलत धारणा यह रही है कि अधिकांश युवा धार्मिक रूप से संबद्ध या अत्यधिक वैचारिक नहीं हैं। हालांकि इनशॉर्ट्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण के परिणामों से पता चला है कि लगभग 40 फीसदी उत्तरदाताओं का मानना था कि विचारधारा वह कारक है जिस पर वे मतदान करते समय विचार करने की अत्यधिक संभावना रखते हैं। यह पिछले और भविष्य के चुनावों पर युवा वोटों के प्रभाव को समझने में महत्वपूर्ण है, क्योंकि आर्थिक और सामाजिक जरूरतों के अलावा धर्म और विचारधारा मतदाताओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज के युवाओं की मुख्य चिंताओं में नौकरी के अवसरों की कमी, महिलाओं की सुरक्षा, निष्पक्ष शासन की आवश्यकता और ग्रामीण विकास शामिल हैं जैसा कि चुनाव विश्लेषण रिपोर्टों के ढेरों द्वारा बताया गया है। भारत के 30 फीसदी से अधिक युवा बेरोजगार होने के कारण रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा संबंधित मुद्दे सुर्खियों में रखते हैं।

सरकारी नौकरियों का इंतजार भारी

आमतौर पर सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाएं उम्मीदवारों को उनके घर, गांव या कस्बे, शहर में परीक्षा देने की मंजूरी नहीं देती हैं, जिसके लचते उन्हें अपने उन परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्राएं करनी पड़ती हैं, जो अक्सर दूर होते हैं।1990 के दशक में बिहार सरकार द्वारा संचालित इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए परीक्षा देने के दौरान मुझे इसी तरह के हालात का सामना करना पड़ा था। जब मैं रांची में रहता था, जो उस समय दक्षिण बिहार (और अब झारखंड) में था, मेरा परीक्षा केंद्र उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर में था। मुजफ्फरपुर जाने वाली बसें और ट्रेनें खचाखच भर गई थीं। शहर में होलट और लॉज थे, लेकिन कई छात्रों को रेलवे स्टेशन पर परीक्षा से पलहे रात बितानी पड़ी थी। छात्रों की इस अचानक पहुंची भारी भीड़ को संभालने की क्षमता न तो मुजफ्फरपुर और न ही भारतीय रेलवे के पास थी।

पिछले सप्ताह उत्तर प्रदेश प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (यूपीपीईटी) के लिए यात्रा करने वाले युवाओं की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे। ऐसा अनुमान है कि लगभग 38 लाख उम्मीदवारों ने इस परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जिनमें से कुछ सचमुच अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए जान की बाजी लगाकर ट्रेन से सफर कर रहे थे। रेलवे स्टेशन खचाखच भरे थे और रेलों की बोगियां भी। आमतौर पर सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाएं उम्मीदवारों को उनके घर, गांव या कस्बे, शहर में परीक्षा देने की मंजूरी नहीं देती हैं, जिसके चलते उन्हें अपने उन परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्राएं करनी पड़ती हैं, जो अक्सर दूर होते हैं। 1990 के दशक में बिहार सरकार द्वारा संचालित इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए परीक्षा देने के दौरान मुझे इसी तरह के हालात का सामना करना पड़ा था। जब मैं रांची में रहता था, जो उस समय दक्षिण बिहार (और अब झारखंड) में था, मेरा परीक्षा केंद्र उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर में था। मुजफ्फरपुर जाने वाली बसें और ट्रेनें खचाखच भर गई थीं। शहर में होटल और लॉज थे, लेकिन कई छात्रों को रेलवे स्टेशन पर परीक्षा से पहले रात बितानी पड़ी थी। छात्रों की इस अचानक पहुंची भारी भीड़ को संभालने की क्षमता न तो मुजफ्फरपुर और न ही भारतीय रेलवे के पास थी। बहरहाल, आखिर सरकारी नौकरियों के प्रति इतना आकर्षण क्यों है? वास्तव में निचले और मध्यम स्तर की सरकारी नौकरियां अधिकांश निजी नौकरियों की तुलना में बहुत बेहतर कमाई का जरिया होती हैं। नवंबर 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले सातवें वेतन आयोग ने अहमदाबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान को इस मुद्दे का अध्ययन करने के लिए कहा था। संस्थान की रिपोर्ट में एक अध्ययन के हवाले से कहा गया था कि एक सामान्य हेल्पर, जो सरकार में सबसे कम रैंक वाला कर्मचारी होता है, का कुल वेतन-भत्ता 22,579 रुपये है, जो निजी क्षेत्र के उपक्रमों के एक सामान्य हेल्पर के वेतन-लाभ से दोगुना है। निजी क्षेत्र में इसी रैंक के हेल्पर 8,000 से 9,500 रुपये तक पाते हैं। यह परिदृश्य साफ तौर पर नहीं बदल रहा है। इसके अलावा, एक सरकारी नौकरी पक्की नौकरी की सुरक्षा के साथ आती है, यह कुछ ऐसा है, जो महामारी के बाद की दुनिया में और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इससे पता चलता है कि क्यों हम नियमित रूप से निम्न स्तर की सरकारी नौकरियों के लिए भी इंजीनियरों, पीएचडी और एमबीए धारकों को आवेदन करते देखते हैं। दिलचस्प बात है कि सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण अन्य विकासशील देशों में भी खूब दिखाई देता है। जैसा कि अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो गुड इकोनॉमिक्स फॉर हार्ड टाइम्स में इन देशों के संदर्भ में लिखते हैं : सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी निजी क्षेत्र के औसत वेतन से दोगुने से अधिक कमाते हैं और इसमें उदार स्वास्थ्य सुविधा तथा पेंशन लाभों की गिनती नहीं हो रही है। यह लोगों की धारणा को उस ओर ले जाता है, जहां सरकारी क्षेत्र की नौकरियां निजी क्षेत्र की नौकरियों की तुलना में बहुत अधिक मूल्यवान लगने लगती हैं। लगभग हर किसी को इनका इंतजार रहता है। अक्सर होता यह है कि एक युवा के कामकाजी जीवन का एक अच्छा-खास हिस्सा इंतजार में ही खर्च हो जाता है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी द्वारा प्रकाशित बेरोजगारी के आंकड़ों में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। सितंबर 2022 में 20-24 वर्ष की आयु वर्ग के लिए बेरोजगारी दर 41.9 प्रतिशत थी। 25-29 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 9.8 प्रतिशत थी। इसके अलावा, बेरोजगारी लगभग न के बराबर थी। अब यह हमें क्या बताता है? यह हमें बताता है कि जैसे ही किसी व्यक्ति की उम्र 30 वर्ष होती है, बेरोजगारी एक घटना के रूप में लगभग लुप्त हो जाती है। इस समय तक उम्र बढ़ जाती है और कई युवा ज्यादातर सरकारी नौकरियों के अयोग्य हो जाते हैं या परीक्षा लिखने के लिए जितने मौके मिलते हैं, वो समाप्त हो जाते हैं। यह स्थिति उन्हें निजी क्षेत्र में अनौपचारिक नौकरी करने या वैकल्पिक रूप से स्वरोजगार के लिए मजबूर करती है और इससे भारतीयों के लिए बेरोजगारी दर घट जाती है। एक अर्थशास्त्री ने इसके लिए समाधान बताया है कि सरकारी नौकरियों में वेतन की कटौती की जाए और सरकारी वेतन को असंगठित निजी क्षेत्र के अनुरूप लाया जाए, लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है। जैसा कि बनर्जी और डुफ्लो बताते हैं, 'कई विकासशील देशों के श्रम बाजारों में यह द्वंद्व विशेषता है, बिना किसी सुरक्षा के एक बड़ा असंगठित क्षेत्र है, जिसमें कई लोग बेहतर विकल्पों की कमी के चलते स्व-रोजगार करने लगते हैं, या संगठित क्षेत्र में नौकरी मिलने का इंतजार ही करते रहते हैं। संगठित क्षेत्र में कर्मचारियों से न केवल लाड़-प्यार किया जाता है, बल्कि उन्हें दृढ़ता से संरक्षित भी किया जाता है।' इसके कई दुष्परिणाम हैं। अव्वल तो कई युवा एक सरकारी नौकरी का पीछा किए बिना अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे वर्ष बिताते हैं। दूसरा, निष्क्रिय युवा सामाजिक स्थिरता के लिए हानिकारक हैं। तीसरा, सरकारी नौकरी के प्रति अत्यधिक मोह की यह प्रवृत्ति अर्थव्यवस्था में समग्र निजी खपत को नुकसान पहुंचाती है। पीटर जीहान द एंड ऑफ द वर्ल्ड इज जस्ट द बिगिनिंग : मैपिंग द कोलैप्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन में लिखते हैं, 'एक व्यक्ति अपना अधिकांश खर्च 15 और 45 की उम्र के बीच करता है, यही जीवन की खिड़की है, जब लोग कार खरीद रहे होते हैं (भारतीय संदर्भ में दोपहिया वाहन), घर खरीद रहे होते हैं, इस तरह की खपत वाली गतिविधि ही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाती है।' अतः 30 वर्ष की आयु तक पहुंचने तक कई युवा जब बेरोजगार रहते हैं, तो अर्थव्यवस्था को वैसी गतिशीलता या तेजी नहीं मिल पाती है, जैसी मिलनी चाहिए। अंत में, यहां कम खपत का तात्पर्य भारतीय अर्थव्यवस्था में वस्तुओं व सेवाओं की कम मांग से है। इसका मतलब है कि क्या व्यवसायों को अपनी क्षमता का विस्तार करने की जरूरत नहीं है? रिजर्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि भारत में विनिर्माण कंपनियां एक दशक से अपनी क्षमता का तीन-चौथाई से कम उपयोग कर रही हैं। ऐसे में, निजी क्षेत्र में कम नौकरियों का सृजन हो रहा है, इसीलिए बेरोजगारी है।

नागरिक बोध

आपत्तिजनक कंटेंट का देना होगा जवाब, सोशल मीडिया कंपनियों पर नकेल

सोशल मीडिया कंपनियां अब कंटेंट सामग्री के नियमन के नाम पर मनमानी नहीं कर पाएंगी। भारत सरकार ने इसके लिए नई व्यवस्था का खाका तैयार कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी संशोध 2022 से जुड़े कानूनों को अधिसूचित कर दिया है। नए आईटी नियमों के तहत ट्विटर फेसबुक इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए भारत के आईटी नियमों को मानना अनिवार्य हो जाएगा। इन सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय की गई है। आज के दौर में सोशल मीडिया दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है इसलिए इसके इस्तेमाल में सावधानी जरूरी है। जाहिर है सोशल मीडिया बडा मुदृा है इसलिए नए आईटी नियमों का सोशल मीडिया पर क्या असर होगा। सोशल मीडिया पर जो भी पोस्ट हो रहे हैं, उनमें कौन से पोस्ट देश या समाज हित में नहीं हैं, यह तय करने के लिए केंद्र सरकार समिति बनाने की तैयारी में है। सोशल मीडिया कंपनियों के साथ मिलकर सरकार यह तय करेगी कि किस तरह के कंटेंट को उठाना है या कौन से कंटेंट को डाउन करना है। खासकर ऐसे कंटेंट जो देश, समाज हित या सामाजिक सौहार्द्र के लिए सही नहीं हैं, उन पर नकेल कसी जाएगी। सोशल मीडिया कंपनियों पर नकेल कसने के लिए पैनल गठन की अधिसूचना के मुताबिक, टेक कंपनियों को अपनी वेबसाइट, मोबाइल एप या दोनों पर सेवा नियमों और निजता नीति से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करानी होगी। प्रस्तावित बदलावों में इंटरमीडियरी कंपनियों के लिए भारतीय संविधान द्वारा नागरिक अधिकारों का सम्मान करना भी जरूरी होगा। शिकायतों के निस्तारण के लिए 72 घंटे की व्यवस्था होगी। किसी अन्य शिकायत पर 15 दिनों के अंदर एक्शन लेना होगा, जिससे आपत्तिजनक कंटेंट वायरल नहीं हो सके। यह भी सुनिश्चित करना पड़ेगा कि उसके कंप्यूटर रिसोर्स का इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति किसी भी ऐसी सामग्री को होस्ट न करे, वितरित न करे, प्रदर्शित न करे, अपलोड न करे, प्रकाशित न करे और शेयर न करे जो किसी दूसरे व्यक्ति की हो, जिस पर यूजर का अधिकार न हो, अपमानजनक, अश्लील, बाल यौन शोषण, दूसरे की प्राइवेसी भंग करने वाली, जाति, वर्ण या जन्म के आधार पर उत्पीड़न करने वाली, हवाला के लिए प्रेरित करने वाली या अथवा देश के किसी भी कानून का उल्लंघन करने वाली, भारत की एकता, अखंडता, रक्षा, सुरक्षा, संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली, विदेश नीति या संबंधों को प्रभावित करने वाली पोस्ट, वायरस/स्पैम फैलाने वाली सामग्री, गलत प्रचार जिसे आर्थिक लाभ के लिए तैयार किया गया हो और जिसमें किसी व्यक्ति या संस्था को ठगने, नुकसान पहुंचाने की संभावना लगती हो। अगर कोई आपत्तिजनक सामग्री साझा की जाती है तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म खुद को जम्मिेदारी नहीं मानते हैं। हालाँकि वे अक्सर अपने प्लेटफॉर्म पर सामग्री को संपादित, प्रचारित और ब्लॉक करते हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिये कि कुछ प्लेटफॉर्मों में लगभग 50 करोड़ भारतीय उपयोगकर्त्ता शामिल हैं और यहाँ तक कि दूरदराज़ के इलाकों में भी उनकी पहुँच है। एक सकारात्मक पहलू से देखने पर ये दिशा-निर्देश किसी भी अपराध की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु इन प्लेटफॉर्मों को जवाबदेह बनाने में मददगार साबित होंगे।

देश दुनीया से

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का हासिल

चौक-चौबारों पर चौकड़ी जमाए बैठे लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बात करने पर जो राय सामने आई है, उसे आधार बनाकर कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा को कुछ नए तरीकों से देखा-समझा जा सकता है। अपने से कमज़ोर को स्नेह से चिपटा लेना, बराबर वाले को गले लगा लेना और बड़े के चरणों में झुककर अंगूठा छू लेना, दूसरे से पा लेने का यही विज्ञान है और ह्रदय की विशालता भी यही थी। आज़ादी वाली कांग्रेस याद कीजिए। मूल कांग्रेस ऐसी ही विशालह्रदया थी। वामपंथी, दक्षिणपंथी, समाजवादी...भिन्न-भिन्न नई-पुरानी विचारधाराओं को अपने में समाहित कर लेने वाली एक बहुरंगी बागीची। यही कांग्रेस की भी शक्ति थी और भारत की भी। भारत जोड़ो यात्रा निश्चित ही कई नयों को कांग्रेस से जोड़ेगी, किन्तु यदि कांग्रेस को आगे के चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करना है तो चुनावी जीत के नए औज़ारों को नियोजित और नियंत्रित करना सीखना होगा। पहले से जुड़े कांग्रेसी न टूटें, इसके लिए भी प्रयास कम ज़रूरी नहीं। इसके लिए कांग्रेस संगठनकर्ताओं को खुद की आंतरिक कमज़ोरियों से उबरना ही होगा, वरना वे कांग्रेस-मुक्त भारत के लिए सिर्फ मोदी-अमित शाह की कारगुज़ारियों को ज़िम्मेदार ठहराकर अपनी ज़िम्मेदारियों से भाग नहीं सकते। वैचारिक जुड़ाव के लिए साहित्य, सोशल मीडिया, आयोजनों व अपने व्यवहार के ज़रिए और भी बहुत कुछ करने की ज़रूरत होती है। आजकल जिस मानस के साथ कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक दल का पदाधिकारी बनता है या कहें कि जिस मानस वालों को राजनीतिक दल अपना पदाधिकारी बना रहे हैं उनकी और वोटरों की निजी परेशानी में कुछ मदद करना जरूरी है। यदि पार्टी यह नहीं कर पाएगी, तो वह उस पार्टी में क्यों नहीं चला जाएगा, जो सत्ता में है। खासकर जब कोई वैचारिक-नैतिक जुड़ाव हो ही नहीं? कांग्रेस में कितने पदाधिकारी अथवा सांसद-विधायक हैं जिन्होंने उनके रास्ते चलना तो दूर, गांधी, नेहरू, अम्बेडकर अथवा लोहिया को ठीक से पढ़ा भी है? कांग्रेस को विचार करना चाहिए कि यदि वह केन्द्र अथवा ज्यादातर राज्यों में सरकार में नहीं है तो क्या करे? क्या इंतज़ार करे? नहीं, जब आप केन्द्र अथवा राज्य सरकार में न हों तो कार्यकर्ता तथा वोटर को देने योग्य बनने की सबसे बड़ी संभावना 'तीसरी सरकार' यानी पंचायती व नगर सरकारों में हमेशा मौजूद रहती है। हालांकि, भारतीय लोकतंत्र के हित में तो यही है कि तीसरी सरकारों को दलमुक्त ही रहने दिया जाए, किन्तु क्या यह सिर्फ कांग्रेस के तटस्थ रहने से होगा? स्थानीय चुनावों को संजीदगी से लेने से बूथ लेवल कार्यकर्ता व वोटर, दोनों की मदद संभव है। इसे और खोलकर समझें कि आम ज़िंदगी में असल दिक्कतें तो स्कूल, अस्पताल, थाना, कचहरी, ब्लॉक व तहसीलों से जुड़ी होती हैं। जिस पार्टी का कार्यकर्ता इसमें जिसकी मदद करता है, वह वोटर उस कार्यकर्ता के साथ जुड़ जाता है। उस वोटर का किसी पार्टी से कोई वैचारिक जुड़ाव नहीं होता। वह वोटर, उस कार्यकर्ता विशेष से जुड़ाव के कारण उसकी पार्टी को वोट देता है। पार्टी सत्ता में न हो, तो भी यदि कार्यकर्ता सेवाभावी हो, तो वह मदद कर सकता है। आखिरकार,. स्वयंसेवी संगठनों के लोग यही करते हैं। कांग्रेस में सेवादल और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की क्या भूमिका अथवा जिम्मेदारी होनी चाहिए? लेन-देन के संतुलन को लेकर भारत जोड़ो यात्रियों को भी रणनीतिक होने की ज़रूरत है। कोई यात्रा से क्यों जुड़े? यात्री क्या दे रहे हैं? फेविकोल जोड़ कैसे होगा? यात्री तो विपक्षी राजनीतिक दल अथवा नागरिक संगठनों के नुमाइंदे हैं। वे कह रहे हैं कि सत्ता पक्ष और अधिक तानाशाह न हो जाए, इसके लिए ज़रूरी है कि प्रतिपक्ष और मतदाता भी मज़बूत हों। प्रतिनिधि और मतदाता एक-दूसरे को पुष्ट करने की भूमिका के लिए जुटें। देश की आत्मा पर संकट है। संकट में एकता ही विकल्प है, इसलिए जुड़ें। कह सकते हैं कि यात्री एक उम्मीद दे रहे हैं। किस बात की उम्मीद? वे सादगीपूर्ण यात्रा कर रहे हैं। नागरिक संगठनों ने भारत जोड़ो यात्रा में साथ होते हुए भी कांग्रेस की रोटी न खाकर, अपनी रोटी और ठहराव का इंतज़ाम किया है। भारत-यात्रियों ने यात्रा के दौरान नशामुक्त होने का संकल्प लिया है।

यात्रा प्रबंधकों को जनता के सामने ऐसे ठोस प्रस्ताव, दस्तावेज़ और उन्हें क्रियान्वित करने की योजना व माध्यम पेश करने होंगे जो भारत में बढ़ रहे आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक अनाचार को खत्म करने तथा खाइयों को पाटने के व्यावहारिक व विश्वसनीय समाधान हों। भारत जोड़ो यात्रा ऐसे प्रस्तावों को पेश करने, रायशुमारी करने तथा उन्हें लागू कराने के लिए सरकार पर दबाव बनाने का एक अच्छा माध्यम बन सकती है।

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में दो बम ब्लास्ट, अब तक 100 लोगों की मौत

मोगादिशु ।
सोमालिया की राजधानी राजधानी मोगादिशु में शनिवार को सरकारी कार्यालयों के करीब दो धमाकों में कम से कम 100 लोगों की मौत हुई है। सोमालिया के राष्ट्रपति ने मौतों की पुष्टि की है। बताया गया है कि जिस जगह धमाके हुए वहां भारी भीड़ जुटी हुई थी। राष्ट्रीय पुलिस ने कहा कि सोमालिया की राजधानी में प्रमुख सरकारी कार्यालयों के पास एक व्यस्त जंक्शन पर शनिवार को दो कार बम विस्फोट हुए, जिसमें बच्चों सहित सैकड़ों नागरिक हताहत हुए। सोमालिया की न्यूज एजेंसी ने पुलिस प्रवक्ता सादिक डोदिशे के हवाले से कहा कि सोमालिया की राजधानी में प्रमुख सरकारी कार्यालयों के पास एक व्यस्त जंक्शन पर दो कारों में लगाए गए बमों में धमाका हुआ है। जिसमें बच्चों सहित कई नागरिक हताहत हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटनास्थल पर कई शव देखे गए। धमाके में मारे गए लोगों में लगभग सभी आम नागरिक हैं। मृतकों में कई लोग सार्वजनिक वाहनों में यात्रा कर रहे थे। मदीना अस्पताल के एक स्वयंसेवक हसन उस्मान ने बताया कि अस्पताल में लाए गए मृत लोगों में से अधिकांश महिलाएं हैं। मैंने इसे अपनी आंखों से देखा है। अस्पताल और अन्य जगहों पर घबराए हुए परिजन प्लास्टिक से ढंके बैग में रखे शवों में अपने प्रियजनों की तलाश करते नजर आए। अब्दिरजाक हसन नाम के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पहला धमाका शिक्षा मंत्रालय की दीवार के पास हुआ, जहां रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचने वाले और पैसे बदलने वाले थे। उन्होंने कहा कि जब दूसरा धमाका हुआ तब मैं 100 मीटर की दूरी पर था। कई लोगों की मौत होने के कारण जमीन पर पड़े शवों की गिनती नहीं कर सका। लिस के मुताबिक, दूसरा ब्लास्ट एक व्यस्त रेस्तरां के सामने लंच के समय हुआ। विस्फोटों ने कई रेस्तरां और होटलों वाले एक क्षेत्र में टुक-टुक (टैक्सी के रूप में इस्तेमाल किया जाने वाला तीन पहियों वाला मोटर चालित वाहन) और अन्य वाहनों को ध्वस्त कर दिया। एंबुलेंस सेवा के निदेशक ने बताया कि कई घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है और मौके से कई शव लाए गए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी संगठन ने नहीं है। हालांकि, चरमपंथी संगठन अल-शबाब शहर को निशाना बनाता रहा है। मोगादिशु में धमाके की टाइमिंग भी चौंकाने वाली है। दरअसल, सोमालिया के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए राजधानी में ही बैठक कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

जंग के बाद सत्ता से बाहर हो जाएंगे पुतिन, यूक्रेन के सैन्य अधिकारी ने किया चौंकाने वाला दावा

मास्को । यूक्रेन युद्ध काफी लंबा खिंच चुका है। यह जंग अब तक बेनतीजा है। इस बीच रूस में व्लादिमीर पुतिन की सत्ता संकट में पड़ गई है। खबर है कि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस की सत्ता से व्लादिमीर पुतिन की रवानगी हो सकती है। इसको लेकर बातचीत का दौर भी शुरू हो चुका है। हालांकि, अभी तक कुछ भी स्पष्ट तौर पर सामने नहीं आया है। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के प्रमुख जनरल कायरलो बुडानोव ने दावा किया है कि रूस की सत्ता में पुतिन के बने रहने की संभावना तब तक है, जब तक यूक्रेन युद्ध चल रहा है। उनका कहना है कि जंग समाप्त होने के बाद इसी संभावना न के बराबर है कि पुतिन अपनी सत्ता बचा पाएंगे। बुडानोव का कहना है कि रूस में इस बात की चर्चा शुरू हो चुकी है कि पुतिन के बाद उनकी जगह कौन लेगा। हालांकि, उनका दावा हैरान करने वाला है। दरअसल, बीते साल ही व्लादिमीर पुतिन ने उस कानून की मंजूरी दी थी, जिसके तहत वह छह-छह साल के दो अतिरिक्त कार्यकाल तक सत्ता में रह सकते हैं। इससे 2036 तक उनका रूसी की सत्ता पर काबिज रहने का रास्ता साफ हो गया था। यूक्रेन के घातक ड्रोन विमानों ने रूस के क्रीमिया शहर के सेवास्तोपोल तट पर नौसैनिक ठिकाने को निशाना बनाया है। रूस का दावा है कि यूक्रेन के हमले को उन्होंने नाकाम कर दिया है लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में रूसी नौसैनिक अड्डे पर धमाके देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इन धमाकों में रूस को भारी नुकसान हुआ है। उधर, बिजली संयंत्रों पर लगातार किए गए रूसी हमलों में यूक्रेन के 40 लाख से ज्यादा घर अंधेरे में डूब गए हैं।

इराक के पूर्वी बगदाद में फुटबॉल स्टेडियम के पास विस्फोट, दस लोगों की मौत और 20 से ज्यादा घायल

बगदाद। इराक के पूर्वी बगदाद में हुए विस्फोट में दस लोगों के मारे जाने और कम से कम 20 लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। जानकारी के अनुसार, धमाका एक फुटबॉल स्टेडियम और एक कैफे के पास हुआ। विस्फोट के कारण का अभी पता नहीं चला है। सुरक्षा अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बगदाद में एक फुटबॉल मैदान के पास एक गैस टैंकर में विस्फोट हो गया। विस्फोट से आवासीय भवनों और फुटबॉल मैदान को भी नुकसान पहुंचा है। साथ ही बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ है या कोई जानबूझकर किया गया हमला। अधिकारी ने बताया कि गैस टैंकर में हुए विस्फोट में पीड़ितों में सबसे ज्यादा फुटबॉल खिलाड़ी थे जो घटना के दौरान स्टेडियम में मोजूद थे। वहीं जो घायल हुए हैं उनको अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं यह विस्फोट इराक में नई सरकार के गठन के दो दिन बाद हुआ है। इराकी संसद ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी की अध्यक्षता में 21 सदस्यीय नए मंत्रिमंडल को अपनी मंजूरी दे दी। पिछले साल विभिन्न शिया गुटों के बीच तीखे मतभेदों के कारण संसद राजनीतिक रूप से गतिरोध में आ गई थी। इराकी संसद ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी की अध्यक्षता में 21 सदस्यीय नए मंत्रिमंडल को अपनी मंजूरी दे दी। पिछले साल विभिन्न शिया गुटों के बीच तीखे मतभेदों के कारण संसद राजनीतिक रूप से गतिरोध में आ गई थी।

रूसी नौसैनिक ठिकाने पर यूक्रेनी हमला, दावा- धमाकों से रूस को भारी नुकसान

कीव। रूस द्वारा यूक्रेन पर जारी ईरानी ड्रोन हमलों पर रूसी सेना को कड़ी प्रतिक्रिया मिली है। यूक्रेन के घातक ड्रोन विमानों ने रूस के क्रीमिया शहर के सेवास्तोपोल तट पर नौसैनिक ठिकाने को निशाना बनाया है। रूस का दावा है कि यूक्रेन के हमले को उन्होंने नाकाम कर दिया है लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में रूसी नौसैनिक अड्डे पर धमाके देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इन धमाकों में रूस को भारी नुकसान हुआ है। उधर, बिजली संयंत्रों पर लगातार किए गए रूसी हमलों में यूक्रेन के 40 लाख से ज्यादा घर अंधेरे में डूब गए हैं। यूक्रेन का दावा है कि उसकी सेना ने रूस के काला सागर स्थित सेवास्तोपोल नौसैनिक अड्डे पर जंगी जहाजों के ठिकाने को हमले में तबाह कर दिया है। बचावकर्मी सुबह हुई घटना के बाद शाम तक राहत और बचाव के प्रयास करते देखे गए। कनाडा ने यूक्रेन के लिए धन जुटाने के लिए सरकार समर्थित 5 वर्षीय बांड बेचने के फैसला किया है। यूक्रेन के लिए ऐसा करने वाला कनाडा पहला देश बन गया है। पीएम जस्टिन त्रूदो ने विनिपेग में यूक्रेनी कनाडाई कांग्रेस की एक वार्षिक बैठक में यह घोषणा की।

सियोल हादसे के बाद कोरियाई दूतावास ने झुकाया अपना ध्वज

अब तक कुल151 लोग गंवा चुके हैं अपनी जान

दक्षिण कोरिया ।
दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के इटावन में शनिवार को हुई घटना के बाद दिल्ली में कोरियाई दूतावास ने अपना राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया है। हैलोवीन उत्सव के दौरान कम से कम 151 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 19 विदेशी भी शामिल हैं। दक्षिण कोरिया में मारे गए विदेशियों की राष्ट्रीयताओं में ईरान, उज्बेकिस्तान, चीन और नॉर्वे के लोग शामिल हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि घायलों में से 19 की हालत गंभीर है।

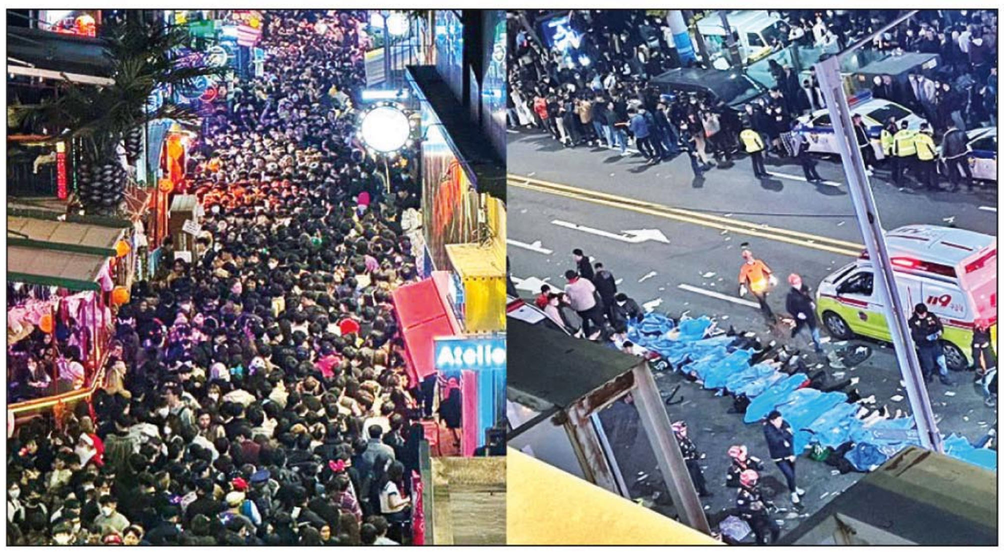

इटावन में लोकप्रिय नाइट स्पॉट के दौरान जुटी थी भारी भीड़

लोकप्रिय नाइट स्पॉट (हैलोवीन) पर भारी भीड़ जुटने के बाद भगदड़ मच गई थी। बताया जा रहा है कि फिल्मी और टीवी सितारों को देखने के चक्कर में हैलोवीन पर जुटी भीड़ बेकाबू हो गई। जिसके बाद यह हादसा हुआ। पीड़ितो में 20 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। इस दुर्घटना में इस आयु वर्ग के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

कोरोना काल के बाद पहली बार जुटे थे लोग

स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि सियोल में पैक्ड हैलोवीन उत्सव के दौरान भीड़ बढ़ने से भगगड़ मच गई, जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि कोरोनाकाल के बाद से यह पहला मौका था, जब हैलोवीन पर इतनी संख्या में भीड़ इकट्ठा हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हेमिल्टन होटल में हैलोवीन मनाने के लिए कई सेलिब्रिटी के जुटने की सूचना थी। भीड़ सितारों को देखने के लिए संकरी गली में पहुंच गई। सियोल मेट्रोपॉलिटन प्रशासन ने लोगों से अपने घर लौटने का आग्रह किया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने घायलों का तेजी से इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रपति ने की आपातकालीन बैठक

राष्ट्रपति यून सुक-येओल ने सियोल के इटावन जिले में घातक भगदड़ को लेकर एक आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता की। यून सुक-येओल ने इस मामले में योंगसान गू जिले की आपदा प्रबंधन टीम को मदद के लिए भेजने का निर्देश दिया है। दमकल विभाग के मुताबिक, हैलोवीन के दौरान हुई इस घटना के बाद भगदड़ मच गई। कम से कम 81 लोगों ने सांस उखड़ने की भी शिकायत की। स्थानीय मीडिया ने यून के हवाले से बताया कि सर्वोच्च प्राथमिकता मरीजों को ले जाना और उन्हें बचाना और प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सेवा मुहैया कराना है। बताया गया है कि हैलोवीन मनाने आए लोग एक संकरी सड़क पर जमा थे। अचानक ही वहां भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी के एक अधिकारी चोई सेओंग ने कहा कि इटावन लीजर जिले में कितने लोगों को दिल का दौरा पड़ा उनकी संख्या अभी साफ नहीं है।

पुतिन ने हैक करवाया था ट्रस का फोन, यूक्रेन पर ब्रिटेन के रुख को भांप रहा था एजेंट

लंदन ।
यूक्रेन से युद्ध शुरू होने के बाद रूस का पूरा ध्यान अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के अगले कदम पर था। ऐसे में वह इन देशों की हर एक गतिविधि पर नजर रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा था। अब सामने आया है कि ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस के निजी फोन को भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हैक करवाया था।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए काम कर रहे एक संदिग्ध एजेंट ने लिज ट्रस का फोन हैक कर लिया था। यह घटना तब हुई थी जब ट्रस ब्रिटेन की विदेश मंत्री थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रस का फोन हैक होने के बाद कई सीक्रेट डिटेल्स लीक हो गईं। इसमें ट्रस के करीबी दोस्त क्वासी क्वार्टेंग के साथ उनके निजी मैसेज भी शामिल थे। बाद में क्वार्टेंग ब्रिटेन के वित्त मंत्री बने। इसके अलावा यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद ट्रस और अन्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ उनकी बातचीत भी इसमें शामिल है। इसमें यूक्रेन में भेजे जाने वाले हथियारों के शिपमेंट से लेकर कई अहम जानकारियां थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस का फोन हैक होने का पता दो महीने पहले ही चला। तब ट्रस प्रधानमंत्री बनने के लिए चल रहे नेतृत्व अभियान का हिस्सा थीं। बाद में वह प्रधानमंत्री भी बनीं, हालांकि एक महीने बाद ही उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा।

रिपोर्ट में पता चला है कि ट्रस के मोबाइल से एक साल तक मैसेज डाउनलोड किए गए। हालांकि, ब्रिटिश सरकार ने इस पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी से इनकार कर दिया है। सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि उनके पास साइबर खतरों से बचाव के लिए एक मजबूत सिस्टम उपलब्ध है।

रॉयल नेवी में महिला कर्मियों के साथ दुष्कर्म, रिपोर्ट से हड़कंप, गिद्धों की तरह नजर गड़ाए होते हैं पुरुष

लंदन ।
एडमिरल बेन ने कहा कि वह इन आरोपों से बहुत ही आहत हैं कि पनडुब्बियों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को डराया धमकाया गया और उनका यौन उत्पीड़न किया गया। पूर्व नौसेना लेफ्टिनेंट सोफी ब्रेक ने दावा किया है कि उन्हें यौन उत्पीड़न के एक निरंतर दौर के साथ-साथ शारीरिक उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा।

लेफ्टिनेंट सोफी के मुताबिक, पनडुब्बियों पर जब भी कोई नई महिला आती है, तो चालक दल के पुरुष सदस्य गिद्धों की तरह नजर गड़ाए होते हैं। तीस साल के ब्रूक ने इस साल की शुरुआत में रॉयल नेवी छोड़ दी थी। बाद में उन्हें अपनी पनडुब्बी की आवाजाही के बारे में एक संवेदनशील जानकारी ईमेल से साझा करने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई थी।

रिपोर्ट में नाम न छापने की शर्त पर नौसेना के एक अन्य व्हिसल ब्लोअर के हवाले कहा गया है कि महिलाओं को पनडुब्बियों में यौन संबंध बनाने के लिए लगातार परेशान किया जाता था। रॉयल नेवी के पूर्णकालिक कर्मियों में महिलाओं की हिस्सेदारी दस फीसदी है और 2011 से पनडुब्बियों पर सेवा करने के लिए पात्र हैं। वहीं, नौसेना प्रमुख ने इन आरोपों को घृणित बताया है।

नौसेना प्रमुख ने एक बयान में कहा, यौन हमले और उत्पीड़न का रॉयल नेवी में कोई स्थान नहीं है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बयान में उन्होंने कहा, मैंने अपनी वरिष्ठ टीम को इन आरोपों की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। जो कोई भी दोषी पाया जाएगा, उसकी रैंक या स्थिति की परवाह किए बिना उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। हालांकि, रक्षा मंत्रालय ने इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बेअदबी मामले में गिरफ्तार महिला पर भीड़ ने हमला करने की कोशिश की, कराची में पुलिस स्टेशन पर धावा

कराची।
पवित्र कुरान की बेअदबी करने के मामले एक महिला को कथित तौर पर गिरफ्तार किए जाने के बाद गुस्साई भीड़ ने महिला पर हमला करने की कोशिश की और कराची में एक पुलिस थाने पर धावा बोल दिया। ईशनिंदा के एक मामले में गिरफ्तार महिला को भावनात्मक रूप से कमजोर बताया गया और उसका इलाज चल रहा है। यह घटना गुरुवार को हुई जब उपद्रवी प्रदर्शनकारी कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करते हुए न्यू कराची इलाके के पुलिस थाने में जबरदस्ती घुस गए क्योंकि वे कानूनी कार्रवाई से संतुष्ट नहीं थे और खुद ही संदिग्ध को दंडित करना चाहते थे।

महिला के लिए कड़ी सजा की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनावपूर्ण स्थिति और आक्रोश के बाद पुलिस और रेंजर्स की भारी टुकड़ी घटनास्थल पर पहुंची। बाद में इलाके के एसएचओ अहमद नवाज ने डॉन को बताया कि पुलिस ने स्थिति को बिगड़ने से रोका और भीड़ को तितर-बितर कर दिया। प्राथमिकी के अनुसार, दो महिलाओं ने पुलिस को पवित्र कुरान की एक प्रति सौंपी है, जिसे आशंकि रूप से जला दिया गया था।

घटना के संबंध में सोशल मीडिया पर कई वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिसमें संदिग्ध महिला स्पष्ट रूप से सवालों का जवाब दे रही है कि उसने कुरान को क्यों जलाया। मैं यहूदी हूं ... मुसलमान यहूदियों के खिलाफ हैं ... इसलिए, उसने कुरान को जलाया। हालांकि, क्षेत्र के एसएचओ ने रेखांकित किया कि संदिग्ध मुस्लिम है और मूल रूप से दादू की रहने वाली है और फिलहाल न्यू कराची में रह रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि पाकिस्तान में दर्ज मानवाधिकार के मामले एक नए निचले स्तर तक पहुंच गए हैं, जो कई मीडिया रिपोर्टों और वैश्विक निकायों के साथ देश में महिलाओं, अल्पसंख्यकों, बच्चों और मीडियाकर्मियों के लिए विकट स्थिति को दर्शाती है। दक्षिण एशियाई देश में हिंदू और ईसाई समूहों की स्थिति सामान्य रूप से खराब है, लेकिन इन समुदायों की महिलाएं अधिकारियों, राजनीतिक समूहों, धार्मिक दलों, सामंती ढांचे और मुस्लिम बहुसंख्यक के भेदभावपूर्ण रवैये से सबसे बुरी तरह प्रभावित हैं।

पाक में आर्थिक संकट के बाद सियासी अराजकता, कभी भी लग सकता है मार्शल लॉ

इस्लामाबाद ।
बीते कई महीनों से पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इस बीच देश में सियासी अराजकता ने मुल्क की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ऐसे में एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान में मार्शल लॉ लागू किया जा सकता है। कहा गया है कि आने वाले छह महीने या इससे भी कम समय में मार्शल लॉ लगाया जा सकता है।

एक रिपोर्ट में मार्शल लॉ की आशंका व्यक्त की गई है। इसमें कहा गया है कि कभी-कभी ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जिसमें अराजकता और शासन के बीच एक ही विकल्प बचता है। इस स्थिति में सेना कदम रखती है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान अगले छह महीने या इससे भी कम समय में मार्शल लॉ की तरफ बढ़ रहा है।

इमरान का सत्ता से बाहर होना

रिपोर्ट में किए गए विश्लेषण के मुताबिक, 2018 में इमरान खान पाकिस्तान की में ईमानदारी और पारदर्शिता के नाम पर आए थे। हालांकि, अप्रैल 2022 में उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा। इसका प्रमुख कारण राज्य में फैली आर्थिक उथल-पुथल थी। आसमान छूती महंगाई और बुनियादी सुविधाओं से जूझती जनता उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का कारण बनी। हालांकि, नई सरकार के सत्ता में आने के बाद भी स्थितियां जस की तस रहीं और पाकिस्तान में आई भयावह बाढ़ ने संकट और बढ़ा दिया।

इमरान के पास जनता का समर्थन

रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्ता से बाहर होन के बाद भी इमरान खान के पास जनता का समर्थन है। यह हाल ही में हुए संसद उपचुनावों से भी स्पष्ट होता है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने आठ में से छह सीटें जीतीं, वहीं पीडीएम ने केवल दो सीटें जीतीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान सत्ता से दूर होने के बाद भी चुप नहीं बैठे हैं। वह लगातार संघर्ष कर रहे हैं, रैलियां कर रहे हैं और अब आजादी मार्च का भी ऐलान कर दिया है।

बढ़ रही सियासी अराजकता

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान एक तरफ आर्थिक संकट से जूझ रहा है तो दूसरी ओर इमरान खान की अधिक सक्रियता ने मुल्क में सियासी अराजकता भी बढ़ा दी है। ऐसे में जैसे-जैसे आर्थिक संकट और गहराता जाएगा, पाकिस्तान अशांत होता जाएगा। इसके परिणामस्वरूप स्थितियां अराजक होंगी और कभी भी सेना को हस्तक्षेप करना पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ने गुरु माना हमारे लिए गर्व की बात : राठौड़

चूरू (हिंस)। रतननगर कस्बे के हीरावत पैलेस में भाजयुमो के प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम के समापन पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि विश्व में आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व गुरु माना है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। यह सम्मान आप जैसे युवाओं की मेहनत का फल है। राठौड़ ने कहा कि आज देश जहां पर विकसित होने की ओर है, वंही दूसरी ओर वर्तमान में राज्य सरकार ने गर्त की ओर जा रही है। राज्य में आए दिन महिलाओं के साथ बलात्कार, दलित समाज के युवाओं की खुलेआम हत्या हो रही है। राज्य की कानून व्यवस्था बिग ?ी हुई है। कांग्रेस सरकार वर्तमान में आपसी झगड़े से फुरसत ही नही मिलती है। तो ये क्या राज्य और जनता का भला करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के राज में भीलवाड़ा में बेटियों को बेचने का घिनौना काम किया जा रहा है। यह राज्य सरकार के लिए शर्म से डूबकर मरने की बात है। भाजयुमो के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उपनेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि युवा पार्टी की नींव होती है। क्योंकि जब एक मकान की नींव मजबूत होगी। तब मकान मजबूत होगा। इसलिए आप सभी युवा मजबूत नींव बनकर इमारत को मजबूत करो। युवाओं ने कोरोनाकाल मे खुद का जीवन खतरे में डालकर जो सेवा लोगों के लिए की थी। वो सराहनीय कार्य है। उसी तरह पार्टी के लिए जनहित के कार्य करे। जनहित का कार्य करोगे तो समाज के सामने खुद की अलग ही पहचान बनेगी। कार्यक्रम में भादरा के प्रदेश मंत्री अशोक सैनी ने कहा कि मोर्चा को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को सम्मान देना होगा। जिससे कार्यकर्ता पार्टी के लिए मेहनत से कार्य करेगा। तभी पार्टी को मजबूती आएगी। भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालाण ने समापन समारोह को सफल बनाने पर मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

एनएसएफ ने सार्वजनिक विश्वविद्यालय विधेयक को वापस लेने की मांग की

जम्मू। नेशनल सेक्युलर फोरम ने जम्मू-कश्मीर पब्लिक यूनिविर्सटी बिल-2022 पर अपनी आपित्त व्यक्त की है, जिसे हाल ही में प्रशासनिक परिषद द्वारा पेश किया गया था। आज यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विक्षय वशिष्ठ जम्मू जिलाध्यक्ष एनएसएफ ने कहा कि विश्वविद्यालय स्वायत्त निकाय थे और उनके कामकाज में सरकार/नौकरशाही का हस्तक्षेप काम के माहौल को बिगाड़ देगा और उच्च शिक्षा के इन संस्थानों में स्वायत्तता की मूल भावना को मार देगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली प्रशासनिक परिषद ने हाल ही में जम्मू और कश्मीर में विभिन्न प्रकार के विश्वविद्यालयों के मुद्दों को संबोधित करने और मौजूदा नियमों के साथ प्रत्येक विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालयों के समूह को नियंत्रित करने वाले अलग-अलग अधिनियमों के लिए विधेयक को मंजूरी दी। बिल ने यूजीसी कानूनों के बजाय लोक सेवा आयोग (पीएससी) और राज्य सेवा भर्ती बोर्ड (एसएसआरबी) को भर्ती की शक्ति प्रदान की। बिल के बाद की स्थितियों में भर्तियों में अनियमतिताओं की आशंका जताते हुए उन्होंने कहा भर्ती पीएससी और एसएसआरबी द्वारा की जाएगी, जो हाल के दिनों में पहले से ही कई भर्ती घोटालों में शामिल रहा है। आगे उक्त विधेयक की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि यह विधेयक अकेले जम्मू और कश्मीर में क्यों लागू किया गया है जबकि देश भर के सभी विश्वविद्यालय यूजीसी के नियमों द्वारा शासित हैं? एनएसएफ नेता ने सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन की धमकी दी और विधेयक को तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रेस कांफ्रेंस में शामिल होने वालों में रोशन शर्मा यूनिविर्सटी यूनिट के अध्यक्ष पुनीत बख्शी, अभिषेक उप्पल, आदित्य खजूरिया, अक्षय कुमार और वीरेन नगोत्र शामिल थे।

मूसेवाला के पिता का एलान 25 नवंबर तक इंसाफ न मिलने पर छोड़ देंगे देश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता ने पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मूसेवाला के पिता ने सरकार को चेताया है कि अगर 25 नवंबर तक उनके बेटे के सभी कातिलों को नहीं पकड़ा गया तो वह एफआईआर वापस ले लेंगे और परिवार समेत देश छोड़ देंगे। रविवार को बलकौर सिंह ने गांव में एक सभा के दौरान कहा कि उनके बेटे की हत्या को पांच माह बीत चुके हैं, लेकिन सरकार से इंसाफ नहीं मिल रहा है। मूसेवाला ने विदेश की बजाए अपने देश में रहने का फैसला किया था, लेकिन यहां गैंगस्टरों ने उसे शिकार बना लिया। बलकौर सिंह ने कहा कि यदि 25 नवंबर तक इंसाफ न मिला तो वह पुलिस महानिदेशक से बात करके एफआईआर वापस ले लेंगे। मूसेवाला के पिता ने कहा कि शुभदीप की हत्या को पांच माह बीत चुके हैं, लेकिन सरकार से इंसाफ नहीं मिल रहा। अभी तक कानून पर भरोसा था लेकिन अब सरकार सुनवाई नहीं कर रही है।

पीएम मोदी के *सब का साथ, सब का विकास* ने जम्मू-कश्मीर को बनाया *पर्यटन का केंद्र* : तरुण

श्रीनगर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कश्मीर मामलों के प्रभारी, तरुण चुग ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर पीएम मोदी की *सब का साथ, सब का विकास और सब का विश्वास* पहल के कारण *पर्यटन का केंद्र* बन गया है। भाजपा नेता यहां श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे, जहां पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता पीएम मोदी की मन की बात सुनने के लिए एकत्र हुए थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर पीएम मोदी की लोगों के अनुकूल पहल के कारण *पर्यटन का केंद्र* बनकर उभरा है। सब का साथ, सब का विकास और सब का विश्वास ने जम्मू और कश्मीर को पर्यटन का केंद्र बना दिया। इस सीजन में कश्मीर ने रिकॉर्ड तोड़ पर्यटकों की संख्या देखी, जिससे इस क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि हुई और बेरोजगार युवाओं को ढेर सारे अवसर प्रदान किए गए, जिनका बेरहमी से शोषण किया गया था। पिछली सरकार द्वारा सस्ते राजनीतिक लाभ के लिए, तरुण चुग ने जोर देकर कहा। कश्मीर में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए पीएम मोदी के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने पिछले सात दशकों में अपने गलत कामों को छिपाने के लिए अनुच्छेद 370 को ढाल के रूप में बनाया था, हालांकि पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 के चंगुल से मुक्त कर दिया। और 35 (ए) 5 अगस्त, 2019 को और दबे हुए लोगों को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र के सार का स्वाद लेने के लिए माहौल प्रदान किया, भाजपा नेता ने कहा।

उपचुनाव में अपनी भूमिका निभाने को तैयार महिलाएं

हिसार (हिंस)। आदमपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा-जजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई को बड़ी जीत दिलाने के लिए गठबंधन टीमों ने पूरी ताकत झोंक दी है। गठबंधन ने एक बड़े फैसले के तहत आधी आबादी मानी जाने वाली महिलाओं तक पहुंचने व उन्हें वोट डालने को प्रेरित करने के लिए महिला टोलियों को मैदान में उतार दिया है। अभी तक किसी अन्य पार्टी द्वारा महिलाओं की इतनी टोलियां बनाकर उन्हें एक साथ मैदान में नहीं उतारा गया था। बताया जा रहा है कि भव्य को एक लाख वोट पार करवाने का लक्ष्य लिए गठबंधन ने एक बड़ी रणनीति के तहत महिलाओं की आठ टोलियां आदमपुर के मैदान में उतारी है। भाजपा संगठन के निर्णय अनुसार पार्टी के महिला मोर्चा ने महिलाओं की टोलियां बनाकर भव्य बिश्नोई के पक्ष में प्रचार का निर्णय लिया है। महिला मोर्चा का मानना है कि महिलाओं को आबादी का आधा हिस्सा माना जाता है और महिला वोटरों तक महिला ही सही ढंग से पहुंचकर उन्हें समझा सकती है।

राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के लिए सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने निकाली रैली

बीकानेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल के जवानों और अधिकारियों ने रविवार को राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के लिए बीकानेर से गजनेर तक से मोटरसाइकिल रैली निकाली। रैली में बड़ी संख्या में बीएसएफ जवान और परिजन शामिल हुए। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के बीकानेर सैक्टर के डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि देशभक्ति गीतों और भारत माता के जयकारे के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल को उनकी जयंती पर याद किया गया। जयंती पर आम लोगों को जागरुक करने और बीएसएफ से जोड़ने के उद्देश्य से ये रैली निकाली गई। कमाण्डेट हैड सतीश कुमार के निर्देशन में निकली इस रैली में 50 मोटरसाइकिल सवार शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गजनेर फोर्ट पहुंचे और वहां से पुन:बीकानेर मुख्यालय आएं।

बठिंडा के डेरा सलाबतपुरा में नाम-चर्चा के विरोध में सिख पंगत ने लगाया जाम

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में रविवार को एक बार फिर से डेरा प्रेमी और सिख संगत जुड़े लोग आमने-सामने आ गए है। बठिंडा जिले के सलाबतपुरा स्थित डेरा सच्चा सौदा मुख्यालय में रविवार को हुए नाम चर्चा के विरोध में कई सिख संगठन उतर आए। सिख संगत ने भारी हंगामा करते हुए यहां सड़क पर जाम भी लगाया। दरअसल, पंजाब में सिख संगठनों तथा डेरा प्रेमियों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। डेरा प्रेमियों ने रविवार को सलाबतपुरा में नाम चर्चा का आयोजन किया। जिसमें डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम उत्तर प्रदेश से ऑनलाइन जुड़े थे। इस कार्यक्रम की भनक लगते ही शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के वरिष्ठ नेता जसकरण सिंह वाला के नेतृत्व में सिख संगत ने डेरा सलाबतपुरा की ओर जाने वाले बाजाखाना बरनाला मार्ग पर जाम लगा दिया और डेरा की तरफ जाने वाली संगत को रोक दिया गया। भारी संख्या में डेरा प्रेमी वाहनों और बसों से सलाबतपुरा डेरा पहुंचने शुरू हुए तो सिख संगत ने उनका रास्ता रोक दिया। जाम की सूचना के बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। विवाद बढ़ता देख डीएसपी फूल असवंद सिंह भी सिख संगत से बात करने पहुंचे।

छिटपुट घटनाओं को छोड़ शांति पूर्ण रहा मतदान

जींद (हिंस)। जिलाभर में जिला पार्षद, ब्लॉक समिति सदस्य को चुनने के लिए छुटपुट घटनाओं को छोड़ मतदान शांतिपूर्ण रहा। सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्र पर मतदाता मत डालने के लिए पहुंचने लगे। शाम छह बजे तक मतदान डालने की प्रक्रिया चली। डीसी डॉ. मनोज कुमार तथा एसपी नरेंद्र बिजरानिया ने मतदान केंद्रों पर पहुंच कर स्थिति का जाएजा लेते रहे। जो गांव संवेदनशील, अति संवेदनशील की सूची में थे वहां पर अतिरिक्त फोर्स भेजी गई। सुबह मतदान की रफ्तार कम रही तो धीरे-धीरे रफ्तार बढ़ी। जैसे-जैसे दिन चढा तो मतदान ने भी रफ्तार पकड़ी। दोपहर 2 बजे तक 48.8 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहर तक लंबी लाइन नजर आई। माना जा रहा था कि जिला पार्षद, ब्लॉक समिति सदस्य के चुनाव में मतदान कम हो सकता है लेकिन लोगों में मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दिया। बुजुर्गों को ट्राई साइकिल, मोटरसाइकिल, वाहनों में परिवार के सदस्य मत डलवाने के लिए ला रहे थे। बुडायन गांव में मत डालने पहुंची 85 साल की फूली, छातर में 90 साल की धन्नो, खटकड़ में 80 साल की विद्या देवी ने कहा कि अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। बुजुर्ग हो या जवान लोकतंत्र के इस पर्व पर अपने मत का प्रयोग करें। करसिंधु गांव में पहली बार पंचायत चुनाव में मत का प्रयोग कर रहे सोमबीर, घोघड़िया में सुनील, बड़ौदा के अमित ने बताया कि पहली बार वो पंचायत चुनाव में अपने मत का प्रयोग कर रहे है। इससे पहले विस चुनाव में मत का प्रयोग कर चुके है। साफ छवि, लोगों के बीच रह कर उनकी समस्याओं को सुनने वाला सहित विभिन्न मुद्दों को ध्यान में रख कर मतदान किया है। उचाना कलां के श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना कलां में कंट्रोल रूम बनाया गया। यहां पर चुनाव की अपडेट सहित अन्य जानकारी, चुनाव संबंधित कार्य को लेकर 138 अधिकारी, कर्मचारी ड्यूटी कर रहे है। खेतों सहित अन्य कार्य से दूर-दराज गए मतदाताओं को वाहनों में मतदान केंद्र तक मत डालने के लिए उम्मीदवार, उम्मीदवारों के समर्थक लेकर आए।

ऑल जेएंडके महाशा सदर सभा ने नव निर्वाचित टीम का किया गठन

जम्मू। एसआर मजोत्र चेयरमैन चुनाव बोर्ड के तहत आयोजित ऑल जेएंडके महाशा सदर सभा की बैठक डोगरा हॉल में हुई, जहां जम्मू-कश्मीर एमएस की नव निर्वाचित टीम का गठन किया गया ताकि संस्था बेहतरी के लिए कार्य करे। इस दौरान उन्होंने सुचारू कार्य के लिए शपथ ली। काली दास पनोत्र अध्यक्ष, अरुण रजवाल महासचिव और तिलक राज वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए गए। विजय मंगोत्र वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शमी नरयाल कैशियर, सूरज नारायण महासचिव (शहरी, संसार चंद -उपाध्यक्ष, विनोद कुमार उपाध्यक्ष, सोमनाथ सचिव, केशव सचि सहित प्रमुख लोग टीम में शामिल हुए।

भाजपा को लाभ पहुंचाने वाले वोट कटुओं से रहे सावधान : भूपेंद्र

हिसार (हिंस)। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जनता से अपील की है कि वह भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ रहे वोट काटू उम्मीदवारों से सावधान रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का काम भाजपा के इशारे पर चुनाव लड़कर उसे फायदा पहुंचाना होता है। भूपेंद्र हुड्डा रविवार को आदमपुर के गांव ढाणी मोहब्बतपुर में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आदमपुर में बीजेपी जब भी आप लोगों के बीच वोट मांगने के लिए आए तो उससे पूछना कि उनकी सरकार ने आठ साल में समाज के कल्याण का कोई भी फैसला क्यों नहीं लिया? आखिर क्यों कांग्रेस सरकार की चलाई गई योजनाओं को इस सरकार ने बंद किया? हुड्डा ने सभा में मौजूद लोगों को वोटकाटुओं से सावधान रहने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि वोटकाटुओं का मकसद चुनाव जीतना नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष तौर पर बीजेपी को लाभ पहुंचाना है। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि मौजूदा सरकार ने पिछड़ा वर्ग के आरक्षण

और कल्याणकारी योजनाओं में कटौती के अलावा कोई कार्य नहीं किया है। कांग्रेस सरकार के दौरान उन्होंने ओबीसी वर्ग को सशक्त बनाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई थीं। समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए हर टिकट बंटवारे से लेकर कैबिनेट में पिछड़ा समाज को भरपूर प्रतिनिधित्व दिया। इसके साथ ब्यूरोक्रेसी में समाज की उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए गजेटेड पोस्ट में ओबीसी आरक्षण को 10 से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया गया। कांग्रेस सरकार ने सभी गरीब, दलित और पिछड़े बच्चों को पहली क्लास से वजीफा देने की योजना शुरू की थी। उस वक्त हमारी सरकार स्कूली बच्चों को पूरे देश में सबसे ज्यादा वजीफा देती थी।

महापर्व डाला छठ : त्यागी व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया का किया गुणगान

जयपुर (हिंस)। लोक आस्था का महापर्व डाला छठ रविवार को छोटी काशी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गलता तीर्थ समेत कई जगहों पर मेले सा माहौल रहा। गलता तीर्थ में महंत स्वामी अवधेशाचार्य के सान्निध्य में मुख्य आयोजन हंआ। यहां शाम को गंगा आरती हुई और इसके बाद बिहार समाजबंधु और उत्तरांचल के लोग अस्ताचल गामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया गया। वहीं चार दिवसीय छठ महापर्व का मुख्य आयोजन बिहार समाज संगठन की ओर एनबीसी के पीछे दुर्गा विस्तार कॉलोनी के मैदान में हुआ। जहां व्रती के लिए बनाए बड़े कृत्रिम जलाशय खड़े होकर अस्ताचल गामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया गया। इसके अलावा कठपुतली नगर, मावठा, जयसिंहपुरा खोर, विश्वकर्मा में भी छठ पर्व मनाया गया। गालव ऋषि की तपोभूमि गलता में पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य के सान्निध्य में व्रती शाम को परंपरागत ढंग से अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देकर विधिवत पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि व संतान प्राप्ति की कामना की। यहां तीन घंटे तक चलने वाले धार्मिक आयोजन स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। पूजा करने वाले परिवार शाम से पहले ही जलाशयों और गलता घाट पर जमा होना शुरू हो गए। व्रती शाम के समय बांस की डलिया में ठेकुआ, गन्ना, मिठाईयां, फल, वस्त्र आदि से सजा कर परिवार के साथ महिलाएं हथवा में फलवा डलिया छठ पूजन जाए...,कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए..., मइया ए गंगा मइया, मांगिला हम वरदान... जैसे लोक गीत गाते हुए घाट पर पहुंचना शुरू हो गई थी। शाम को लोग परिवार के साथ छठी मैया की पूजा कर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर लोग परिवार की सुख-समृद्धि और संतान प्राप्ति की कामना की। इस दौरान आतिशबाजी कर खुशियां मनाई गई। इससे पहले महिलाएं सुबह ठेकुआ बनाने में व्यस्त रही। बिहार समाज संगठन के महासचिव सुरेश पंडित ने बताया कि दुर्गा विस्तार कॉलोनी में कृत्रिम जलाशय तैयार करवा कर टैंकरों से पानी भरवाया गया है। पूजा स्थाल इस मौके पर महाकाल की झांकी सजाई गई। शाम को चार भाषा के संगीतकार, गीतकार व भजन मंडली की ओर से भजनों की प्रस्तुति दी गई। सोमवार की सुबह व्रती उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके बाद व्रती अपने परिवार के साथ वापस घर को लौटेंगे। इसके बाद व्रती प्रसाद वितरित करने के बाद स्वयं प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण करेंगे। इसके साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जाएगा। प्रवासी प्रकोष्ठ बिहार विंग के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि दो साल के बाद पांच प्रदेश के प्रवासियों की ओर से छठ महापर्व मनाया जा रहा है। बिहार, यूपी, झारखंड, उत्तराखंड व बंगाल निवासी समाजबंधु अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। सीकर रोड पर सरदारपुरा स्थित चौधरी फार्म हाउस पर बड़ा आयोजन हुआ। बिहार से एक दर्जन जानेमाने कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। गलता तीर्थ में महंत स्वामी अवधेशाचार्य के सान्निध्य में गंगा महाआरती की गई, तीर्थ में समाजजनों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

चरस के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ा तस्कर

जम्मू/श्रीनगर। नशा तस्करों के खिलाफ अपनी मुहिम को जारी रख इन नशा तस्करों की धरपकड़ को तेज करते हुए श्रीनगर कुपवाड़ा पुलिस के अंतर्गत लोलाब एरिया से एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने तस्करी के कब्जे से 1 किलो के करीब चरस बरामद की है। बताते चले कि लोलाब क्षेत्र में नाका पर मौजूद अपनी ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों ने एक व्यक्ति करे संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते देखा। उसकी हरकतों पर शक होता देख पुलिस ने उससे रोका और उसकी तलाशी ली और तलाशी के दौरान उक्त व्यक्ति से पुलिस ने 1 किलो के करीब चरस बरामद की, जिसकी मोहम्मद मकबूल चकबारी निवासी लालपोरा के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्कर के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है कि वह क्षेत्र में चरस सप्लाई करने आया था और उसके कोई साथी भी हैं।

देशभर के साथ जम्मू में भी छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

जम्मू। समूचे भारत की तरह छठ पूजा जम्मू में भी उल्लास के साथ मनाई जा रही है। छठ पूजा के तीसरे दिन महिलाओं ने तालाब, नदी आदि पानी के स्त्रोत में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। बता दें छठ पूजा सूर्य भगवान को समर्पित चार दिवसीय त्योहार है। आज छठ का तीसरा दिन था। छठ प्रसाद को तैयार करने के लिए एक खास तैयारी की गई जो त्योहार के तीसरे दिन से शुरू होने वाले त्योहार में बहुत महत्व रखता है। व्रती और उनके परिवार के सदस्यों ने प्रसाद रखने के लिए बांस के नए सूप और टोकरियां नी, जिसमें चावल, गन्ना, ठेकुआ/पकवान/टिकरी, ताजे फल, सूखे मेवे, पेड़ा, मिठाई, गेहूं, गुड़, मेवा, नारियल, घी, मखाना, अरु वा, धान, नींबू, गगल, सेब, संतरा, बोडी, इलायची, हरी अदरक और सूप में तरह-तरह के सात्विक खाद्य पदार्थ रखी और सूर्य देव को अर्घ्य दिया।

आईओसीएल को पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर हो रहा नुकसान कंपनी को जुलाई-सितंबर में 272.35 करोड़ का घाटा हुआ

नई दिल्ली।
देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने दूसरी तिमाही में घाटा होने की जानकारी दी है। कंपनी को जुलाई-सितंबर में 272.35 करोड़ का घाटा हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी को 1,992.53 करोड़ का घाटा हुआ था। साथ-साथ अन्य सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने 2022-23 की पहली तिमाही में भारी नुकसान दर्ज किया था। इसकी वजह महंगाई को नियंत्रित करने में सरकार की मदद के लिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में संशोधन नहीं करना है।

सूचना के मुताबिक पिछले साल जुलाई-सितंबर में 6,360.05 करोड़ का मुनाफा हुआ। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल-सितंबर के बीच कंपनी ने 2,264.88 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया है।

पिछले साल समान छमाही में कंपनी को 12,301.42 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर में कंपनी का रेवेन्यू 34.9प्रतिशत बढ़कर 2.28 लाख करोड़ रुपए हो गया। यह पिछले 1.69 लाख करोड़ रुपए था।

बीते कई महीनों से कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है, लेकिन रिटेल पंप की पेट्रोल-डीजल के दाम लगभग 85-86 डॉलर प्रति बैरल के हिसाब से थीं। इससे कंपनियों को नुकसान हुआ। सरकार ने बीते दिनों कहा था कि तेल कंपनियां खुदरा कीमतों में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि तीनों सरकारी तेल कंपनियों ने दरों को फ्रीज करने के कारणों के बारे में जानकारी नहीं दी है। जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया। इसी तरह अक्टूबर 2014 तक डीजल की कीमत भी सरकार निर्धारित करती थी, लेकिन 19 अक्टूबर 2014 से सरकार ने ये काम भी ऑयल कंपनियों को सौंप दिया। अभी ऑयल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत, एक्सचेंज रेट, टैक्स, पेट्रोल-डीजल के ट्रांसपोर्टेशन का खर्च और बाकी कई चीजों को ध्यान में रखते हुए रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत निर्धारित करती हैं।

देश में तेल के दाम लगभग पिछले 5 महीने से स्थिर हैं। हालांकि जुलाई में महाराष्ट्र में पेट्रोल जरूर पांच रुपए और डीजल तीन रुपए प्रति लीटर सस्ता हुआ था, लेकिन बाकी राज्यों में दाम जस के तस बने हुए हैं।

मस्क ने कर्मचारियों की छंटनी का दिया आदेश, ट्विटर की नीतियों में भी होंगे बदलाव

वाशिंगटन । एलन मस्क अब ट्विटर को पूरी तरह से अपना बना चुके हैं और उन्होंने 44 अरब अमेरिकी डॉलर में कंपनी का अधिग्रहण कर लिया है। वहीं अब खबर है कि एलन मस्क ने ट्विटर के कर्मचारियों की छंटनी का आदेश भी दे दिया है। उन्होंने प्रबंधन से कहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान जिन कर्मचारियों को कंपनी से बाहर किया जाना है, उनकी सूची तैयार की जाए। साथ ही उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर की नीतियों में बदलाव करने के लिए भी कहा है। एलन मस्क कमान संभालते ही माइक्रो ब्लॉगिंग साइट के सीएफओ, सीईओ और पॉलिसी चीफ को बाहर का रास्ता दिखा चुके हैं। ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल और वित्त प्रमुख नेड सेगल ने कंपनी के सैन फ्रांसिस्को मुख्यालय को छोड़ दिया है। मस्क ने ट्विटर के लिए कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल के गठन की घोषणा कर दी है। एलन मस्क ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि काउंसिल की बैठक से पहले कंटेंट से संबंधित या फिर बैन खातों की बहाली पर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। इस काउंसिल की समीक्षा के बाद ही बंद हो चुके खातों को दोबारा बहाल करने पर फैसला लिया जाएगा। वहीं इससे पहले मस्क ने 44 अरब अमेरिकी डॉलर में ट्विटर का अधिग्रहण पूरा करने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार को ट्वीट किया था कि अच्छे दिन आने वाले हैं। साथ ही उन्होंने एक ट्वीट में लिखा था कि चीफ ट्विट।

आयुष्मान रजिस्ट्रेशन में मध्यप्रदेश सबसे आगे, लेकिन मुफ्त इलाज कराने में तमिलनाडु टॉप

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश के कुल 15.88 करोड़ लोग रजिस्टर्ड हो चुके हैं। इनमें से 3.61 करोड़ लोगों को मुफ्त इलाज भी मिल चुका है। पिछले 4 साल में इलाज पर कुल 45,781 करोड़ रु. खर्च किए जा चुके हैं। इस योजना के तहत अब तक हुए इलाज और खर्च का एनालिसिस करें तो राज्यों के प्रदर्शन में काफी अंतर नजर आता है। इस योजना के तहत सबसे ज्यादा 3.11 करोड़ मरीज मध्य प्रदेश में पंजीकृत हैं, लेकिन इलाज सिर्फ 21 लाख लोगों को मिला है। वहीं, दूसरी ओर मध्य प्रदेश के मुकाबले आधे पंजीकरण वाले तमिलनाडु में तीन गुना ज्यादा मरीजों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। तमिलनाडु में कुल 1.54 करोड़ लोग रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 67 लाख लोगों को इलाज मिल चुका है। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया के महानिदेशक डॉ. गिरधर ज्ञानी ने बताया कि दक्षिण भारत के राज्यों में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पहले से काफी मजबूत है। इन राज्यों की सरकारों ने योजना को भी प्रभावी तरीके से लागू किया है। इसलिए वहां का प्रदर्शन देश के बाकी राज्यों के मुकाबले काफी बेहतर रहा है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात और छत्तीसगढ़ में ही देश की 46प्रतिशत रकम खर्च हो चुकी है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इलाज कराने वाले 57प्रतिशत मरीज इन्हीं राज्यों में हैं। गौर करने वाली बात यह है कि सबसे ज्यादा 6,329 करोड़ रु. अकेले गुजरात में खर्च हुए हैं, जबकि वहां इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 33.23 लाख है।

एफआईआई लगातार दूसरे महीने 'नेट सेलर' बने, अक्तूबर महीने में 1586 करोड़ की हुई बिकवाली

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्तूबर में भारतीय शेयर बाजार में 1586 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। मजबूत अमेरिकी डॉलर सूचकांक, कमजोर रुपये और मौद्रिक नीति के कड़े होने के बीच लगातार दूसरे महीने वे शुद्ध विक्रेता (नेट सेलर) बन गए हैं। हालांकि बीते सप्ताह भारतीय शेयर सूचकांकों के निवेशकों को बड़ा रिटर्न देने के साथ फंड के बहिर्वाह की मात्रा में काफी गिरावट आई है। पिछले 10 सत्रों में से नौ के दौरान भारतीय शेयर सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में विदेशी निवेशकों ने भारत में 7,624 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचे हैं। 2022 में अब तक उन्होंने संचयी आधार पर 1,70,375 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं।

मारुति ने वापस बुलाई 9,925 कारें

3 अगस्त से 1 सितंबर तक हुई थी मैन्युफैक्चरिंग रियर ब्रेक असेंबली पिन में डिफेक्ट

नई दिल्ली।
मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड अपने तीन मॉडलों वैगन आर, सेलेरियो और इग्निस की 9,925 यूनिट वापस बुला रही है। इसका कारण रियर ब्रेक असेंबली पिन में गड़बड़ी है। इन व्हीकल्स की मैन्युफैक्चरिंग 3 अगस्त से 1 सितंबर 2022 के बीच की गई थी। रिप्लेसमेंट के लिए पार्ट की व्यवस्था की जा रही है और ऑथोराइज्ड वर्कशॉप ग्राहकों से इसके लिए संपर्क करेंगे।

परफॉर्मेंस पर पड़ सकता है असर

मारुति ने कहा रियर ब्रेक असेंबली पिन में डिफेक्ट हो सकता है, जो टूट भी सकता है और एक अजीबोगरीब शोर पैदा कर सकता है। लंबे समय में ब्रेक परफॉर्मेंस पर भी असर पड़ सकता है। ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और एहतियात के तौर पर जांच के लिए संदिग्ध वाहनों को वापस बुलाने और खराब पुर्जे बदलने का फैसला किया है।

पिछले साल 1,81,754 कारों को रिकॉल किया था

पिछले साल भी मारुति सुजुकी ने भारतीय बाजार में बिकने वाली 1,81,754 कारों को रिकॉल किया था। इन कारों का प्रोडक्शन 4 मई 2018 से 27 अक्टूबर 2020 के बीच किया गया था। कंपनी का कहना है कि इन कारों के सेफ्टी फीचर्स में कुछ खराबी हो सकती है। इस लिस्ट में सियाज, एस-क्रॉस, विटारा ब्रेजा, 7 सीटर अर्टिगा शामिल थी।

देश में गाड़ी रिकॉल के बड़े मामले बलेनो और वैगनआर रिकॉल

जुलाई 2020 में मारुति ने वैगनआर और बलेनो की 1,34,885 यूनिट्स को रिकॉल किया था। इन मॉडल को 15 नवंबर, 2018 से 15 अक्टूबर, 2019 के बीच तैयार किया गया था। कंपनी ने फ्यूल पंप में खराबी के चलते गाड़ियों को रिकॉल किया था। मारुति ईको रिकॉलः नवंबर 2020 में कंपनी ने ईको की 40,453 यूनिट्स को रिकॉल किया था। कंपनी ने गाड़ी के हेडलैम्प पर मिसिंग स्टैंडर्ड सिंबल की वजह से ये फैसला लिया था। इस रिकॉल में 4 नवंबर, 2019 से 25 फरवरी, 2020 के बीच मैन्युफैक्चर की गई ईको शामिल थीं।

महिंद्रा पिकअप रिकॉल

2021 में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने कॉमर्शियल पिकअप व्हीकल की 29,878 यूनिट्स को रिकॉल किया था। कंपनी ने कहा था कि जनवरी 2020 से फरवरी 2021 के बीच मैन्युफैक्चर होने वाले कुछ पिकअप व्हीकल में एक फ्ल्यूड पाइप का रिप्लेसमेंट किया जाना है।

महिंद्रा थार रिकॉल

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी ऑफरोड थार के डीजल वैरिएंट की 1577 यूनिट्स को फरवरी 2021 में रिकॉल किया था। कंपनी ने कहा था कि प्लांट की मशीन में गड़बड़ी के चलते ये पुर्जे खराब लग गए। सभी यूनिट का प्रोडक्शन 7 सितंबर से 25 दिसंबर, 2020 के बीच में किया गया था।

रॉयल एनफील्ड रिकॉल

मई 2021 में शॉर्ट सर्किट की आशंका के चलते रॉयल एनफील्ड ने बुलेट 350, क्लासिक 350 और मीटिअर 350 की 2,36,966 यूनिट्स को वापस मंगाया था। इन सभी की मैन्युफैक्चरिंग दिसंबर 2020 से अप्रैल 2021 के बीच की गई थी।

चार गुना से ज्यादा बढ़ा मुनाफा

मारुति सुजुकी ने शुक्रवार को सितंबर 2022 को समाप्त तिमाही के नतीजे घोषिए किए। स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट साल-दर-साल चार गुना से ज्यादा बढ़कर 2,062 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का रेवेन्यू लगभग 46प्रतिशत बढ़कर 29,931 करोड़ रुपए हो गया, जबकि तिमाही के लिए सेल्स वॉल्यूम पिछले वर्ष की तुलना में 36प्रतिशत बढ़कर 517,395 यूनिट रहा।

मैच्योरिटी के बाद भी जारी रख सकते हैं पीपीएफ अकाउंट

15 साल के मैच्योरिटी पीरियड के बाद 5-5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं खाता

नई दिल्ली।
पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ निवेश के लिए सबसे ज्यादा पसंद की जानी वाली स्कीम्स में से एक है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 15 साल का रहता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि 15 साल बाद आपको अपना पैसा निकालकर खाता बंद करना पड़े। अगर आप चाहें तो इसे आगे बढ़ा सकते हैं। आप इसे 5-5 साल में अनिश्चित काल के लिए बढ़ा सकते हैं। 15 साल बाद आप अपना अकाउंट दो तरह से आगे बढ़ा सकते हैं।

पहला तरीकाः फ्रेश डिपॉजिट से अकाउंट को बढ़ा सकते हैं

अगर खाते के मैच्योर के बाद आप अपना अकाउंट 5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट बढ़ाने के लिए आपको साल भर के भीतर फॉर्म जमा करना होगा। इसके लिए मैच्योरिटी पूरा होने के एक साल पहले ही अर्जी देनी होगी। इन 5 सालों के दौरान जरूरत पड़ने पर आप पैसा निकाल भी सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट मैच्योर होने के बाद भी एक्टिव रहता है। अगर आप ऊपर वाला ऑप्शन नहीं चुनते हैं तो अपने आप आपकी पीपीएफ मैच्योरिटी तारीख 5 सालों के लिए बढ़ जाती है। इसमें किसी पेपरवर्क की आवश्यकता नहीं होती है। इसमें आपको किसी तरह का योगदान करने की जरूरत भी नहीं रहेगी और आपको ब्याज मिलता रहता है। दोनों ही तरीकों में आप कितने भी सालों के लिए निवेश कर सकते हैं।

पीपीएफ पर मिलता है टैक्स छूट का लाभ

पीपीएफ की श्रेणी में आती है। यानी योजना में किए गए पूरे निवेश पर आपको टैक्स छूट का लाभ मिलता है। साथ ही इस योजना में निवेश से मिलने वाले ब्याज और निवेश की पूरी राशि पर भी किसी तरह का टैक्स नहीं देना होता। इसमें इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत सालाना 1.5 लाख रुपए तक के निवेश पर टैक्स छूट का लाभ लिया जा सकता है।

आसानी से तैयार होगा बड़ा फंड

इस स्कीम के जरिए अगर आप हर महीने 1 हजार रुपए निवेश करते हैं तो आपको 15 साल बाद 3 लाख 18 हजार रुपए मिलेंगे। वहीं अगर 2 हजार रुपए महीना निवेश करते हैं तो आपको 15 साल बाद 6 लाख 37 हजार रुपए मिलेंगे।

भारत-अमेरिका व्यापार नीति बैठक स्थगित करने पर दोनों पक्ष सहमत, अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का दिया हवाला

वाशिंगटन।
भारत-अमेरिकी व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) को अगले साल की शुरुआत तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई के बीच व्यापार पर द्विपक्षीय बैठक नवंबर में आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों का हवाला देते हुए अगले साल की शुरुआत में पुनर्निर्धारित की गई है।

दरअसल, अमेरिका में आठ नवंबर को मध्यावधि चुनाव होने हैं, जो अमेरिकी संसद (कांग्रेस) का भविष्य निर्धारित करेंगे। इसे लेकर अमेरिका में विशेष सियासी सतर्कता भी बरती जा रही है। टीपीएफ का स्थगित किया जाना भारत और अमेरिका के बीच आपसी सहमति से लिया गया फैसला है। घटनाक्रम से परिचित एक अधिकारी ने टीपीएफ के टलने की जानकारी नाम उजागर न करने की शर्त पर दी है। हालांकि अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन और वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो समेत बाइडन प्रशासन के शीर्ष अफसर इस साल आठ नवंबर से 13 फरवरी के बीच नई दिल्ली में दौरा कर सकते हैं। वे इस दौरान गोयल से मुलाकात भी करेंगे।

पिछले साल नवंबर में हुई थी यह बैठक

टीपीएफ की आखिरी बैठक चार साल के अंतराल के बाद यहां पिछले साल नवंबर में हुई थी। उस बैठक में दोनों पक्षों द्वारा 2022 के अंत से पहले मंत्री स्तर पर टीपीएफ को फिर से संगठित करने का निर्णय लिया गया था। सूत्रों ने कहा कि व्यापार मंत्री के स्तर पर दोनों देशों के बीच कई मंचों पर चर्चा हो रही है।

केरल के बाद अब कर्नाटक में छंटनी की तैयारी कर्मियों से जबरन मांगा जा रहा इस्तीफा

नई दिल्ली ।
एडटेक कंपनी बायजू केरल के तिरुवनंतपुरम में बड़े पैमाने पर छंटनी की खबर के कारण बीते कई दिनों से चर्चा में है। अब कंपनी पर गृह राज्य कर्नाटक में भी छंटनी के आरोप लग रहे हैं। कर्नाटक राज्य आईटी/आईटीईएस कर्मचारी संघ (केआईटीयू) ने कहा है कि बायजू अपने बेंगलुरु मुख्यालय में कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों को तुरंत इस्तीफा देने या बर्खास्तगी का सामना करने के लिए कहा जा रहा है, जो जाहिर तौर उनके करियर की संभावनाओं को प्रभावित करेगा। केआईटीयू के सचिव सूरज निधियंगा ने मीडिया को बताया कि बायजू

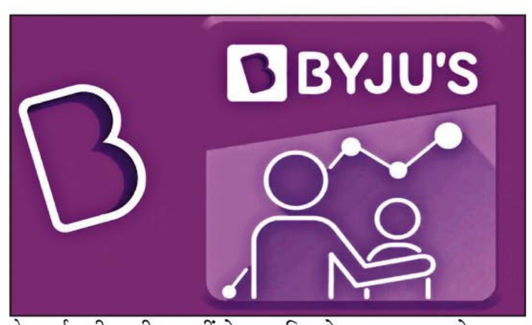

के कर्मचारी इस्तीफा नहीं देना चाहते हैं लेकिन उन्हें मजबूर किया जा रहा है। कंपनी का एचआर विभाग कर्मचारियों से जबरदस्ती इस्तीफा लेने में जुटा हुआ है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी की ओर से छंटनी के संबंध में कोई लिखित सूचना नहीं है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पिछले एक सप्ताह से मानव संसाधन विभाग कर्मचारियों को बुलाकर स्वेच्छा से इस्तीफा देने को कह रहा है। तिरुवनंतपुरम कार्यालय में बड़े पैमाने पर छंटनी के बाद जब मीडिया का ध्यान आकर्षित हुआ और बर्खास्त कर्मचारियों ने केरल के श्रम मंत्री शिवंकुट्टी से मुलाकात की तो बायजू की प्रबंधन टीम ने कुछ कर्मचारियों को स्थानांतरण करने का विकल्प दिया है।

कंपनी में छंटनी की खबरें आने के बाद बायजू की ओर से एक बयान जारी किया गया है। इसमें कंपनी ने कहा है कि यह बिल्कुल गलत है कि बायजू अपने कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर रही है। बायजू एक जिम्मेदार संगठन है और देश के सभी कानूनों का पालन करती है। बायजू पूरे भारत में लगभग 50,000 लोगों को रोजगार देती है। लाभकारी और स्थायी रूप से बढ़ने के लिए बायजू की वर्तमान रणनीतिक योजना के हिस्से के रूप में इन पदों में से लगभग पांच प्रतिशत या 2,500 को युक्तिसंगत बनाया जा रहा है।

क्या है एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश का सही तरीका कैसे बनें स्मार्ट इन्वेस्टर

नई दिल्ली।
कंपनी की बुनियादी बातों पर ध्यान देने वाले उनके लाभ, वृद्धि, मूल्यांकन जैसी बातों को अच्छी तरह से जानते हैं। यह सब जानना-समझना ही कई साल के निवेश में सही नतीजे देता है। यह बातें किसी एक दिन का नंबर तय नहीं करतीं। स्क्रीन पर नजर आने वाले नंबर मौजूदा दामों पर होने वाली सप्लाई और डिमांड के आधार पर तय होते हैं। डिमांड ज्यादा होने पर दाम तब तक ऊपर जाते हैं जब तक दोनों एक ही स्तर पर नहीं आ जाते। यही माइक्रो-इकोनमिक्स की सबसे बुनियादी बात है। शेयर मार्केट एक शानदार प्रयोगशाला है जिसमें इसी का अध्ययन होता है।

शेयर मार्केट में बदलाव अचानक क्यों होते हैं

असल अर्थव्यवस्था में सप्लाई-डिमांड और धन की सप्लाई में मायने रखने वाला बदलाव कई महीनों या वर्षों में आता है। शेयर मार्केट में यह कुछ ही दिनों, घंटों या मिनटों और सेकेंडों में हो जाता है। बुनियादी कारकों के आधार पर चलने वाले निवेशक जिन बातों पर भरोसा करते हैं वो

केंद्र में बनी रहती हैं, मगर शार्ट-टर्म के बदलावों का चक्र अलग होता है।

आखिर इन शार्ट-टर्म बदलावों को क्या ड्राइव करता है कभी आप टीवी पर कोई बिजनेस चैनल खोलें तो पाएंगे कि हाल ही के किसी आकंड़े या घटना का कारण बताया जाएगा। इसमें, तेल के दाम, ब्याज दर, राजनीतिक घटनाएं या कुछ भी हो सकता है।

बाजार कैसे अपनी दिशा बदलता है

असल में ज्यादातर को इन बदलावों के कारण और तर्क पता नहीं होते। सच तो ये है कि इनका पता नहीं लगाया जा सकता। जो कारण आपको मीडिया और सोशल मीडिया से पता चलते हैं, वो घटना के बाद की ईजाद होते हैं। जो स्टाक में निवेश करते हैं उनके पास दूसरी कई तरह की जानकारियों पर आधारित विश्लेषण होते हैं, जो इससे भी विस्तृत होते हैं। आप कैसे अनुमान लगाएंगे कि मार्केट ऊंचाई पर हैं या नीचे। अनुमान पर आधारित आंकड़े या मान्यताओं पर बने नियमों को यह कह कर प्रमोट किया जाता है कि मार्केट इतना ऊंचा है कि वो अब जल्द ही गिरने वाला है या फिर इतने नीचे है कि अब बढ़ना शुरू हो जाएगा। मिसाल के तौर पर- रिकार्ड हाई वैल्युएशन, इक्विटी में बड़ी संख्या में नए निवेशकों का आना, इक्विटी मार्केट में वाल्यूम का ज्यादा होना और इसी तरह की दूसरी स्थितियां मार्केट के शीर्ष पर होने के संकेत माने जाते हैं। मार्केट का नीचे होना इन सब बातों का उलटा होना होता है। आपको क्या लगता है कि ये संकेत काम आते हैं। काम आने से मतलब है कि इन संकेतों से आप जान सकें कि मार्केट अपनी दिशा बदलेगा।

एसआईपी से मार्केट क्रैश की चिंता नहीं

सच तो ये है कि आप ऐसा नहीं कर सकते। जैसे टीवी एंकर हर रोज के बदलावों के कारण बताते हैं, वैसे ही ये भी बाद में दिए गए स्पष्टीकरण हैं। हालांकि अपवाद हमेशा ही होते हैं। सही होगा, अगर आप मार्केट की चाल को लेकर अपने (या दूसरों के) विश्वास के आधार पर कभी निवेश न करें। निवेशकों को अपना निवेश, भविष्य के अनुमान पर न करके इन्वेस्टमेंट की क्वालिटी पर, और उस दाम पर करना चाहिए, जो सही आंतरिक कारकों पर आधारित हो। म्यूचुअल फंड इन्वेस्टर्स के लिए समस्या से निबटना और भी आसान है। उन्हें दो या तीन इक्विटी फंड चुनने चाहिए, जिनका लंबे अर्से का अच्छा रिकार्ड हो। उन्हें अपना निवेश एसआइपी के जरिये किस्तों में करना चाहिए और मार्केट क्रैश की चिंता नहीं करनी चाहिए।

एक बार शूटिंग के दौरान ऊंट ने सर पर मार दी थी लात, अमिताभ ने खुद किया घटना का खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने शूटिंग से जुड़े एक पुराने अनुभव के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि एक्शन फिल्म एकलव्यः द रॉयल गार्ड की शूटिंग के दौरान उन्हें ऊंटों के झुंड में कूदना पड़ा था। अमिताभ ने उस दिन को याद करते हुए कहा कि लगभग 30-40 ऊंट दौड़ रहे थे और उनमें से एक ने उनके सिर पर लात मार दी थी। अमिताभ बच्चन ने इस घटना का जिक्र अपने क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर किया। पंजाब के जालंधर के एक पशु चिकित्सक डॉ रोहित गुप्ता हॉटसीट पर बैठे थे, तो उन्होंने बिग बी को अपने जानवरों के बारे में अपने ज्ञान से प्रभावित किया था। उन्होंने गाय की आवाज के मॉड्यूलेशन पर शोध किया है और ऊंटनी के दूध के लाभों के बारे में भी बताया। बिग बी ने उनकी बातें सुनने के बाद, एक फिल्म के लिए ऊंटों के साथ शूटिंग का अपना अनुभव साझा किया और बताया कि कैसे वे शूट के दौरान घायल हो गए थे, हालांकि फिल्म के सेट पर किसी ने भी उन पर यकीन नहीं किया और उन्हें लगा कि वे सिर्फ अभिनय कर रहे हैं। बाद में, कंटेस्टेंट ने अमिताभ बच्चन से कहा कि उनकी पत्नी उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और वे उन्हें केबीसी के सेट पर देखने के लिए उत्साहित थीं। उन्होंने कहा मेरी पत्नी चाहती थी कि मैं हॉटसीट पर देरी से बैठूं और जब मैंने पूछा क्यों, तो उन्होंने कहा कि वे अमिताभ बच्चन को और ज्यादा समय तक देखना चाहती हैं। उन्होंने हॉटसीट पर आने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, मैं केबीसी पर आने से बड़े अनुभव की कल्पना नहीं कर सकता। मुझे ऐसा लगा कि जैसे मैं सातवें आसमान पर हूं। यह अद्भुत था। मैं इस पल को कभी नहीं भूलूंगा। केबीसी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

'यूं ही कोई बेवफा नहीं होता': शैलेष लोढा

- टीवी सीरियल तारक मेहता छोड़ने को लेकर कहा

मुंबई (ईएमएस)। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में काम कर चुके कवि महोदय शैलेश लोढ़ा ने इस साल शो छोड़ने का फैसला किया और इसने कई प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया। निमार्ताओं ने अब सचिन श्रॉफ को नए तारक मेहता के रूप में पेश किया है, लेकिन प्रशंसक अभी भी जानना चाहते हैं कि शैलेश लोढ़ा ने शो क्यों छोड़ा था। उन्हें अब तक इसका सीधा-सीधा जवाब नहीं मिला है। शैलेश के शो छोड़ने के बाद से ही मेकर्स और एक्टर इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। शैलेश को शो छोड़े हुए अब कुछ महीने हो गए हैं, ऐसा लगता है कि प्रशंसकों को उनका जवाब शैलेश लोढ़ा की सिद्धार्थ कानन के साथ बातचीत से मिल सकता है। शैलेश ने सैकड़ों भारतीयों के दिलों को छू लेने वाले शो को छोड़ने पर अपनी तकलीफ जाहिर की है। शैलेश ने अपनी निराशा जाहिर करने के लिए मशहूर कवि बशीर बद्र का हवाला देते हुए कहा, कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता। उन्होंने इस बारे में ज्यादा कुछ बताए बिना कहा, भारतीय काफी इमोशनल होते हैं। मैं खुद को सेंटिमेंटल फूल कहता हूं। जब आप 14 साल से कोई चीज कर रहे हैं तो जुड़ाव होना स्वाभाविक है। मैं अधीर आदमी हूं, लेकिन शो ने मुझे धैर्य करना सिखाया। ऐसा नहीं है कि मैं यह नहीं बताऊंगा कि मैंने शो क्यों छोड़ा। मैं कहूंगा, लेकिन सही समय पर। बता दें कि तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल सबसे लंबे समय तक चलने वाला टीवी सीरियल है। यह शो साल 2008 में शुरू हुआ था और अब तक चैनल इसके तीन हजार से अधिक एपिसोड प्रसारित कर चुका है। एक दशक से अधिक के सफर में, सब टीवी शो ने कई अभिनेताओं को घर-घर में पहचान दिलाई।

'विवाह' में शाहिद ने पगड़ी फेंक दी थी उतार कर

-दिलचस्प किस्से का अब जाकर हुआ खुलासा

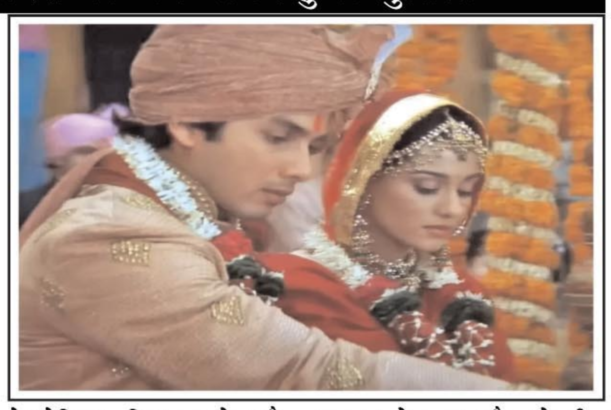

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर शाहिद कपूर की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक विवाह फिल्म को रिलीज हुए तो सालों हो गए हैं, लेकिन इससे जुड़े एक दिलचस्प किस्से का अब जाकर खुलासा हुआ है। विवाह से जुड़ा यह खुलासा सूरज बड़जात्या ने किया है, जो शाहिद कपूर और पगड़ी से जुड़ा है। सूरज बड़जात्या ने हाल ही में विवाह और शाहिद कपूर से जुड़े कुछ खुलासे किए। उन्होंने बताया कि कैसे शाहिद कपूर ने एक अरेंज मैरिज में निभाए जाने वाली कई रीति-रिवाजों को लेकर नाराजगी व्यक्त की थी। विवाह से जुड़ी कुछ मजेदार यादें शेयर करते हुए फिल्ममेकर ने बताया कि वह आज भी शाहिद कपूर को चिढ़ाते हैं कि कैसे जब वह विवाह की शूटिंग कर रहे थे, उन्हें अरेंज मैरिज के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सूरज बड़जात्या ने उस सीन के बारे में भी बताया, जिसमें शाहिद के किरदार प्रेम को अमृता राव के किरदार पूनम से मिलने जाना था। इस सीन के लिए उन्होंने कुछ और ही कपड़े डिसाइड किए थे, लेकिन शाहिद एक कोट और जींस पहनकर आ गए। निर्देशक ने फिल्म के वेडिंग सीन का भी जिक्र किया, जिसमें शाहिद कपूर को पगड़ी पहनना था। लेकिन, अभिनेता इस फैसले से खुश नहीं थे। जब शाहिद को बताया गया कि उन्हें वेडिंग सीन के लिए ये पगड़ी पहननी है तो वह काफी निराश हो गए।हालांकि, बाद में मीरा राजपूत के साथ शादी में शाहिद कपूर ने बिना किसी सवाल के यह रिवाज पूरा किया और पगड़ी पहनी। विवाह की बात करें तो इस फिल्म में शाहिद कपूर, अमृता राव के अलावा समीर सोनी, अमृता प्रकाश, अमेय पांडे,मनोज जोशी, लता सबेरवाल और मोहनीश बहल भी थे। 2006 में आई फिल्म सुपरहिट साबित हुई और फिल्म के गाने तो आज भी लोगों की जुबां पर रहते हैं। मालूम हो कि विवाह शाहिद कपूर की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक है। राजश्री प्रोडक्शन्स की यह सुपरहिट फिल्म एक फैमिली ड्रामा थी, जिसमें शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी नजर आई थी। फिल्म को दर्शकों के बीच खूब पसंद किया गया। अनुपम खेर, सीमा बिस्वास और आलोक नाथ जैसे सितारे भी महत्वपूर्ण किरदार में थे। फिल्म 2006 में रिलीज हुई थी।

फिटनेस के कारण परांठे नहीं खाती कैटरीना

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने बताया कि कैसे उनकी सास अक्सर उन्हें परांठे खाने के लिए मजबूर करती हैं, लेकिन उन्हें डाइटिंग के कारण इनकार करना पड़ता है। 'द कपिल शर्मा शो' पर कैटरीना से पूछा कि क्या शादी के बाद उनकी डाइट में बदलाव आया है, खासकर पंजाबी परिवार का हिस्सा होने के कारण। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अक्सर भारी आहार लेने के लिए कहा जाता था लेकिन उन्होंने अपनी फिटनेस व्यवस्था के कारण मना कर दिया। उन्होंने कहा, शुरूआत में मम्मी जी मुझसे परांठे खाने के लिए बहुत आग्रह करती थीं और चूंकि मैं डाइट पर हूं, इसलिए मैं इसे नहीं खा सकती थी, इसलिए मैं बस एक काट लेती थी, और अब जबकि हमने अपनी शादी को लगभग एक साल पूरा कर लिया है, मम्मी जी अब मेरे लिए शकरकंद बनाती हैं।"

हनीमून मनाने मालदीव पहुंची पायल

शादी के कुछ महीनों बाद एक्ट्रेस पायल रोहतगी और संग्राम सिंह हनीमून मनाने मालदीव पहुंच गए हैं, जहां से एक्ट्रेस ने पति संग अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। पायल का ये अवतार उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वहीं हाल ही में शेयर किए गए वीडियो में एक्ट्रेस अपने पति के पैर दबाती हुई नजर आ रही हैं। पायल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरे शेयर की हैं, जिसमें वह ग्रीन आउटफिट में बेहद स्टाइलिश दिख रही हैं। समंदर किनारे कपल का बेहद दिलकश अंदाज देखने को मिल रहा है। इस दौरान पायल ग्रीन शॉर्ट्स, चेहरे पर चश्मा लगाए और बालों पर कैप पहने काफी स्टनिंग दिख रही है। वहीं संग्राम भी इस दौरान शॉर्ट्स में दिख रहे हैं। मालूम हो कि पायल रोहतगी को शादी से पहले कंगना रनौत के रियलिटी शो 'लॉकअप' में देखा गया था। लॉकअप में पायल ने अपनी अपीयरेंस को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

दीपावली समारोह में गर्लफ्रेंड लिन लैशराम के साथ दिए जलाते दिखे रणदीप हुड्डा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा अपने निजी जीवन को लेकर बहुत खुलते नहीं हैं, लेकिन इस बीच उनकी एक इंस्टाग्राम पोस्ट की चर्चा हो रही है, जिसमें वह अपने परिवार के साथ दीपक जलाते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैमिली के साथ दीपावली सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपनी गर्लफ्रेंड लिन लैशराम के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों की ये तस्वीरें देखने के बाद सोशल मीडिया पर उनके रिलेशनशिप की चर्चा शुरू हो गई है। लोगों का कहना है कि तस्वीरें शेयर कर एक्टर ने अपनी रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया है। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए रणदीप हुड्डा ने कैप्शन में लिखा- दुनिया भर में प्यार और रोशनी। इन तस्वीरों में अभिनेता रणदीप हुडाडा अपनी गर्लफ्रेंड के साथ हाथों में दिया लिए नजर आ रहे हैं जबकि अन्य तस्वीरों में वह अपने मम्मी-पापा के साथ पोज दे रहे हैं। रणदीप हुड्डा सन 2016 से लिन को डेट कर रहे हैं। दोनों की मुलाकात 2018 में स्टेडियम में हुई थी, जिसके बाद से उनके अफेयर की चर्चा होने लगी और अब एक्टर की इस पोस्ट ने दोनों के रिलेशनशिप की खबरों को हवा मिल गई।

सुनक की बायोपिक बनाने की उठी मांग

ब्रिटेन के नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को लेकर भारत में गजब का उत्साह है। ऋषि भारतीय मूल के हैं, हिंदू हैं और इसके साथ ही वह मशहूर कारोबारी और इंफोसिस के को-फाउन्डर नारायण मूर्ति के दामाद हैं। नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता उनकी पत्नी हैं। ऋषि को लेकर सिर्फ आम ही नहीं, बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के बीच भी खासा उत्साह है। कई स्टार्स ऋषि को अपने-अपने अंदाज में ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने की बधाई दे रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया यूजर्स ने ऋषि की बायोपिक की चर्चा शुरू कर दी है और ऋषि की भूमिका निभाने के लिए एक्टर्स के बारे में सलाह भी देने लगे हैं। लोगों की क्रिएटिविटी सामने आ रही है और कई मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस समय सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की फिल्म ह्यनमस्ते लंदनह्ल का एक क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें एक्टर भारत की सभ्यता के बारे में बताते नजर आ रहे हैं। यूजर्स इसे ऋषि सुनक की बायोपिक के लिए अक्षय कुमार का ऑडिशन बताते हुए मजे ले रहें और ऋषि की बायोपिक के लिए अक्षय को सटीक अभिनेता बता रहे हैं। अक्षय कुमार ही नहीं, कई सोशल मीडिया यूजर्स ने जिम सरभ को ऋषि सुनक की भूमिका के लिए बेस्ट एक्टर बताया है। वहीं, कई लोग तो ऋषि सुनक के बायोपिक के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा के नाम का सुझाव दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने क्रिकेटर आशीष नेहरा को भी कास्ट करने का सुझाव दिया है।

बोमन ईरानी ने मुंबई कला मेले का उद्घाटन किया और कलाकारों को उनकी ईमानदारी, सादगी और समर्थन से अभिभूत किया!

मुम्बई (ईएमएस)। प्रसिद्ध अभिनेता, फोटोग्राफर और गायक बोमन ईरानी ने मुंबई कला मेला उद्घाटन किया। दो साल की महामारी के बाद मुंबई कला मेला ने शानदार वापसी की, सस्ती कला को जनता तक वापस लाने और कलाकारों के लिए व्यावसायिक आय उत्पन्न करने के लिए लौट आया हैं मुम्बई कला महोत्सव। नेहरू केंद्र में 650 से अधिक कलाकारों ने 3500 से अधिक विविध कार्यों का प्रदर्शन किया। मुंबई कला मेला विशेष रूप से स्वतंत्र कलाकारों के लिए डिजाइन किया गया है जो मेट्रो शहरों में अपनी कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए किफायती विकल्पों की तलाश करते हैं और व्यापक कला दर्शकों और संभावित कला खरीदारों तक पहुंचते हैं। विभिन्न माध्यमों जैसे तेल, एक्रेलिक, वाटर कलर, पेस्टल, चारकोल के साथ पत्थर, धातु में मूर्तियों के साथ 3500 से अधिक पेंटिंग, और 650 से अधिक कलाकारों द्वारा तस्वीरें, जिनमें से 350 मौजूद थे, उनमें से कुछ युवा, आगामी, मध्य-कैरियर के रूप में मुंबई कला मेले के इस संस्करण में प्रस्तुति के लिए स्थापित लोगों का चयन किया गया है। परिदृश्य, सार, आलंकारिक कला और आध्यात्मिक चित्रों, ग्रामीण और देहाती दृश्यों, शहर के दृश्यों और असंख्य शैलियों में विभिन्न विषयों पर चित्रों के विविध मिश्रण और कई नरम, उज्ज्वल और देहाती रंग एमएएफ में भूतल पर प्रदर्शित होते हैं। जो 28 से 30 अक्टूबर 2022 तक भारत भवन ,नेहरू केंद्र में देखे जाएंगे। मुंबई कला मेला (एमएएफ) न केवल अनुभवी खरीदारों के

लिए, बल्कि नवोदित कला प्रेमियों के लिए बहुत ही किफायती बजट में विभिन्न प्रकार के 'कला विकल्प' ला रहा है। भारत में कला परिदृश्य धीरे-धीरे बदल रहा है और कला अब केवल उच्च श्रेणी के कॉर्पोरेट और कला संग्रहकताओं के लिए आरक्षित नहीं है, बल्कि आज के नए सहस्त्राब्दी ने भी अपने रहने की जगहों के आसपास प्रेरक और सुखदायक माहौल बनाने के लिए कलाकृतियों की तलाश के लिए कला प्रदर्शनियों का दौरा करना शुरू कर दिया है। इस वर्ष एमएएफ ने विभिन्न विषयों में काम करने वाले नियमित प्रतिभागियों के बीच कई नए चेहरों द्वारा विविध भागीदारी को आकर्षित किया। इस वर्ष कला मेला सर्किट में नियमित नाम जैसे सैयद जुबेर बेकर, निशि शर्मा, अंजलि प्रभाकर, अंतरा श्रीवास्तव, नियति अमलानी, नेहा ठाकरे, विनीत कौर, बीना सुराणा, जलपा पटेल, विशाल सब्ले, आर सोलोमन, एस विनीतकुमार, श्रीपर्णा सिन्हा, सौमेन कर, ओम ताड़कर, नैशिता रेड्डी, अल्पा मिस्त्री, रजिता, मनोज स्वैन, राहत काजमी, प्रकाश बाल जोशी, पृथ्वी सोनी और अन्य अपने विविध रचनात्मक उत्पादन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, जो सौंदर्य सामग्री से भरपूर हैं।

सूडोकु नवताल- 6237

★★★★☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6236 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्दजाल - 6984

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द जाल में 10 जंगली जानवरों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

शेर, लोमड़ी, सियार, भालू, खरगोश, अजगर, चीता, तेंदुआ, हिरण, नीलगाय

शब्दजाल - 6983 का हल

श	रा	ज	मी	दा	र	तू	ग	झ	क	कि
सू	ल	दा	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	रा
बे	पु	वे	मु	दा	ल	सिं	बे	ला	ल	ये
दा	दा	दा	धो	हा	क	प	हा	दा	र	दा
र	श	र	ष	उ	व	री	ग	स	र	र
रं	रि	प	व	दा	त	रे	ती	प	न	ती
गा	ल	ख	अं	र	म	प	दा	ला	व	क
बा	जी	वा	री	क	छ	सौ	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	द	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	दा	ऐ	बें	न	रु	थो
कां	टे	दा	र	ग	कु	र	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्ट्योग-5937

	2	4			5	3
7	26		31	2	36	4
	5	1			7	
6	32		29		37	6
2	3		4	1		
	34	3	36	5	32	
	5	7			2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5936 का हल

5	6	2	4	1	7	3
7	35	3	31	5	27	1
4	1	7	6	3	5	2
3	31	6	40	2	30	7
2	3	5	7	4	1	6
1	27	4	37	6	35	5
6	5	1	3	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

कोहली-रोहित और पंड्या इतिहास रच सकते हैं: विराट टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन और हिटमैन 500 सिक्स के करीब

पर्थ।

टी-20 वर्ल्ड कप सुपर-12 में शुरुआती दो मैच जीतकर शानदार शुरुआत करने वाली टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के साथ भिड़ेगी। इस मैच में भारतीय खिलाड़ी 5 बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। विराट कोहली टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के साथ दो और रिकॉर्ड दर्ज कर सकते हैं, तो कप्तान रोहित शर्मा इंटरनेशनल क्रिकेट में 500 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन सकते हैं।

इनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंटरनेशनल क्रिकेट में 3000 रन पूरा कर सकते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ दो हाफ सेंचुरी जड़ चुके विराट टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में श्रीलंका के महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ सकते हैं। वह अभी 28 रन पीछे हैं। विराट ने टी-20 वर्ल्ड कप के 23 मैचों करीब 90 की औसत से 989 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 132.04 का है। वहीं, महेला जयवर्धने ने 31 मैचों में 39.07 की औसत से 1016 रन बनाए हैं। विराट से पीछे क्रिस गेल हैं। वह 33 मैचों में 34.46 की औसत से 965 रन बनाए हैं। वहीं रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। वह 35 मैचों में 37.66 की औसत से 904 रन बनाए हैं।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर सकते हैं। अगर रोहित का बल्ला साउथ अफ्रीका के खिलाफ चला और वे 5 छक्के जड़ने में सफल हो जाते हैं तो वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 500 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे आगे वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल हैं। गेल ने 483 मैचों में 553 छक्के लगाए हैं। वहीं, रोहित के अभी 422 मैचों में 495 सिक्स है। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 49 कैच लपके हैं। अगर मुकाबले में विराट एक कैच लपकते हैं तो उनके 50 कैच पूरे हो जाएंगे और वह ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय होंगे। विराट से ज्यादा भारत के लिए रोहित ने शर्मा ने 144 मैच में 57 कैच पकड़े हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ अगर हार्दिक पंड्या 53 रन की पारी खेलते हैं इंटरनेशनल क्रिकेट में 3000 रन पूरा कर लेंगे। वह ऐसा करने वाले वे 40वें भारतीय बल्लेबाज होंगे। अभी उन्होंने 152 मैचों में 2947 रन बनाए हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में शूटआउट में हराया, तीसरी बार जीता खिताब

क्वालालंपुर। भारत ने सुल्तान जोहोर कप का खिताब जीत लिया है। फाइनल में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। सुल्तान जोहोर कप में अंडर-21 की टीमें हिस्सा लेती हैं। यह भारत का तीसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 2013 और 2014 में यह टूर्नामेंट जीता था। इस जीत के साथ ही भारत की जूनियर टीम ने इसी साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार का भी बदला ले लिया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के पुरुष हॉकी के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7-0 से हराया था। भारतीय सीनियर टीम के सदस्य ललित उपाध्याय ने जोहोर कप जीतने पर टीम इंडिया को बधाई भी दी है। उन्होंने ट्विटर पर बधाई दी। फुल टाइम के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 1-1 की बराबरी पर था। टीम इंडिया ने पहले क्वार्टर में ही बढ़त बना ली थी। चिरमाको सुदीप ने बेहतरीन फील्ड गोल किया। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में होलैंड ने भारतीय रक्षापंति को भेदते हुए गोल दागा और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अगले 30 मिनट तक दोनों टीमों ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। इस तरह यह मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। पेनल्टी शूटआउट में विष्णुकांत सिंह भारत के लिए पहला शॉट लेने आए और उन्होंने गोल दाग टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दोनों टीमों के कुछ स्टार शॉट मिस कर गए। इनमें भारत के स्टार बॉबी धामी सिंह भी शामिल हैं। पहले पांच शॉट्स के बाद दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर थीं। इसके बाद मैच सडन डेथ में चला गया। चिरमाको सुदीप ने भारत के लिए स्कोर किया और स्कोर 4-3 हो गया।

भाष्कर भट्ट के बाद अब उत्तराखंड के सुंदर गढ़िया भी बने भारतीय महिला बाक्सिंग टीम के कोच-लवलीना भी लेंगी कोचिंग

बागेश्वर। बॉक्सर सुंदर सिंह गढ़िया ने एक बार फिर जिले के खिलाड़ियों को गौरवांवित किया है। वह भारतीय महिला सीनियर बाक्सिंग सहायक कोच बनाए गए हैं। उनकी यह उपलब्धि उत्तराखंड के लिए बहुत बड़ी मानी जा रही है। कपकोट तहसील तोली गांव निवासी सुंदर गढ़िया ने बताया कि 31 अक्टूबर से जार्डन के अमन शहर में एशियन बाक्सिंग चैंपियनशिपन होगी। इसके लिए दिल्ली से टीम रवाना हो गई है। टीम की खास बात यह है कि इसमें मुख्य कोच और सहायक कोच दोनों ही उत्तराखंडी हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच पिथौरागढ़ निवासी चीफ कोच भाष्कर भट्ट हैं। वहीं, सहायक कोच के रूप में बागेश्वर के कपकोट तहसील के तोली गांव के सुंदर गढ़िया रहेंगे। इससे पहले गढ़िया जूनियर महिला बाक्सिंग टीम के कोच रह चुके हैं। गढ़िया 2017 से भारतीय महिला टीम के साथ सहायक कोच के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस 12 सदस्यीय टीम में ओलंपिक ब्रांज पदक विजेता खिलाड़ी लवलीना भी हैं। सुंदर गढ़िया वर्ष 2017 से भारतीय महिला बॉक्सिंग टीम के कोचिंग स्टाफ से जुड़े हैं। वह जूनियर महिला बॉक्सिंग टीम के सहायक कोच की भूमिका निभा चुके हैं। जॉर्डन रवाना होने से पूर्व कोच गढ़िया ने बताया कि एशियन चैंपियनशिप के लिए टीम ने पटियाला में आयोजित शिविर में खूब अभ्यास किया है। खिलाड़ियों की कमजोरियों को दूर करने पर काफी कार्य किया गया है। प्रतियोगिता में टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी।

पंजाब पुलिस का मुकाबला भारतीय रेलवे की टीम के साथ

जालंधर। सुरजीत हाकी प्रतियोगिता का रोमांच बढ़ता जा रहा है। एएससी बेंगलुरु ने नौसेना, पीएनबी ने आर्मी इलेवन व इंडियन आयल ने एयर फोर्स को हराकर आगे जगह बना ली। रविवार को दो मैच होने हैं। पहला- पंजाब एंड सिंध बैंक बनाम पंजाब नेशनल बैंक शाम 4 बजे से होगा। दूसरा मैच पंजाब पुलिस बनाम भारतीय रेलवे से होगा। इससे पहले, इंडियन आयल सर्वो सुरजीत हाकी टूर्नामेंट के तीन मैच खेले गए। पहले मैच में इंडियन आर्मी सर्विसेस (एएससी) बेंगलुरु ने इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) को 3-1 गोल से हराकर मैच जीत लिया। बेंगलुरु के खिलाड़ी रवनीत सिंह ने दूसरे मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर 1-0 गोल से बढ़त हासिल कर ली। इसी टीम के खिलाड़ी गौथम कुमार ने 22वें मिनट में मैदानी गोल करके गोल स्कोर 2-0 पहुंचा दिया। बेंगलुरु टीम के कप्तान गुरप्रीत सिंह ने 35वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर गोल स्कोर 3-0 पहुंचा दिया। इंडियन नेवी के खिलाड़ी कुलदीप ने 36वें मिनट में मैदानी गोल कर गोल स्कोर 3-1 कर दिया।

पाकिस्तान की वर्ल्ड कप में पहली जीत

नीदरलैंड को 6 विकेट से हराया सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

पर्थ।

2009 की चैंपियन पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत दर्ज की है। उसने नीदरलैंड को 6 विकेट से हराया। इस जीत से टीम ने अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम रखी हैं। लेकिन, कप्तान बाबर आजम की फार्म टीम के लिए अब भी चिंता का विषय हैं। वे नीदरलैंड के खिलाफ महज 4 रन बना सके। पूरे टूर्नामेंट की बात करें तो बाबर के बल्ले से 8 रन ही निकले हैं। पर्थ की बाउंसी और तेज पिच पर पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने अपना जलवा दिखाया और पहले खेलने उतरी नीदरलैंड की टीम को महज 91 रन पर रोक लिया। लेकिन, अपनी गेंदबाजी के लिए जानी जाने वाली पाक टीम नीदरलैंड को ऑलआउट नहीं कर सकी ।92 रन के लक्ष्य को भी चेज करने में पाकिस्तानी बल्लेबाजों को 13 ओवर लग गए। इतना ही नहीं उसने चार विकेट भी गंवा दिए। मोहम्मद रिजवान ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। लेकिन, अपना 23वां अर्धशतक जमाने से चूक गए।

पाकिस्तान की पारी में कौन-कैसे आउट हुए

बाबर आजम मार्वे के डायरेक्ट हिट पर रन आउट हुए। वे 4 रन ही बना सके थे। फखर जमान (20) को ग्लोवर ने कप्तान एडवर्ड्स के हाथ कैच कराया। वैन मीकेरेन की गेंद इनसाइड एज लेकर विकेट के पीछे पहुंची। जहां एडवर्ड्स ने डाइव लगाकर कैच किया। एकरमैन के अलावा कोई डबल डिजिट में नहीं आया पाक गेंदबाजों का दबदबा ऐसा रहा कि एकरमैन के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज डबल डिजिट में नहीं पहुंच सका।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

नीदरलैंड: स्टीफन मायबर्ग, मैक्स ओडॉड, बास डी लीड, टॉम कूपर, कॉलिन एकरमैन, स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान और विकेटकीपर), रूलोफ वैन डेर मेर्वे, टिम प्रिंगल, फ्रेड क्लासेन, पॉल वैन मीकेरेन, ब्रैडन ग्लोवर।

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), शान मसूद, फखर जमान, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रउफ।

पाकिस्तान के हौसले पस्त - गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने माना था कि उनकी टीम तीनों ही डिपार्टमेंट्स में कमजोर साबित हुई है। बाबर ने यह भी माना कि उनका अब सेमीफाइनल में पहुंचना बहुत मुश्किल है। हालांकि, उन्होंने वापसी का भरोसा भी जताया। पाकिस्तान के पास शाहीन शाह आफरीदी, नसीम शाह और शादाब खान जैसे बेहतरीन बॉलर्स हैं। बाबर और मोहम्मद रिजवान की ओपनिंग पेयर को दुनिया में सबसे बेहतरीन माना जाता है। हालांकि, इस टूर्नामेंट में अब तक उनका फ्लॉप शो रहा। भारत के खिलाफ तो बाबर खाता तक नहीं खोल सके थे।

नीदरलैंड के पास खोने को कुछ नहीं - नीदरलैंड के पास बतौर टीम छाप छोड़ने का अच्छा मौका है। गुरुवार को भारत ने उन्हें करीब-करीब एकतरफा हराया था। नीदरलैंड के पास बैलेंस्ड बॉलिंग अटैक है, लेकिन बैटिंग में टॉप ऑर्डर क्लिक नहीं कर रहा और यही उनके लिए मुसीबत का सबब है। इस टूर्नामेंट की सबसे फील्डिंग साइड उनके पास है। एक और बात यह है कि नीदरलैंड के पास खोने को कुछ नहीं है। इसलिए अगर वो यूनिट के तौर पर परफॉर्म कर गए तो पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ जाएंगी और उम्मीदें खत्म हो जाएंगी।

पिच और मौसम का मिजाज - इस मैच में बारिश खलल डाल सकती है। वेदर फोरकास्ट के मुताबिक, बारिश की आशंका 30प्रतिशत है। हवा की रफ्तार भी करीब 35 किलोमीटर प्रतिघंटा रहेगी। हालांकि, देर शाम यह कम हो सकती है। पर्थ का विकेट ऑस्ट्रेलिया का सबसे तेज और बाउंसी माना जाता है। इस विकेट पर हल्की घास भी है। पाकिस्तान के पेस अटैक को यह विकेट रास आएगा, क्योंकि यह उनकी ताकत है। नीदरलैंड के पास भी अच्छा पेस अटैक है और उस पर पाकिस्तान की कमजोर बैटिंग उनके फेवर में जा सकती है।

बांग्लादेश-जिम्बाब्वे में भारत-पाकिस्तान वाला रोमांच

मैच खत्म, टीमें डगआउट में और नो बॉल, जिम्बाब्वे फिर भी हारी

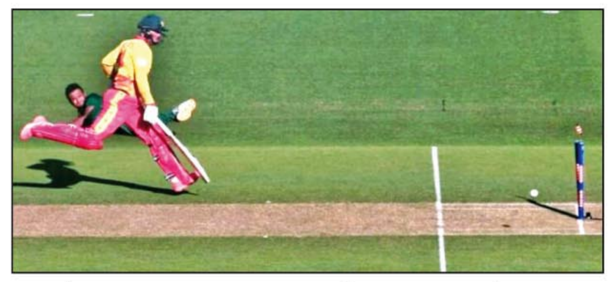

पर्थ।

जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच रविवार को हुए मैच में एकदम भारत-पाकिस्तान जैसा रोमांच दिखा। जिम्बाब्वे को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे। 11 बना भी लिए, लेकिन आखिरी दो गेंदों पर दो विकेट गिरे और जिम्बाब्वे हार गई। दोनों टीमें डगआउट में चली गईं, लेकिन रोमांच यहीं खत्म नहीं हुआ था। थर्ड अंपायर ने आखिरी गेंद को नो बॉल करार दिया, क्योंकि बांग्लादेश के विकेटकीपर नूरुल हसन ने विकेट के आगे से गेंद पकड़ी और जिम्बाब्वे के बैट्समैन को स्टंप किया। इसके चलते जो, बल्लेबाज आउट करार दिए गए थे, वे वापस आ गए। लेकिन, किस्मत का इतना साथ मिलने के बावजूद जिम्बाब्वे हार गई। मोसदैक ने आखिरी गेंद भी खाली करा दी और कोई रन नहीं दिया। जिम्बाब्वे 3 रन से हारी। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 150 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम आठ विकेट पर 147 रन ही बना सकी। बांग्लादेश की ओर से नजमुल हुसैन शान्तो (71) ने अर्धशतक जमाया। जबकि अफीफ हुसैन ने 29, शाकिब अल हसन ने 23 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में मुजरबानी और नागरवा को 2-2 विकेट मिले। विलियम्स-सिकंदर को एक-एक विकेट मिले। जिम्बाब्वे की ओर से सीन विलियम्स ने 71 रनों की पारी खेली। लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। तस्कीन अहमद को तीसरा विकेट मिला। मुस्तैक और मुश्तफिजुर रहमान ने 2 विकेट लिए हैं। कैसे लड़खड़ाई जिम्बाब्वे की पारी मधेवेरे 4 रन बनाकर आउट हुए...पहले ओवर की तीसरी बॉल एज लेती हुई नुरुल के दस्तानों में पहुंच गई। तस्कीन को पहला विकेट मिला। तस्कीन ने अपने अगले ही ओवर में कप्तान क्रेग एर्विन (8) को विकेट के पीछे नुरुल के हाथ कैच कराया। 6वें ओवर में मुश्ताफिजुर ने शुम्बा (8) को शाकिब के हाथ कैच कराया। इसी ओवर की 5वीं बॉल में मुश्ताफिजुर ने सिकंदर रजा (0) को चलता कर दिया। सिकंदर पुल करना चाहते थे। लेकिन स्क्वैयर लेग में अफीफ के हाथ पकड़े गए। तस्कीन की गेंद रेजिस चकाबवा (15) के बल्ले का एज लेकर नुरुल के पास चली गई।

कोलकाता में एटीके मोहन बागान की धमाकेदार जीत, चिर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल को लगातार पांचवीं बार रौंदा

कोलकाता।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एक बड़ा मुकाबला कोलकाता के सॉल्टलेक स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में दो चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें एटीके मोहन बागान और ईस्ट बंगाल आमने-सामने हुईं। 60 हजार से ज्यादा दर्शकों के सामने मोहन बागान क्लब ने ईस्ट बंगाल को 2-0 से रौंद दिया। यह मुकाबला कोलकाता डर्बी के नाम से मशहूर है। मोहन बागान की टीम ईस्ट बंगाल को लगातार पांचवीं बार हराने में सफल रही है। हाफटाइम तक दोनों टीमों ने गोल नहीं किया था। 56वें मिनट में ह्यूगो बौमस ने मैच का पहला गोल किया। उन्होंने बॉक्स के बाहर से गोल कर दिया। पहला गोल होने के बाद ईस्ट बंगाल के खिलाड़ियों के कंधे झुक गए। उन्होंने अपना आत्मविश्वास गंवा दिया। इसका फायदा मोहन बागान ने उठाया।

नौ मिनट बाद ही मनवीर सिंह ने दूसरा गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। कोलकाता में एटीके मोहन बागान की धमाकेदार जीत, चिर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल को लगातार पांचवीं बार रौंदा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एक बड़ा मुकाबला कोलकाता के सॉल्टलेक स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में दो चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें एटीके मोहन बागान और ईस्ट बंगाल आमने-सामने हुईं। 60 हजार से ज्यादा दर्शकों के सामने मोहन बागान क्लब ने ईस्ट बंगाल को 2-0 से रौंद दिया। यह मुकाबला कोलकाता डर्बी के नाम से मशहूर है। मोहन बागान की टीम ईस्ट बंगाल को लगातार पांचवीं बार हराने में सफल रही है। हाफटाइम तक दोनों टीमों ने गोल नहीं किया था। 56वें मिनट में ह्यूगो बौमस ने मैच का पहला गोल किया। उन्होंने बॉक्स के बाहर से गोल कर दिया। पहला गोल होने के बाद ईस्ट बंगाल के खिलाड़ियों के कंधे झुक गए। उन्होंने अपना आत्मविश्वास गंवा दिया। इसका फायदा मोहन बागान ने उठाया। नौ मिनट बाद ही मनवीर सिंह ने दूसरा गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

ईस्ट बंगाल के कोच स्टीफन कांस्टेनटाइन ने प्रेस कांफ्रेंस की शुरुआत प्रशंसकों को शानदार माहौल बनाने के लिए धन्यवाद देते हुए की। उन्होंने कहा, स्टेडियम में करीब 62 हजार फैंस थे। पिछले सीजन में बंद स्टेडियम में हुए मैच से यह अनुभव एक दम अलग था। हम प्रशंसकों को खुश करने के लिए खेलते हैं। देश के दो सबसे बड़े क्लब के बीच यह मैच खेला गया।

संन्यास के बाद कोकीन के आदी हो गए थे अकरम: अपकमिंग ऑटोबायोग्राफी सुल्तान-ए मेमिओर में वसीम ने किया खुलासा

कराची।

पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में अपनी कोकीन की लत का खुलासा किया है। उन्होंने माना कि उन्हें ड्रग्स लेने की लत थी। 56 साल के इस पूर्व गेंदबाज ने लिखा- कोकीन की लत के कारण मेरी पहली पत्नी के साथ भी संबंध खराब हो गए थे और मैं उनसे झूठ बोलने लगा था। कुछ ही दिनों में वसीम अकरम की सुल्तान- ए मेमिओर नाम की जीवनी प्रकाशित होनी वाली है। इस किताब में अकरम ने अपने क्रिकेटिंग करियर के साथ निजी जीवन पर भी लिखा है। उन्होंने लिखा- मैंने पहली बार इंग्लैंड में एक पार्टी के दौरान ड्रग्स ली थी। शुरुआत में मैंने कोकीन की एक लाइन खींची। फिर दो और तीन...बाद में कब ये एक ग्राम से दो में बदल गया... पता ही नहीं चला। अकरम लिखते हैं कि नशे की लत इस कदर हावी हो गई थी कि, एक समय मुझे ऐसा लगने लगा था कि मैं इसके बिना नहीं रह सकता, लेकिन मेरी पहली पत्नी हुमा की मौत ने सब कुछ बदल कर रख दिया और मैंने फैसला किया कि मैं दोबारा कोकीन का सेवन नहीं करूंगा। किताब के एक अंश में वसीम ने लिखा- मुझे पार्टी में जाना पसंद था। साउथ एशिया की संस्कृति ही ऐसी है कि, आप पार्टी में खींचे चले जाते हैं। यही कारण है कि इन पार्टियों ने मुझ पर असर डाला। मेरे प्रसिद्धि ही मेरे लिए खतरनाक साबित होने लगी थी।अकरम लिखते हैं- कोकीन ने मुझे अस्थिर बना दिया था। इसने मुझे धोखेबाज बना दिया था। हुमा इस दौरान काफी अकेली रहती थी। वह इंग्लैंड से कराची जाना चाहती थी। ताकि वह इन सबसे दूर अपने माता-पिता के रह सके, लेकिन मैं ये नहीं चाहता था। वसीम अकरम ने वनडे और टेस्ट में 900 से भी अधिक विकेट चटकाए हैं। वे पाकिस्तान क्रिकेट के सबसे महान गेंदबाजों में से एक हैं। वे क्रिकेट से संन्यास के बाद कमेंट्री करते हुए नजर आ जाते हैं। पूर्व दिग्गज गेंदबाज अकरम अब बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वे फिल्म मनी बैक गारंटी में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले साल 21 अप्रैल को पाकिस्तान में रिलीज होगी। पिछले हफ्ते इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है।

सूर्या 31 की उम्र में कैसे बने स्टार क्रिकेटर

पत्नी को मानते हैं असली कोच, 3 साल फिटनेस सुधारी फिर इंडिया खेल पाए

नई दिल्ली।

अंग्रेजी की एक कहावत है आकाश की कोई सीमा नहीं होती... इस कहावत का सबसे सटीक उदाहरण टीम इंडिया के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बने हैं। पिछले एक साल में अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले सूर्या आज की तारीख में दुनिया के सबसे बेहतरीन टी-20 बल्लेबाजों में शुमार होते हैं। उनके पास शॉट्स की ऐसी रेंज है कि उन्हें एबी डिविलियर्स के बाद क्रिकेट का नया मिस्टर 360 कहा रहा है। खास बात यह है कि सूर्या को शोहरत मिलने की शुरुआत उम्र के उस पड़ाव पर हुई जहां पहुंचने पर लोग अकसर यह पूछने लगते हैं कि रिटायर कब होगे

जी हां, सूर्या ने 31 साल की उम्र में टीम इंडिया के लिए अपना पहला मैच खेला और करीब 1 साल में भारतीय मिडिल ऑर्डर की रीढ़ बन गए। इस धाकड़ बल्लेबाज ने इस साल 25 मैच में 41.28 की औसत से 867 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 184.86 का रहा है। आखिर सूर्या ने यह सब कैसे हासिल किया यही जानेंगे इस स्टोरी में। पहले टी-20 इंटरनेशल क्रिकेट और टी-20 वर्ल्ड कप में सूर्या का रिकॉर्ड

12 साल पहले रणजी में डेब्यू किया था - सूर्यकुमार यादव ने 20 साल की उम्र में 2010 में रणजी में डेब्यू किया था। उस मैच में उनके साथ भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बल्लेबाजी कर रहे थे। इस मैच में सूर्या ने 73 रनों की पारी खेली और टॉप स्कोरर भी रहे। इसके बाद अगले ही साल 2011-12 के रणजी सीजन में 754 रन जड़कर मुंबई की टीम में अपनी जगह पक्की कर ली और इसके बाद लगातार घरेलू क्रिकेट में रन बनाते रहे।

शार्दूल ठाकुर से लड़े और कप्तानी छोड़ दी - घरेलू क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव की फिटनेस हमेशा सिर दर्द बनी रहती थी। 2014 में उनके साथी खिलाड़ी शार्दूल ठाकुर से

लड़ाई हुई थी और अनुशासनहीनता की रिपोर्ट्स आने के बाद उन्होंने 2015 में अचानक घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी छोड़ दी की।

साथ खेले सभी खिलाड़ी डेब्यू कर कर रहे थे और सूर्या समझ ही नहीं पा रहे थे गलती कहां हो रही सूर्यकुमार यादव ने 2013 में अंडर-23 एशिया कप खेला था। उनके साथ उस समय अक्षर पटेल, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह खेल चुके थे। ये सभी खिलाड़ी सूर्या से पहले भारतीय टीम के लिए डेब्यू कर चुके थे। वहीं, सूर्या का नाम चयनकर्ताओं के लिस्ट में ही नहीं आ रहा था।

शादी के बाद बदली किस्मत - 2016 में सूर्या की शादी देविशा से हुई और सबकुछ बदल गया। उन्होंने हाल ही कहा था, 2018 तक मेरा चयन जब भारतीय टीम में नहीं हुआ तो मैं काफी परेशान रहने लगा। तब देविशा ने मुझे संभाला उसका कहना था कि तुम इन सब बातों पर ध्यान नहीं दो, बस खुद पर फोकस करो। धीरे-धीरे सब अच्छा होगा। उसने मुझे कभी फ्रस्टेशन में नहीं आने दिया। सबसे अच्छी बात ये थी कि हम प्रॉब्लम नहीं सोल्यूशन ढूंढते थे कि कैसे मैं और बेहतर कर सकता हूं। वो मुझे केवल अपने भविष्य पर ध्यान देने को कहती और उसे बेहतर बनाने पर जोर देती। मैं जब भी घर पर रहता कभी निराश नहीं हुआ।

मेरी असली कोच मेरी वाइफ है वो ना होती तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंचता - सूर्या ने आगे कहा कि मुझे शादी से पहले तक पता ही नहीं था कि सही डाइट क्या होती है। मुझे जो पसंद आए वो खाता था। चाहे वो बिरयानी हो या फिर आइसक्रीम, लेकिन 2018 से मैं इस ओर ध्यान देने लगा और इसका सारा क्रेडिट मेरी पत्नी को जाता है। जब डाइट ना करने से मेरे शरीर पर असर होने लगा तो मेरी बात देविशा से हुई। उसने मुझे समझाया कि प्रॉपर डाइट फॉलो कर के देखते हैं। उसके बाद सब सही हो गया। 2020 आते-आते मेरा शरीर पूरी तरह फिट हो चुका था और इसका पॉजिटिव असर मेरे क्रिकेट पर भी दिखने लगा।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर बच्चों में डालें एकता का भाव

हर साल 31 अक्तूबर के दिन राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। साल 2014 से इस दिन को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के दिन मनाया जा रहा है जिन्होंने देश की आजादी के बाद रजवाड़ों के भारत में विलय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अखंड भारत की नींव रखी थी। उनके इसी कार्य से एकता दिवस का अर्थ भी सिद्ध होता है। देखा जाए तो हम सभी को अपने बच्चों में बचपन से ही अनेकता में एकता के गुण डालने चाहिए। भारत विविधताओं से भरा देश है, लेकिन फिर भी हम सब एक हैं, भारतीय हैं। बच्चों में इस भाव को पैदा करने के लिए और उन्हें अनेकता में एकता के बारे में समझाने के लिए कुछ कोशिशें की जा सकती हैं। बच्चों को अनेकता क्या होती है यह समझाने के लिए आपको बहुत भारी-भरकम शब्दों के इस्तेमाल की आवश्यक्ता नहीं है। आप घर की चीजों को दिखाकर, बच्चों के खिलौने उठाकर या फिर किसी जंगल या फिर परिवार का उदाहरण देकर भी बच्चों को बता सकते हैं कि किस तरह अलग-अलग चीजें मिलकर एक ही परिवार बनाती हैं और आपस में मिली-जुली हैं। यही अनेकता की खूबी भी है और खासियत भी।

दोस्तों का दें उदाहरण : बच्चे चाहे कुछ समझें या ना समझें लेकिन दोस्ती और दोस्ती का महत्व कच्ची उम्र से ही बखूबी समझते हैं। बच्चों को उनके दोस्त का उदाहरण देकर ही बताएं कि किस तरह वे दोनों एकदूसरे से बेहद अलग होने के बाद भी अच्छे दोस्त हैं। दोनों की अलग-अलग पसंद, अलग बोलचाल का तरीका, अलग पारिवारिक बैकग्राउंड और अलग पहनावा उन्हें भिन्न बनाते हुए भी एकदूसरे के करीब रखता है।

त्योहार मनाना : अनेकता में एकता के बारे में बच्चों को बताने के साथ ही उदाहरण देकर उन्हें इसका महत्व अनुभव भी कराएं। अलग-अलग त्योहारों को मिलकर सेलिब्रेट करना, पड़ोसियों को मिठाइयां खिलाना और उनके द्वारा मनाए जाने वाले किसी खास त्योहार पर उन्हें बधाई देना और उनके पकवान खाना, बच्चों को आपस में खेलने के लिए भेजना यह दर्शाता है कि अलग-अलग तरह के त्योहारों को साथ मनाने में जो खुशी है वो अतुल्य होती है।

घूमने जाना : आप जिस जगह पर रहते हैं हो सकता है वहां आपकी तरह के ही लोग रहते हों। सभी के घर एकजैसे हो सकते हैं, पहनावा और बोलचाल वगैरह भी एक सी ही हो सकती है। ऐसे में बच्चों को घुमाने-फिराने लेकर जाना अच्छा रहता है। इससे वे देख पाते हैं कि भारत के ही अलग-अलग राज्यों में लोग हमसे अलग होकर भी कितने एक से होते हैं। चाहे आपको किसी की भाषा समझ ना आए, लेकिन उनके भाव आसानी से समझे जा सकते हैं। ये ऐसे गुण हैं जो बच्चों को उदार और सभी के प्रति संवेदनशील भी बनाते हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर होंगे कार्यक्रम

उपखण्ड राजाखेड़ा में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 31 अक्तूबर को बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें 31 अक्तूबर को सुबह 7 से 9 बजे तक रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) का ब्लॉक स्तर पर आयोजन अजयपाल सिंह की कोठी नाहिला रोड से प्रारंभ होकर समापन पंचायत समिति राजाखेड़ा में होगा। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर पृथक से 25 एकता दौड़ 25 ग्राम पंचायतों में आयोजन विकास अधिकारी पंचायत समिति राजाखेड़ा के निर्देशन में ग्राम पंचायत स्तर पर किया जायेगा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर प्रात: 11 बजे ब्लॉक स्तर के सभी कार्यालयों में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा एकता शपथ , ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यालयों में कार्यालयाध्यक्षों द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलवाई जाएगी। दोपहर 2.30 बजे राजकीय महाविद्यालय राजाखेड़ा में कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए तथा पंचायत समिति सभागार राजाखेड़ा में सभी प्रबुद्धजन अधिकारी, कर्मचारी जनप्रतिनिधिगण की सहभागिता से राष्ट्रीय एकता दिवस व राष्ट्रीय संकल्प दिवस पर विचार संगोष्ठी होगी।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर जानें लौहपुरुष के बारे में 10 खास बातें

देश 31 अक्तूबर को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 147वीं जयंती मनाएगा। हिंदुस्तान को आजादी मिलने के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल की पूरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। यही कारण है कि वल्लभभाई पटेल की जयंती को देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है। पहली बार राष्ट्रीय एकता दिवस 2014 में मनाया गया था। सरदार पटेल आजादी के बाद देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी थे। मोदी सरकार सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को एक बार फिर बड़े स्तर पर मनाने की तैयारी कर रही है। सरदार पटेल की जयंती के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद गुजरात के केवड़िया जाएंगे और वहां पर आयोजित एकता दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। केवड़िया में ही स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आईएएस प्रोबेशनर्स को भी संबोधित करेंगे। सरदार पटेल ही भारतीय सिविल सेवा की निरंतरता को कायम रखने वाले निर्णायक व्यक्ति थे।

यहां जानें सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में 10 खास बातें -

1। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ। लंदन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढ़ाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया।

2। स्वतंत्रता आंदोलन में सरदार पटेल का पहला और बड़ा योगदान 1918 में खेड़ा संघर्ष में था। उन्होंने 1928 में हुए बारदोली सत्याग्रह में किसान आंदोलन का सफल नेतृत्व भी किया।

3। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे।

4। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देशी रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया।

5। महात्मा गांधी ने सरदार पटेल को लौह पुरुष की उपाधि दी थी।

6। गुजरात में नर्मदा के सरदार सरोवर बांध के सामने सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर (597 फीट) ऊंची लौह प्रतिमा (स्टैचू ऑफ यूनिटी) का निर्माण किया गया। यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इसे 31 अक्तूबर 2018 को देश को समर्पित किया गया। स्टेचू ऑफ लिबर्टी की ऊंचाई केवल 93 मीटर है।

7। यह सरदार पटेल का ही विजन था कि भारतीय प्रशासनिक सेवाएं देश को एक रखने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवाओं को मजबूत बनाने पर काफी जोर दिया। उन्होंने सिविल सेवाओं को स्टील फ्रेम कहा था।

8। बारडोली सत्याग्रह आंदोलन के सफल होने के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को *सरदार* की उपाधि प्रदान की थी।

9। किसी भी देश का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित होता है और सरदार पटेल देश की एकता के सूत्रधार थे। इसी वजह से उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

10। सरदार पटेल जी का निधन 15 दिसंबर, 1950 को मुंबई में हुआ था। सन 1991 में सरदार पटेल को मरणोपरांत *भारत रत्न* से सम्मानित किया गया था।

कैसे तय किया गया राष्ट्रीय एकता दिवस, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का वेन्यू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लक्ष्य एक भारत श्रेष्ठ भारत की ओर लगातार बढ़ रहे हैं। इसी सिलसिले में जन्म हुआ 31 अक्तूबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस का। 31 अक्तूबर भारत के पहले गृह मंत्री सरदार पटेल की जयंती है। राष्ट्रीय एकता दिवस देश में साल 2014 से धूमधाम से मनाया जाता है। पिछले 8 सालों में इस दिवस को लोगों ने इस तरह स्वीकार किया है कि यह दिन स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की तरह मनाया जाने लगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिवस को ऐसी परंपरा का रूप दे दिया है कि अब भारत का कोई भी भावी प्रधानमंत्री इस उत्सव को मनाना नहीं भूलेगा। राष्ट्रीय एकता दिवस की आधिकारिक शुरुआत साल 2018 में उस वक्त हुई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को देश को समर्पित किया था। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और राष्ट्रीय एकता दिवस का संबंध ठीक उसी तरह हो गया जैसे गणतंत्र दिवस का *कर्तव्य पथ* से और स्वतंत्रता दिवस का *लाल किले* से। सूत्र बताते हैं कि इस साल भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस में शामिल होंगे। इस उत्सव में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड भी होगी। इसमें पांच राज्यों की पुलिस परेड करेगी। अंबाजी के म्यूजिकल बैंड के आदिवासी बच्चे रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। यह वही बैंड है जो कभी अंबाजी मंदिर में भिक्षा मांगा करता था। प्रधानमंत्री मोदी जब पिछले महीने अंबाजी दौरे पर थे तो इन बच्चों ने उनके सामने भी कार्यक्रम पेश किया था। उस वक्त पीएम ने उन्हें प्रोत्साहित किया था। राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी भी होगी। इस कार्यक्रम का विचार भी पीएम मोदी ने ही दिया था।

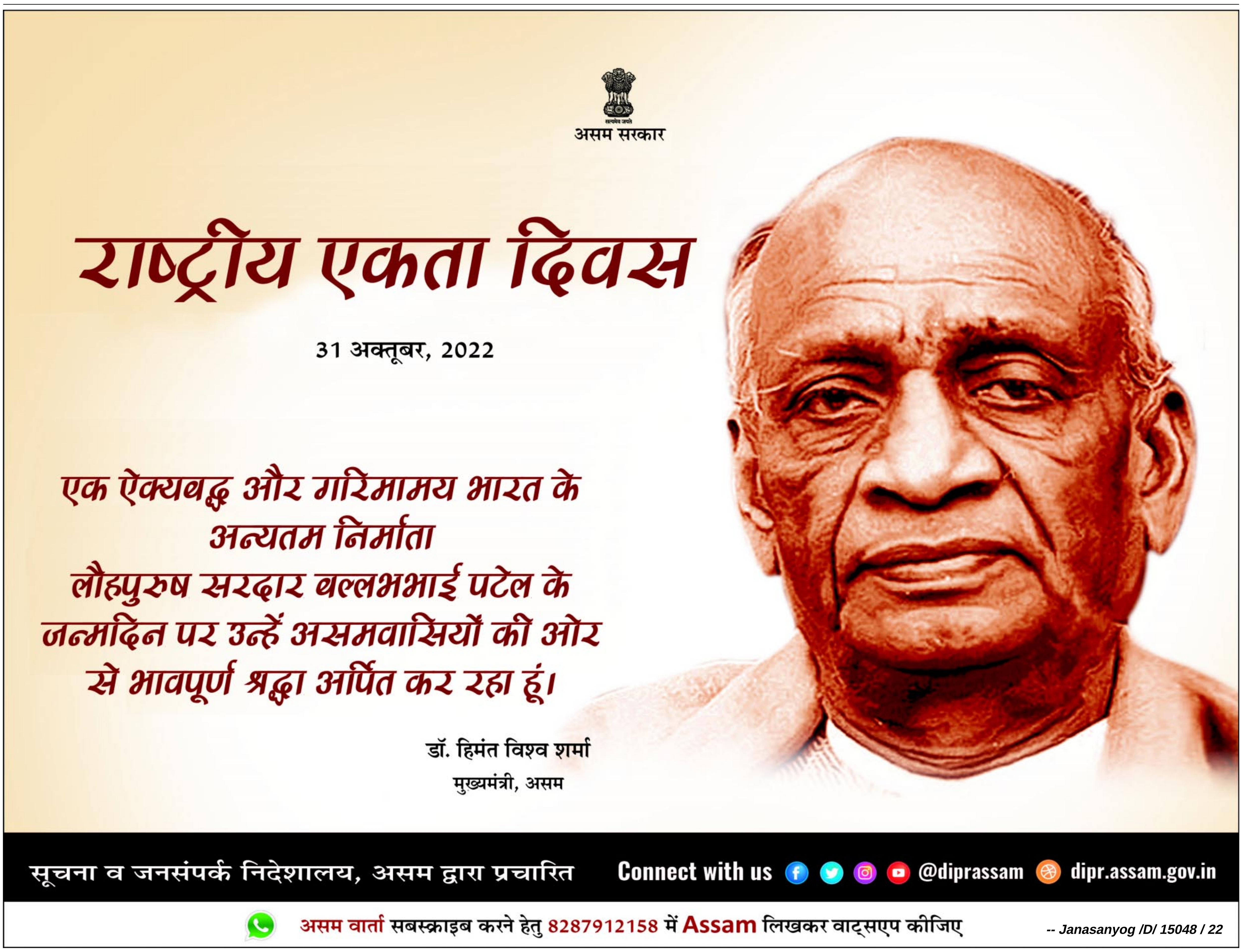

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**